भाजपा ने निचले सदन में बोला- सीईसी समिति को लेकर मोदी पर भरोसा क्यों नहीं - 10

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले- ओमान न्यूजीलैंड से एफटीए पर वार्ता अंतिम दौर में - 10

भारत की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देगा इटली : तजानी - 11

विराट कोहली एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे - 12

आज का मौसम

23.0⁰ अधिकतम तापमान

10.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.54

सूर्यास्त 05.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष सप्तमी, 01:57 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 11 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 17, पृष्ठ 14 मूल्य 6 रुपये

मा. योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

बीडीए बरेली को बना रहा ग्रेटर...

बरेली को नाथ नगरी के नाम से जाना जाता है। शहर की चारों दिशाओं में भगवान भोलेनाथ के सात प्राचीन नाथ मंदिर हैं। इन नाथ मंदिरों से लाखों भक्तों की आस्था जुड़ी हुई है, लेकिन अब बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) इसमें एक नया नाम जोड़ने जा रहा है और वह है ग्रेटर बरेली। बीडीए, बरेली शहर को इस प्रकार से विकसित करने को प्रयासरत है कि जल्द ही आस्था, औद्योगिक के क्षेत्र में इसे ग्रेटर बरेली के रूप में नई पहचान मिलेगी। रामगंगा नगर आवासीय योजना, ग्रेटर बरेली आवासीय योजना के साथ ही अब पीलीभीत बाईपास रोड पर नई टाउनशिप विकसित होने के साथ ही बरेली को औद्योगिक हब बनाने के लिए बीडीए राहपुरा जागीर में इंडस्ट्रियल टाउनशिप भी जल्द ही विकसित करने जा रहा है। बीडीए की योजनाओं में बरेली के हर वर्ग की जुबान पर रामायण वाटिका का नाम है। भक्ति और पर्यटन का संगम बनने जा रहे रामायण वाटिका में भगवान श्रीराम की 51 फीट ऊंची प्रतिमा को आकर्षक रूप देने के लिए लैंडस्केपिंग, लाइटिंग और सुंदर मूर्तिकला पर तेजी से काम चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्द ही इसका अनावरण करेंगे।

● मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय

● मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम

रूद्रावनम में दिखेगा नाथ नगरी का वैभव

बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने ग्रेटर बरेली के सेक्टर सात में रुद्रावनम प्रस्तावित किया है। रुद्रावनम के 23 एकड़ रकबे में से 2.5 एकड़ रकबे में नाथ म्यूजियम विकसित किया जा रहा है, इसका मॉडल बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. मनिकंडन ए ने मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत किया था। अब इसको धरातलीय रूप देने में बीडीए अफसर जुट गए हैं।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा

बीडीए अधिकारियों के मुताबिक, रामायण वाटिका को ऐसा स्वरूप दिया जा रहा है कि यह धार्मिक पर्यटन का नया केंद्र बने। यहां आने वाले लोगों को भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों से जुड़ी झलकियां देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही वाटिका में पौधों, मूर्तियों और थीम आधारित संरचनाओं के जरिए रामायण काल का वातावरण तैयार किया जा रहा है। हर झांकी में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमानजी के प्रसंग दिखाए जाएंगे।

अवैध निर्माण पर शिकंजा, इंडस्ट्रियल टाउनशिप से रोजगार की बहार

बरेली के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए रहपुरा जागीर क्षेत्र में 113 हेक्टेयर जमीन पर इंडस्ट्रियल टाउनशिप बसाने को बीडीए ने तैयारी कर ली है। टाउनशिप को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। सड़कों से लेकर ऊर्जा आपूर्ति तक, हर व्यवस्था सोलर आधारित होगी ताकि यह परियोजना पर्यावरण के अनुकूल मॉडल बन सके।

● बीडीए का स्काई-वे अपार्टमेंट।

आवासीय योजनाओं से शहर के विस्तार को लग रहे हैं पंख

किसी भी शहर की मूल आवश्यकताओं में बिजली, पानी, सड़क, सीवर, पार्क, खेलकूद मैदान, बैंक और स्कूल को अहम माना जाता है। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की रामगंगा नगर आवासीय योजना में यह सब समाहित है। बीसलपुर-बड़ा बाईपास रोड के किनारे 672 एकड़ व 12 सेक्टर में बसाई जा रही रामगंगा नगर आवासीय योजना में प्रत्येक सेक्टर की अपनी अलग खासियत है। सेक्टर एक में बड़े पार्क के बीच सरोवर-तालाब भी विकसित हो रहा। सेक्टर दो में रामायण वाटिका, बीडीए कार्यालय स्थापित किया गया है। सेक्टर-तीन में आठ हजार वर्गमीटर में एक इंटर कॉलेज सीबीएसई बोर्ड और राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का कार्यालय, सेक्टर-चार में सीयूजीएल का पेट्रोल पंप व कई अन्य व्यावसायिक गतिविधियां शामिल हैं। सेक्टर-पांच में कई अस्पतालों को विकसित कर ने की योजना है, जिसके लिए भूखंड आवंटित कर दिए गए हैं। सेक्टर छह में एलआईसी ऑफिस समेत कई अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाए जा रहे हैं। सेक्टर सात में वेदांता अस्पताल बनकर तैयार है, जिसका संचालन भी शुरू हो चुका है।

● रास्तों का चौड़ीकरण

22 करोड़ की लागत से 33,000 वर्गमीटर जमीन पर हरित रामायण वाटिका विकसित

रामगंगानगर में 22 करोड़ रुपये की लागत से 33,000 वर्गमीटर जमीन पर हरित रामायण वाटिका विकसित की जा रही है। इसमें भगवान राम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बनेगी। वाटिकाओं में दिखेगा वनवासी जीवन। बीडीए द्वारा विकसित रामायण वाटिका का 90 परसेंट तक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। बीडीए वीसी के अनुसार भगवान श्रीराम के वनवासी जीवन को छह अलग-अलग वाटिकाओं के माध्यम से दर्शाया जा रहा है। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम जहां-जहां से गुजरे उससे संबंधित वाटिकाओं का निर्माण किया किया गया है। उस जगह से संबंधित पेड़ों को भी वाटिका में लगाया गया है। इसके जरिए उनके जीवन के अनुभव को दर्शाने की कोशिश की गई है।

ये हैं बीडीए के प्रमुख प्रोजेक्ट

बीडीए अधिकारियों के अनुसार, शहर को विकास के पथ पर अग्रणी बनाने के लिए कई प्रमुख प्रोजेक्ट को बीडीए की ओर से धरातल पर लाने की तैयारी है। इसमें रामायण वाटिका पूरी तरह से तैयार है इसके साथ ही नाथ म्यूजियम, पीलीभीत बाईपास रोड पर नई टाउनशिप, साइंस पार्क, रूदावनम और इंडस्ट्रियल टाउनशिप भी जल्द धरातल पर नजर आएगी।

बरेली बनेगा इंडस्ट्रियल-लॉजिस्टिक हब का नया केंद्र

लॉजिस्टिक हब शुरू होते ही बरेली ट्रांसपोर्ट और सप्लाई चेन का बड़ा केंद्र बनने की ओर बढ़ेगा। इससे न सिर्फ शहर, बल्कि आसपास के जिलों का औद्योगिक विकास भी तेज़ होगा। बीडीए ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि तकनीकी औपचारिकताएं पूरी होते ही परियोजना शुरू कर दी जाएगी। आने वाले वर्षों में बरेली उत्तर प्रदेश के प्रमुख इंडस्ट्रियल-लॉजिस्टिक हब के रूप में उभर सकता है।

लाइब्रेरी नहीं, किताबों का संसार कहो

बीडीए की रामगंगा नगर आवासीय योजना में विकसित हो रही लाइब्रेरी को किताबों का संसार कहना गलत नहीं होगा। चार मंजिला इस लाइब्रेरी में सेल्फ स्टडी एरिया, ब्रेल सेक्शन, जनरल रीडिंग, कैंटीन के साथ ही इतिहास, फिजियोलॉजी, जर्नलिज्म, वास्तुशास्त्र समेत ऑडियो-वीडियो विजुअल कक्ष भी शामिल होंगे।

3000 से ज्यादा विजिटर्स रामायण वाटिका की खूबसूरती देखने और शांत माहौल के लिए आते हैं।

500 से ज्यादा नीम, अशोक, पीपल और आंवला जैसे कई खास और दवा वाले पौधे।

150 से ज्यादा रंग- बिरंगे पौधों का प्रयोग करके तैयार की गई मूर्तियां और डिजाइन बनाए गए हैं।

> भविष्य की सभी तैयारियों के साथ अगले 20 से 50 वर्षों के दृष्टिगत हमारा शहर किस दिशा में प्रगति करेगा एवं उस समय तक हमारी क्या-क्या आवश्यकताएं होंगी, उसके दृष्टिगत हम लोग आज से ही अपने शहर को सुनियोजित बनाएंगे, जिससे जन सामान्य की आशाओं, आकांक्षाओं की प्रगति उपलब्ध हो सके। बीडीए सभी योजनाओं को भविष्य की जरूरत के अनुसार धरातल पर लाने का कार्य कर रहा है।
>
> – **भूपेंद्र एस चौधरी**, मंडल आयुक्त बरेली

> शहर को विकास के पथ पर अग्रणी बनाने के लिए प्राधिकरण प्रयासरत है। लोगों की जरूरतों के अनुरूप आवासीय योजनाओं को विकसित किया जा रहा है। जल्द ही पीलीभीत बाईपास रोड पर नई टाउनशिप के साथ ही इंडस्ट्रियल टाउनशिप भी विकसित की जाएगी जिससे बरेली को इंडस्ट्रियल हब बनाने का प्रयास है। रामायण वाटिका, कन्वेंशन सेंटर, स्काई-वे अपार्टमेंट, लाइब्रेरी समेत लोगों की हर आवश्यकताओं को उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। – **डॉक्टर मनिकंडन ए, उपाध्यक्ष बीडीए**

> बरेली विकास प्राधिकरण निरंतर शहर के विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। राम गंगानगर और ग्रेटर बरेली आवासीय योजना के बाद अब दो अन्य टाउनशिप समेत आम जन के हितकारी तमाम प्रोजेक्ट जल्द धरातल पर नजर आएंगे।
>
> – **वन्दिता श्रीवास्तव**, सचिव बीडीए

15 वातानुकूलित कमरों के साथ कन्वेंशन सेंटर में गूंजेगी शहनाई

बीडीए द्वारा विकसित किए जा रहे कन्वेंशन सेंटर में 600 व 200 व्यक्तियों की क्षमता के लिए कांफ्रेंस हाल, 15 वातानुकूलित कमरों के साथ ही विवाह व अन्य आयोजन के लिए एक लॉन भी है। वहीं 300 वाहनों के लिए वृहद पार्किंग स्थल भी शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

सैय्यद शाह शम्सुददीन मियां का उर्स 31 से

तिलहर, अमृत विचार : नगर के प्रसिद्ध बुजुर्ग हजरत सैयद शाह शम्सुददीन मियां रहमतुल्लाह अलैह का 191 वां सालाना उर्स शरीफ 31 दिसंबर से 5 जनवरी तक मनाया जायेगा। सज्जादानशीन इकबाल हुसैन उर्फ फूल मियां ने बताया कि उर्स की शुरुआत 31 दिसम्बर बाद नमाज़ फ़जिर परचम कुशाई से होगी। 1 जनवरी को सुबह कुरआन ख्वानी, रात 9 बजे से मुशायरा होगा। 2 जनवरी को सुबह कुरआन ख्वानी बाद नमाज़ इशा जलसा मीलादुन्नबी होगा। 3 जनवरी को प्रात: 8 बजे से तकरीर उलमा-ए-करम के साथ प्रात: 10 :30 बजे कुल शरीफ होगा। 4 जनवरी को रात्रि 8 :00 बजे से कव्वाली का प्रोग्राम होगा।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

तिलहर , अमृत विचार : दुराचार के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को पकड़ लिया। थाना क्षेत्र की एक महिला ने रानी खिरिया गांव के मजरा के पिपरा निवासी धर्मेंद्र वर्मा पर बीते दिन एक महिला ने दुराचार का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बुधवार की सुबह पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया।

धान से भरा ट्रक पलटा

पुवायां, अमृत विचार : रायबरेली से धान लादकर पीलीभीत जा रहा एक ट्रक गुरुवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार ट्रक चालक को अचानक नींद की झपकी आने से वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके चलते ट्रक पुवायां-मोहम्मदी हाईवे पर स्थित धर्मगदपुर खुर्द के पास गन्ने के खेत में पलट गया। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर चालक को बाहर निकाला।

कानून का लक्ष्य सामाजिक बुराई को समाप्त करना

स्वामी शुकदेवानंद विधि महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन, शिक्षाविदों ने रखे विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल मुख्य शिक्षा संकुल के अध्यक्ष स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती, व अन्य अतिथिगण। ● अमृत विचार

स्मृति चिन्ह देते डॉ. अवनीश।

अमृत विचार : स्वामी शुकदेवानंद विधि महाविद्यालय में दो दिवसीय नवीन आपराधिक विधि व्यवस्था और मानवाधिकार आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में चुनौतियों और संभावनाएं विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का आयोजन मुख्य शिक्षा संकुल के अध्यक्ष स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की अध्यक्षता में किया गया।

बोलते मुख्य वक्ता।

गोष्ठी में मुख्य वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के पूर्व प्रोफेसर डॉ. अखिलेंद्र पांडे ने मौलिक अधिकारों और भारतीय धर्मशास्त्र की व्यापकता का बखान किया। उन्होंने नई अपराधिक विधियों और अपराधियों की मानसिकता के आंकलन के बारे में बताया। इसके साथ ही नई अपराधिक विधियों में अनेक प्रावधानों की आलोचनात्मक व्याख्या के साथ ही न्याय दर्शन एवं सत्य दर्शन के अनेक प्रावधानों पर चर्चा की। जिसमें नई अपराधिक विधियों के अंतर्गत मात्रात्मक एवं गुणात्मक दृष्टिकोण से आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने भारतीय साक्ष्य अधिनियम में साक्ष्य की परिभाषाओं में परिवर्तन की आवश्यकता जताई। वहीं एआई आधारित विदेश में हाल ही में हुई नकारात्मक भ्रांतियां में सुधार की आवश्यकता बताई। मुख्य अतिथि एमजेपी रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली के संकायाध्यक्ष प्रो डॉ. अमित सिंह ने मौलिक अधिकार दिवस एवं मौलिक अधिकार अधिनियम के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने भारत की विविधता एवं कानून के परीक्षण की संकल्पना एवं अनेक अधिनियमों के महत्व को बताया। उन्होंने मुख्य तौर पर पांच उद्देश्य बताए कि कानून किस तरह से व्यक्तिगत जीवन में कारगर हो सकता है। विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रो डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी ने दंड से न्याय की अवधारणा को नए अपराधिक विधियों के अंतर्गत महत्वपूर्ण बताते हुए भारतीय और पक्ष या ढांचे की संकल्पनाओं को मौलिक न्याय की आधारशिला पर प्रस्तुत करते हुए राम राज्य की संकल्पना को नई विधियों से जोड़ने के बारे में बताया।

सचिव प्रबन्ध समिति प्रो डॉ. अवनीश मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत कर संगोष्ठी की सफलता एवं महत्व को और स्पष्ट किया। महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। प्राचार्य प्रो डॉ. जय शंकर ओझा ने संपूर्ण संगोष्ठी में आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। प्रदीप कुमार सिंह ने विषय की प्रस्तावना एवं कार्यक्रम का संचालन किया। अतिथियों का परिचय रंजना खंडेलवाल ने किया।

विद्वानों ने अपराधिक विधियों पर गहन विश्लेषण किए प्रस्तुत

उद्घाटन सत्र के समापन पश्चात आयोजित तकनीकी सत्र में डॉ. अनुरोध उपाध्याय, डॉ. सुशील कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, विधि संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो. (डॉ.) अनिरुद्ध राम एसोसिएट डीन स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल अफेयर्स नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, प्रो. (डॉ.) अपर्णा शर्मा, डीन स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा,प्रो. (डॉ.) आरफा राजपूत डीन स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, डॉ. राम गुलाम एसोसिएट प्रोफेसर स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल अफेयर्स नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, डॉ. संदीप मिश्रा इलाहाबाद डिग्री कॉलेज ने नवीन अपराधिक विधियों पर अपने गहन विश्लेषण प्रस्तुत किए। एलएलएम एवं एलएलबी के कुल 30 विद्यार्थियों ने भी अपने-अपने पेपर आयोजित तकनीकी सत्र प्रस्तुत किया। कार्यकम के सफल आयोजन में डॉ. अनिल कुमार शाह, डॉ. प्रेम सागर, डॉ. पवन कुमार गुप्ता, डॉ. अमित कुमार यादव, डॉ. अमरेन्द्र सिंह, श्री सचिन कुमार, अजीत कुमार, विजय सिंह, मृदुल शुक्ल, अरविंद कुमार, डॉ. ज्योत्स्ना गुप्ता, प्रदीप सिंह, प्रियंक वर्मा, चंद्रशेखर मिश्रा, अभिलाष पाण्डेय, अमित सैनी, गौरव गुप्ता, अवनीश चौहान, शिवओम शर्मा, सुनील चौहान, सर्वेश शर्मा, रोहित कुमार, भानू, अरुन, हरीश, शिवम आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आविष्कार परीक्षा में छात्र-छात्राओं ने जीते शील्ड व मेडल

बंडा, अमृत विचार: ब्लॉक संसाधन केंद्र बंडा पर ब्लॉक स्तरीय आविष्कार परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें शामिल हुए छात्र और छात्राओं को परिणाम स्वरूप शील्ड मैडल और प्रशस्ति पत्र आदि देकर सम्मानित किया गया।

मंगलवार को ब्लॉक स्तरीय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान परीक्षा का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी-नवीन कुमार के निर्देशन में ब्लॉक संसाधन केंद्र बंडा में किया गया, जिसमें 150 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में प्रतिभाग किया। परीक्षा का आयोजन तीन चरणों में किया। अंत में सभी चयनित प्रतिभागियों को शील्ड, मेडल और प्रशस्ति-पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान परीक्षा प्रभारी शैलेंद्र चौहान, एआरपी सुनील कुमार, संजीव कुमार, राममूर्ति, वीरपाल, स्नेहलता गौतम, अरविंद कुमार, गुरमेल सिंह, विक्रम सिंह, आशीष कुमार, अंकित कंचन, रविकुमार, सलमान, ओमप्रकाश, प्रवीण चतुर्वेदी, संजय सिंह आदि रहे।

गोशालाओं की व्यवस्थाएं सही रखने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शीतलहर की आशंका को देखते हुए शाहजहांपुर प्रशासन गौवंश संरक्षण व गौशालाओं की समुचित व्यवस्था के लिए सक्रिय हो गया है। कड़कड़ाती ठंड से पशुओं को बचाने हेतु अलाव, तिरपाल, भूसे आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में काम तेज कर दिया गया है। जनपद भर की गौशालाओं में देखरेख स्तरीय नोडल अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि लापरवाही न हो।

सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह ने बैठक कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी गौशालाओं में पशुओं के लिए गर्माहट की व्यवस्था, पानी, चारे की उपलब्धता और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं को प्राथमिकता के रूप में लागू करने को कहा। इटौली, कटरा, कांट सहित विभिन्न क्षेत्रों की गौशालाओं का निरीक्षण कराया जा रहा है। कांट इंदेपुर गौशाला में अव्यवस्था मिलने पर सीडीओ ने संबंधित एनजीओ को नोटिस जारी करवाया है।

जूस पिलाकर उपवास खुलवाया

शाहजहांपुर, अमृत विचार: प्रबुद्ध चेतना समिति के संयोजक जगदीश चंद्रा देश के प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को सामाजिक समस्याओं से अवगत कराने व उनके निराकरण हेतु डा. बीआर अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर पुवायां रोड स्थित बुद्ध विहार में डा. अम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष 50 घंटे के उपवास पर बैठे उपवास अवधि पूर्ण होने पर पूर्व आरईएस के. के. कठेरिया एवं समाजसेवी अशफ़ाक़ उल्लाह खाँ ने जूस पिलाकर जगदीश चंद्रा का उपवास खुलवाया। इस अवसर पर समाजसेवी भगवंतराम की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें कवि ज्ञानेन्द्र मोहन ''ज्ञान'', एडवोकेट सुरेश पाल सिंह, जगदीश प्रसाद, प्रवक्ता राम सिंह, एडवोकेट बृजेश कुमार, भरतपाल सिंह, जी एस गौतम, फैज़ान इदरीसी, रामसेवक गौतम आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, मोहम्मदी-खीरी

पत्रांक / आंकिक / पंचम / पंद्रहवां वित्त आयोग / निविदा / 2025–2026 /

निविदा आमंत्रण

दिनांकः 06.12.2025

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी–खीरी हेतु पंचम राज्य वित्त आयोग एवं पंद्रहवां केन्द्रीय वित्त आयोग टाइड/अनटाइड योजना के अर्न्तगत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में वित्तीय वर्ष 2025–2026 में कराये जाने वाले निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु पी0डब्लू0डी0 की दरों पर पंजीकृत स्थानीय एवं प्रतिष्ठित ठेकेदारों/फर्मों से प्रतिशत दरों में अधोलिखित कार्यों हेतु जिनका आयकर ,वाणिज्यकर विभाग में पंजीकरण हो से मोहरबंद निविदा दिनांक 06.12.2025 को अपरान्ह 12.00 बजे से आमंत्रित की जाती हैं।

कम सं	योजना का नाम	कार्य का नाम	कार्य की आंगणन	सिक्योरिटी (2:)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (समस्त करों सहित)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	15 वां केन्द्रीय वित आयोग(टाइड)	ग्राम पंचायत भुड़िया के रामालक्ष्ना में मन्दिर पर स्वच्छ पेयजल स्थापन कार्य 1नग।	5,30,000.00	10,600.00	855	03 माह
2	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(टाइड)	ग्राम पंचायत दिलावरपुर में गन्ना विकास समिति में स्वच्छ पेयजल स्थापन कार्य 1नग।	5,30,000.00	10,600.00	855	03 माह
3	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(टाइड)	ग्राम पंचायत अकबराबाद के रधोला में मन्दिर पर स्वच्छ पेयजल स्थापन कार्य 1नग।	5,30,000.00	10,600.00	855	03 माह
4	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(टाइड)	ग्राम पंचायत राजापुर वैनी में मंगलेश्वर नाथ मन्दिर पर स्वच्छ पेयजल स्थापन कार्य 1नग।	5,30,000.00	10,600.00	855	03 माह
5	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(टाइड)	ग्राम पंचायत गुलरिया परवस्तनगर में विद्यालय में स्वच्छ पेयजल स्थापन कार्य 1नग।	5,30,000.00	10,600.00	855	03 माह
6	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(टाइड)	ग्राम पंचायत राजापुर वैनी में स्वच्छ पेयजल स्थापन कार्य 1नग।	5,30,000.00	10,600.00	855	03 माह
7	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(टाइड)	ग्राम पंचायत गुलरिया परवस्तनगर में इण्टरलाक रोड में पुलिया तक नाला निर्माण कार्य।100मी0	7,25,000.00	14,500.00	855	03 माह
8	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(टाइड)	ग्रा0पं0 राजापुर बेनी के जरिया मे मोहित के मकान से अनिल सिंह के मकान की ओर दोनो तरफ नाली निर्माण कार्य।100मी0	3,29,400.00	6,588.00	855	03 माह
9	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(अनटाइड)	ग्रा0पं0 राजापुर बेनी के जरिया मे मोहित के मकान से अनिल सिंह के मकान की ओर इण्टरलॉक निर्माण कार्य। 100मी0	6,09,800.00	12,196.00	855	03 माह
10	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(अनटाइड)	ग्राम पंचायत शंकरपुर राजा के मजरा जलालपुर में पक्की रोड़ से रंजीत के मकान तक इण्टरलॉक निर्माण कार्य। 75मी0	6,02,300.00	12,046.00	855	03 माह
11	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(अनटाइड)	ग्रा0पं0 राजापुर बेनी के शेखापुर मे गरीश के मकान से विमल के मकान के आगे तक इण्टरलॉक निर्माण कार्य। 113मी0	7,49,900.00	14,998.00	855	03 माह
12	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(अनटाइड)	ग्राम पंचायत पडसर के मजरा गेहुआ में पीपल पेड से रंजीत के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य। 90मी0	5,76,900.00	11,538.00	855	03 माह
13	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(अनटाइड)	ग्राम पंचायत बगरेठी में विनोद के मकान से भुईहार बाबा के स्थान की ओर इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य। 40मी0	2,50,800.00	5,016.00	855	03 माह
14	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(अनटाइड)	ग्रा0पं0 राजापुरबेनी के मजरा शेखापुर में कृपाल के मकान के पास से मुनेन्द्र के मकान तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।40मी0	2,54,600.00	5,092.00	855	03 माह
15	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(अनटाइड)	ग्राम पंचायत भंगेली के मजरा शेखापुर में इण्टरलाक रोड से चर्तुभुज के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य। 35मी0	2,18,300.00	4,366.00	855	03 माह
16	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(अनटाइड)	ग्राम पंचायत असौवा में रोड से प्रकाश के घर की ओर इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य। 80मी0	4,94,200.00	9,884.00	855	03 माह
17	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(अनटाइड)	ग्राम पंचायत पोखनापुर पक्की रोड से सुनील के घर होते हुए श्रीकान्त के घर तक इण्टरलॉक निर्माण कार्य।150मी0	8,88,300.00	17,766.00	855	03 माह
18	15 वां केन्द्रीय वित्तआयोग(अनटाइड)	ग्राम पंचायत बंजरिया में पक्की रोड से पपिन्दर सिंह के घर तक इण्टरलॉक निर्माण कार्य। 40मी0	2,69,600.00	5,392.00	855	03 माह
19	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत रामपुर मिश्र में मेन खडण्जा से दुधौरिया मार्ग तक खडण्जा निर्माण कार्य। 200मी0	5,09,500.00	10,190.00	855	03 माह
20	पंचम राज्य वित आयोग	ग्राम पंचायत नयागांव में पक्की रोड से बनवारी के घर तक खडण्जा निर्माण कार्य। 200मी0	5,10,800.00	10,216.00	855	03 माह
21	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत राजापुर बेनी के विकास नगर में नछतर के घर से गजोधर के घर की ओर खडन्जा निर्माण कार्य। 128.30मी0	2,40,700.00	4,814.00	855	03 माह
22	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत नयागांव के मजरा नौगवॉ में गोपी के घर से रोड तक खडन्जा निर्माण कार्य। 181मी0	4,65,700.00	9,314.00	855	03 माह
23	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत पडसर के गेहुआ में तालाब के पास से हरिश्चन्द्र के खेत की ओर खडन्जा निर्माण कार्य। 400मी0	9,90,200.00	19,804.00	855	03 माह
24	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत बौआ में पक्की रोड से प्यारा सिहं के घर की ओर खडन्जा निर्माण कार्य। 400मी0	9,91,800.00	19,836.00	855	03 माह
25	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत बहादुरनगर में अशोक त्रिवेदी के घर से मेन रोड तक खडन्जा निर्माण कार्य। 40मी0	1,12,000.00	2,240.00	855	03 माह
26	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत रछेलावाजिदपुर में दीपक के खेत से राजेन्द्र के खेत की ओर खडन्जा निर्माण कार्य। 270मी0	6,19,800.00	12,396.00	855	03 माह
27	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत पिपरिया धनी मे पलविन्दर के मकान से सरकारी नलकूप की ओर खडन्जा निर्माण कार्य। 200मी0	5,19,000.00	10,380.00	855	03 माह
28	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत मूडागालिब में नंदकिशोर के घर से गया प्रसाद के घर की ओर खण्डजा निर्माण कार्य। 40मी0	1,09,500.00	2,190.00	855	03 माह
29	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत सिसियर में जगतार सिंह के खेत से छुन्नू सिंह के खेत की ओर खण्डजा निर्माण कार्य। 400मी0	9,95,700.00	19,914.00	855	03 माह
30	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत बिचपरी में साधन सहकारी समिति की बाउन्ड्रीवाल व गेट निर्माण कार्य। 102मी0	9,90,600.00	19,812.00	855	03 माह
31	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्राम पंचायत गुलरिया परवस्त नगर में साधन सहकारी समिति की अवशेष बाउन्ड्रीवाल निर्माण कार्य। 100मी0	9,66,400.00	19,328.00	855	03 माह
32	पंचम राज्य वित्तआयोग	ग्रा0पं0 मझिगवां के मजरा बेला पहाडा में भजन सिंह के घर से दुःख निवारण गुरूद्वारा की ओर खडंजा निर्माण कार्य।300मी0	7,43,700.00	14,874.00	855	03 माह

नियम व शर्तें–

1. निविदाफार्म व उससे सम्बन्धित निर्देश क्रय किये जाने हेतु खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी के कार्यालय में दिनांक 06.12.2025 से 20.12.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे तक 855.00 रू0 नकद धनराशि श्री सुशील कुमार कैशियर/भण्डार लिपिक के पास जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं।
2. निविदा प्रपत्र भरकर उसके साथ धरोहर की धनराशि मूल्य 2 प्रतिशत राष्टीय बैंक का एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी के पक्ष में समस्त अभिलेख मोहर बन्द लिफाफे में निविदा प्रपत्र. के साथ संलग्न कर दिनांक 20.12.2025 तक अपरान्ह 12:00 तक खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी के कार्यालय में सील बन्द टेण्डर बाक्स में डाले जायेगे/ डाक द्वारा भी प्रेषित किये जा सकते हैं, निर्धारित तिथि व समय के बाद निविदा स्वीकार नही की जायेगी।
3. कार्यआदेश निर्गत की तिथि से कार्यपूर्ण करने की अवधि 03 माह निर्धारित की जाती है।
4. धनराशि की उपल्बधता के आधार पर ही कार्य का भुगतान किया जायेगा।
5. प्राप्त टेण्डर को खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी खीरी के द्वारा गठित समिति के समक्ष 20.12.2025 को समय अपरान्ह 2:00 बजे सार्वजनिक रूप से खोले जायेंगें।
6. भुगतान हेतु प्राप्त बिलों पर नियमानुसार 2% आयकर, 2%जी0एस0टी0, 1%लेबर सेस 8 प्रतिशत जमानत तथा रायल्टी की कटौती करने बाद 16 प्रतिशत जी0एस0टी0 बिल की धनराशि के साथ भुगतान की जायेगी।
7. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त निर्धारित दरों में वित्तीय वर्ष 2025–26 में कोई मूल्य परिवर्तन मान्य नही होगा।
8. किसी भी एक निविदा को स्वीकार करने अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी में निहित होगा।
9. किसी भी विवाद की दशा में जनपद न्यायालय खीरी ही मान्य होगा।
10. निविदा भरते समय निविदा की दरें अंको के साथ–साथ शब्दों में भी उल्लिखित की जायें।
11. निविदा प्रपत्र के साथ सीलबन्द लिफाफे में 10 रू0 के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र ,फर्म रजिस्टेशन, आयकर ,जी0एस0टी0 तथा जमानत धनराशि का एफ0डी0आर0 एवं आयकर रिटर्न की प्रति जिस पर ठेकेदार/फर्म स्वामी के हस्ताक्षर हो साथ में संलग्न किया जाये।

अश्वनी कुमार सिंह
खण्ड विकास अधिकारी
मोहम्मदी–खीरी

राज नेताओं का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

शाहजहांपुर, अमृत विचार: समाजसेवी नवि सलमान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पोस्टर को गंदगी के पास लगाए जाने पर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने जिलाधिकारी शाहजहांपुर व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन को ज्ञापन भेजकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि सदर तहसील मुख्य गेट व अंटा चौराहा पानी की टंकी के पास लगे पोस्टरों पर पान-पुड़िया की थूक के छींटे पड़े हैं जो प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जैसे शीर्ष पदों का अपमान है। पूर्व में भी ज्ञापन दिया गया था, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्होंने पोस्टर लगाने वाले एवं थूकने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि पूर्व में भी पत्र दिया गया था, लेकिन समाधान नहीं हुआ तो वे टावर पर चढ़कर धरना प्रदर्शन करेंगे।

कैदियों को सुधार कर जिम्मेदार नागरिक बनाएं

शाहजहांपुर, अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर बुधवार को जिला कारागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने की। कार्यक्रम में अपर जिला एवं शस्त्र न्यायाधीश ओमप्रकाश मिश्रा ने कहा कि जेल प्रशासन का उद्देश्य कैदियों के जीवन स्तर में सुधार कर उन्हें पुनः जिम्मेदार नागरिक के रूप में स्थापित करना है। इस दौरान कैदियों को निशुल्क विधिक सेवा सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। कार्यक्रम उपरांत कैदियों को जैकेट, कंबल आदि वितरित किए गए। मौके पर दिनेश मिश्रा, विवेक शर्मा सदस्य डिफेंस काउंसलिंग, जेपी तिवारी जेल अधीक्षक, कृष्ण कुमार गुप्ता रहे।

बीटीसी शिक्षक संघ की इकाई का गठन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ कांट के ब्लॉक प्रभारी राम आसरे वर्मा के नेतृत्व में कांट ब्लॉक की कार्यकारिणी गठित की गई। जिसमें सुधीर कुमार कश्यप को ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर देवेंद्र पाल सिंह को जिला कोषाध्यक्ष, अशफाक अली संगठन मंत्री और अमित कनौजिया को जिला महासचिव पद पर मनोनयन किया गया।

भाजपा ने निचले सदन में बोला- सीईसी समिति को लेकर मोदी पर भरोसा क्यों नहीं - 10

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले- ओमान न्यूजीलैंड से एफटीए पर वार्ता अंतिम दौर में - 10

भारत की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देगा इटली : तजानी - 11

विराट कोहली एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे - 12

आज का मौसम

23.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.54

सूर्यास्त 05.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष सप्तमी, 01:57 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 11 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 17, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

कांस्य पदक पर कब्जा

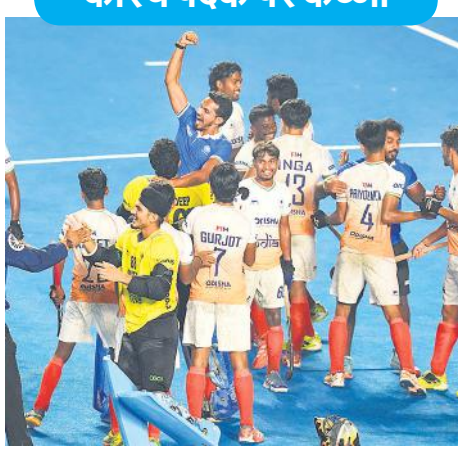

भारत ने नौ साल बाद जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीत लिया। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में खेले गए प्लेआफ मुकाबले में अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। अंकित पाल (49वां), मनमीत सिंह (52वां), शारदानंद तिवारी (57वां) और अनमोल इक्का (58वां) ने गोल दागे। भारतीय टीम इससे पहले दो बार (होबार्ट 2001 और लखनऊ 2016) चैंपियन रही है। (विस्तृत खेल पेज पर)

दीपावली अब दुनिया भर का त्यौहार, यूनेस्को की सूची में हुआ शामिल

- यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल होने वाली भारत की 16वीं सांस्कृतिक परंपरा

नई दिल्ली, एजेंसी

दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया। दिल्ली में लाल किले पर आयोजित यूनेस्को की एक अहम बैठक में यह फैसला लिया गया। यह पहली बार है कि भारत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा है।

इस समिति का 20वां सत्र लाल किले में आठ से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। यूनेस्को द्वारा दीपावली उत्सव को प्रतिष्ठित सूची में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे हवा में गूंज उठे।

विभिन्न पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने मुख्य मंच के सामने प्रस्तुति दी और एक बड़ी स्क्रीन पर दीपावली उत्सव के चित्र प्रदर्शित किए गए। आईसीएच के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के 20वें सत्र के दौरान दीपावली के इस सूची में शामिल होने की घोषणा के तुरंत बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश की ओर से एक बयान दिया।

यह मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने वाली भारत की 16वीं सांस्कृतिक परंपरा है। भारत की 15 सांस्कृतिक परंपराएं वर्तमान में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हैं, जिनमें कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा नृत्य, योग, वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा और रामलीला - महाकाव्य 'रामायण' का पारंपरिक प्रदर्शन शामिल हैं।

दुनिया भर में दीपावली की लोकप्रियता : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने यूनेस्को के निर्णय का स्वागत करते हुए प्रभु श्रीराम से लोगों का मार्गदर्शन करने की कामना की है। मोदी ने एक्स पर लिखा कि देश और दुनिया के लोगों में गजब का उत्साह है। दीपावली हमारी संस्कृति और मूल्यों के बेहद करीब है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह ज्ञान और धर्म का प्रतीक है। यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची का हिस्सा बनने के बाद दीपावली को दुनिया भर में और अधिक लोकप्रियता मिलेगी। मैं उम्मीद करता हूं कि प्रभु श्रीराम के आदर्श हमेशा ऐसे ही हमारा मार्गदर्शन करते रहें।

दीपावली की वैश्विक मान्यता अयोध्या की सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने को गर्व का पल बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय उस उत्सव की वैश्विक पहचान है, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय और नए आरंभ के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक शक्ति व परंपरा की महत्ता को विश्वपटल पर और अधिक मजबूती प्रदान करती है। योगी ने एक्स से विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के दृष्टिकोण से इस उपलब्धि के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उत्तर प्रदेश के लिए इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अयोध्या श्रीराम की पावन भूमि है। यहीं पर दीपावली की पहली ऐतिहासिक उत्सव परंपरा की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहाकि अयोध्या केवल सांस्कृतिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय परंपराओं की आत्मा है।

कांग्रेस की हार की वजह मतदाता सूची नहीं, राहुल का नेतृत्व : शाह

गृह मंत्री ने कहा एसआईआर को लेकर विपक्ष झूठ फैला रहा

- विदेशी नागरिकों को मतदान का अधिकार नहीं दिया जा सकता

नई दिल्ली, एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि एसआईआर को लेकर विपक्ष झूठ फैला रहा है और पूरी दुनिया में भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा है। चुनावों में कांग्रेस की हार की वजह ईवीएम एवं मतदाता सूची नहीं, बल्कि राहुल गांधी का नेतृत्व है। उन्होंने चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए लोकसभा में यह भी कहा कि एक दिन कांग्रेस के कार्यकर्ता हार का हिसाब मांगेंगे।

शाह ने चुनाव सुधारों पर दो दिनों तक हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि दो दिन संसद की कार्यवाही नहीं चल सकी, लोगों के बीच इस तरह का संदेश देने की कोशिश की गई कि हम चर्चा नहीं करना चाह रहे हैं। भाजपा और राजग के लोग चर्चा से कभी नहीं भागे। विपक्ष एसआईआर की डिटेल में समीक्षा की मांग कर रहा है, जो संभव नहीं है क्योंकि यह चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। हम चुनाव नहीं करवाते हैं।

उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिकों को भारत में मतदान करने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। घुसपैठिए यह तय नहीं कर सकते कि सीएम-पीएम कौन हो। शाह ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 में मतदाता की पात्रता, योग्यता, और मतदाता होने की शर्तें तय की गई है। गृह मंत्री ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ईवीएम की दलील गले नहीं उतरती तो अब वोट चोरी का मुद्दा लेकर आए। वोट चोरी का मुद्दा लेकर पूरे बिहार में यात्रा निकाली। फिर भी हार गए। हारने का कारण आपका नेतृत्व है, हारने का कारण ईवीएम और मतदाता सूची नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा कई चुनाव हारी, लेकिन कभी किसी मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े नहीं किए।

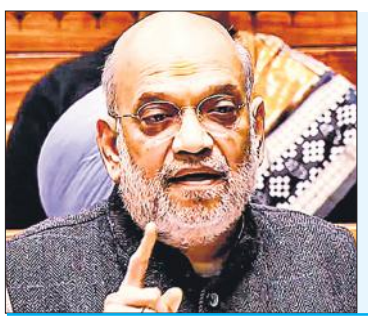

अगर मतदाता सूची खराब थी तो शपथ क्यों ली

गृह मंत्री ने कहा कि अनर्गल आरोप लगाकर निर्वाचन आयोग की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आपको ऐसा लगता है कि आप सरकार की छवि को धूमिल कर रहे हैं, लेकिन असल में आप पूरी दुनिया में भारत के लोकतंत्र की छवि धूमिल कर रहे हैं। शाह ने कहा कि यह नयी परंपरा शुरू हुई है कि चुनाव नहीं जीते तो निर्वाचन आयोग को बदनाम करो, जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कई चुनावों में विपक्षी दलों की जीत का उल्लेख करते हुए कहा कि अगर मतदाता सूची खराब थी तो शपथ क्यों ली?

वोट चोरी से संबंधित चर्चा कराएं शाह : राहुल

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल ने गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी कि वह वोट चोरी से संबंधित उनके तीन संवाददाता सम्मेलनों पर चर्चा कराएं। गृह मंत्री ने राहुल गांधी के तीन संवाददाता सम्मेलनों का उल्लेख करते हुए उनके तथ्यों को असत्य करार दिया था। इन संवाददाता सम्मेलनों के जरिये राहुल ने यह दावा किया था कि कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनावों में 'वोट चोरी' की गई है। राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि मैंने जो विषय उठाये हैं, अमित शाह ने उनका जवाब नहीं दिया।

कारों की टक्कर के बाद आग, पांच जिंदा जले

बाराबंकी। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बुधवार दोपहर हाईवे किनारे खड़ी वैगनआर में पीछे से तेज रफ्तार ब्रेजा ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैगनआर दूर तक घिसटती चली गई। वैगनआर के सीएनजी टैंक में विस्फोट हो गया। दोनों कारें आग के गोले में तब्दील हो गईं। इस भीषण हादसे में आजमगढ़ जिले के एक सिपाही के परिवार के मां व चार मासूम बच्चों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबेहा थाना क्षेत्र के डीहा मजरे कुड़वा गांव के पास हुआ।

पुलिस के अनुसार आजमगढ़ के थाना हरौला में तैनात पुलिसकर्मी जावेद अशरफ की पत्नी गुलफ्शां उर्फ चांदनी (30) बेटियों समरीन (12), जियान (10), इल्मा (6), इजमा (4) और रिश्तेदार जीशान (24) के साथ वैगनआर से लखनऊ आ रही थीं। हादसे में गुलफ्शां और समरीन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। 3 बच्चों को सीएचसी हैदरगढ़ ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गंभीर घायलों में जीशान पुत्र गफ्फार (24), तृप्ति (17), दीप्ति (16), प्रगति (23), दीपांशु (24) सभी निवासी दक्षिणपुरी, नई दिल्ली को लखनऊ रेफर किया गया है।

उड़ान रद्द के साथ परेशानियों के लिए भी मुआवजा दे इंडिगो : कोर्ट

- इंडिगो संकट पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से पूछा ऐसी स्थिति कैसे उत्पन्न हुई
- 5000 का हवाई टिकट 39 हजार तक कैसे पहुंचा, अन्य कंपनियों को इसका लाभ कैसे उठाने दिया गया

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से बुधवार को सवाल किया कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न हुई जिसके कारण इंडिगो की कई उड़ान रद्द करनी पड़ीं। अदालत ने इन हालात को संकट करार दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि फंसे हुए यात्रियों को हुई परेशानी और उत्पीड़न के अलावा, यह अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का भी सवाल है।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने यह सवाल भी किया कि ऐसी संकटपूर्ण स्थिति में अन्य विमानन कंपनियां हालात का फायदा उठाकर यात्रियों से टिकटों के लिए भारी कीमत कैसे वसूल सकती हैं। अदालत ने सवाल किया कि जो टिकट 5,000 रुपये में मिल रहा था, उसका किराया 39,000 रुपये तक कैसे पहुंच गया? यदि यह संकट की स्थिति थी तो अन्य विमानन कंपनियों को इसका लाभ कैसे उठाने दिया गया? अदालत ने विमानन कंपनी को निर्देश दिया कि यात्रियों को न सिर्फ उड़ान रद्द होने के लिए बल्कि अन्य परेशानियों के लिए भी मुआवजा देने की व्यवस्था की जाए।

अन्य विमानन कंपनियों ने शुल्क लेना कैसे शुरू कर दिया? पीठ ने इस मामले पर डेढ़ घंटे से अधिक समय तक सुनवाई की। पीठ ने कहा कि यदि समिति द्वारा शुरू की गई जांच पूरी हो जाती है तो उसकी रिपोर्ट अगली तारीख 22 जनवरी को अदालत में सीलबंद लिफाफे में पेश की जाए। अदालत ने कहा कि हमें यह चिंता है कि आखिर ऐसी स्थिति कैसे उत्पन्न होने दी गई, जिसके कारण पूरे देश के हवाई अड्डों पर लाखों यात्री फंसे रहे।

पीठ ने कहा कि यह न सिर्फ यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बना, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई। अदालत ने कहा कि किराए में जो अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई थी, उसे अब नियंत्रित और सीमित कर दिया गया है, जो पहले किया जाना चाहिए था। अदालत इंडिगो मामले में एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ को तलब किया

मुंबई। डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को उपस्थित होने और हालिया परिचालन व्यवधानों से संबंधित व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। एल्बर्स को बृहस्पतिवार को दोपहर तीन बजे डीजीसीए कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। नियामक के आदेशानुसार, विमानन कंपनी को उड़ानें बहाल करने, पायलटों तथा चालक दल की भर्ती योजना, पायलट व चालक दल की अद्यतन संख्या, रद्द की गई उड़ानों की संख्या और 'रिफंड' आदि से संबंधित जानकारी प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

बुधवार को भी 220 उड़ानें रद्द

मुंबई। इंडिगो ने बुधवार को दिल्ली और मुंबई सहित तीन प्रमुख हवाई अड्डों पर लगभग 220 उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि कंपनी के सीईओ पीटर एल्बर्स ने दावा किया था कि एयरलाइन का परिचालन फिर से पटरी पर आ गया है। एयरलाइन ने दिल्ली हवाई अड्डे पर 137 और मुंबई हवाई अड्डे पर 21 उड़ाने रद्द कर दीं।

ड्रग्स के साथ स्मार्टफोन का नशा भी युवाओं के सामने चुनौती : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ गोरखपुर

- सीएम ने युवाओं को आगाह करते हुए चेताया, किसी न किसी रूप में घुसना चाहता है देश का दुश्मन

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां हैं। एक ड्रग्स का नशा व दूसरा मोबाइल या स्मार्टफोन का नशा। इन दोनों ही नशे से बचना होगा। इनसे युवा जितना बच पाएंगे, उतना ही खुद को और देश के भविष्य को भी बचा पाएंगे। नशे से दूर रहकर ही युवा परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित मुख्य महोत्सव की अध्यक्षता कर रहे थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं को मोबाइल फोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी। एक शिक्षक और अभिभावक के रूप में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि आपको सतर्क रहना होगा। क्योंकि नशा माफिया तेजी के साथ युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का कुत्सित प्रयास करता है। अकादमिक संस्थाओं को भी इसके प्रति उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि युवाओं को इसके खिलाफ एक नई लड़ाई लड़ने के लिए अपने आप को तैयार करना पड़ेगा क्योंकि देश का दुश्मन किसी न किसी रूप में आपके बीच में घुसना चाहता है। उसको हम अवसर नहीं दें। योगी ने यह भी कहा कि स्मार्टफोन पर युवाओं का अत्यधिक समय खर्च हो रहा है, इसको कम करना होगा। उन्होंने युवाओं को समझाया, हालांकि एकाएक यह कर पाना कठिन होगा, इसलिए धीरे-धीरे कम करिए।

चुनौतियों के लिए खुद को तैयार रखें

समय और तकनीक के साथ चलते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने की सीख देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ड्रोन और रोबोटिक्स के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि हमें उस मानसिकता से भी उबरना पड़ेगा कि तकनीक आएगी तो रोजगार के अवसर कम करेगी। यह तथ्य सही नहीं है बल्कि तकनीक आएगी रोजगार के नए अवसर अपने आप ही जुड़ जाएंगे।

पूर्व आईपीएस अमिताभ गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ से दिल्ली जाते समय सीतापुर महोली बार्डर पर ट्रेन में किया गिरफ्तार

अमृत विचार: फर्जीवाड़े के मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को लखनऊ पुलिस ने मंगलवार देर रात सीतापुर-महोली बार्डर से ट्रेन से जाते समय गिरफ्तार कर लिया। शाहजहांपुर में उन्हें ट्रेन से उतारा और उसके बाद देवरिया कोतवाली लेकर पहुंची। अदालत में पेश करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

अमिताभ पर देवरिया एसपी रहते हुए पद के प्रभाव का इस्तेमाल कर अपने व पत्नी के छद्म नाम का इस्तेमाल कर देवरिया में जिला उद्योग केंद्र से औद्योगिक प्लाट बी-2 का आवंटन कराया था। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि 12 सितंबर 2025 को तालकटोरा स्थित आवास विकास कालोनी निवासी संजय शर्मा ने तालकटोरा थाने में अमिताभ ठाकुर व उनकी पत्नी नूतन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी थी। तहरीर में बताया था कि वर्ष 1999 में अमिताभ ठाकुर जब एसपी देवरिया थे और उन्होंने अपने प्रभाव का गलत प्रयोग करके अपनी पत्नी नूतन ठाकुर को जिला उद्योग केंद्र से औद्योगिक प्लाट संख्या बी-2 का आवंटन कराया। आरोप है कि आवंटन में नूतन ठाकुर ने अपना नाम नूतन देवी लिखा और पति का नाम अभिजात ठाकुर/अभिताभ ठाकुर दर्शाया, साथ ही पता खैरा, जिला सीतामढ़ी, बिहार दिखाया गया। बाद में उक्त प्रॉपर्टी का विक्रय वास्तविक नाम और पते के आधार पर किया गया।

बाघ को घेरने में रेंजर, फॉरेस्टर और फॉरेस्ट गार्ड हटाए

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पीटीआर प्रकरण में वनमंत्री बोले- घोर लापरवाही हुई दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई
- जिन सफारी वाहनों के चालकों और गाइड ने बाघ घेरा, सभी को किया गया प्रतिबंधित

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व के बराही रेंज स्थित साइफन पुल पर सफारी वाहनों से बाघ को घेरने के मामले में दोषी अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वनमंत्री डॉ. अरुण कुमार का कहना है कि बड़ा गंभीर मामला है, घोर लापरवाही हुई है, बाघ ऐसी स्थिति में हमलावर हो सकता था। प्रारंभिक जांच के बाद बराही रेंज के रेंजर अरुण मोहन श्रीवास्तव, फॉरेस्टर और फॉरेस्ट गार्ड को हटा दिया है। इनके विरुद्ध विभागीय जांच कराई जा रही है।

वनमंत्री ने बुधवार को बताया कि बराही रेंज से हटाए गए रेंजर, फॉरेस्टर व फॉरेस्ट गार्ड का स्पष्टीकरण मांगा गया है। साइफन पुल पर बाघ को दोनों तरफ से घेरने वाली सफारी गाड़ियों के चालक, सहयोगी और गाइड को इस सीजन के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। वनमंत्री ने बताया कि जब साइफन पुल पर बाघ को देखा तो एक साइड के सफारी चालकों को तुरंत अपनी गाड़ियां हटा लेनी चाहिए थी। बाघ हमला भी कर सकता था। प्रकरण की जांच रिपोर्ट डीएफओ से तलब की गयी है। माला रेंज के एसडीओ से जांच कराई जा रही है। जांच के बाद दोषी अधिकारी और कर्मचारियों को सस्पेंड किया जाएगा। गंभीर प्रकरण में दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी।

दरअसल, बीते रविवार को दूसरी शिफ्ट के दौरान बराही रेंज स्थित साइफन पुल पर सफारी वाहनों से बाघ को घेरने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें करीब चार से पांच सफारी वाहन पुल के दोनों छोर से रास्ता घेरे हुए थे और पुल के बीचोबीच खड़ा बाघ असहज दिखाई दे रहा था। डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने सोमवार को उप प्रभागीय वनाधिकारी माला रेंज रुद्रप्रताप सिंह को जांच के आदेश दिए थे।

पर्यावरण | पक्षी विशेषज्ञों का मत, पर्यावरण का असर है, जिले में तालाबों व नदियों के किनारे मनमोहक रंग बिखेरती थी

तराई से लुप्त हुई सर्दियों की शान, 20 साल से नहीं दिखी साइबेरियन क्रेन

विकास शुक्ल, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: तराई के जनपद लखीमपुर खीरी में कभी सर्दी का मौसम आते ही तालाबों, झीलों और नदियों के किनारे साइबेरियन क्रेन पक्षी अपने मनमोहक रंग बिखेरते नजर आते थे।

दूर साइबेरिया से हजारों किलोमीटर की यात्रा तय कर आने वाला यह दुर्लभ प्रवासी पक्षी जिले के लिए प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता का प्रतीक माना जाता था, लेकिन बीते करीब 20 सालों से साइबेरियन क्रेन जिले में नजर नहीं आई है, जो पर्यावरण असंतुलन की एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। पक्षी विशेषज्ञ साइबेरियन क्रेन आदि के गायब होने के पीछे अवैध शिकार, प्रवास स्थलों के संकुचित होने और खेतों व तालाबों में रसायनों के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल को बड़ा कारण मान रहे हैं।

साइबेरियन क्रेन सर्दियों का मौसम शुरू होते ही नवंबर के दूसरे पखवाड़े में जिले के तालाबों और नदियों के किनारे आ जाती थी, लेकिन पिछले दो दशक से साइबेरियन क्रेन को नहीं देखा गया है। पक्षी विशेषज्ञ केके मिश्रा का मानना है कि साइबेरियन क्रेन के लापता होने के पीछे अवैध शिकार, प्रवास स्थलों के लगातार सिमटने, जल स्रोतों के प्रदूषण और खेती में रासायनिक खाद व कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल जैसे कई कारण एक साथ जिम्मेदार हैं। पहले जहां जिले के दर्जनों तालाब, झीलें और दलदली क्षेत्र इन पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल हुआ करते थे, वहीं अब अतिक्रमण, जलभराव की कमी और प्रदूषण ने इन्हें अनुपयुक्त बना दिया है।

साइबेरियन क्रेन।

कभी हजारों में आती थीं क्रेन

बुजुर्गों और पुराने वन कर्मियों के अनुसार, 1990 के दशक तक सर्दियों के मौसम में साइबेरियन क्रेन के झुंड जिले के कई इलाकों में देखे जाते थे। उनके कलरव से पूरा इलाका जीवंत हो उठता था। शोधकर्ता रामनरेश शाक्य बताते हैं कि अनेक शोधार्थी इनका अध्ययन करने दूर-दूर से आते थे।

ठहराव स्थल हो रहे खत्म

साइबेरियन क्रेन हजारों किमी का सफर तय कर रूस से भारत आती थीं। जल संरक्षण की कमी और बढ़ता शहरीकरण भी इनके लुप्त होने का बड़ा कारण माना जा रहा है। जिले में सेमरई से रजौरा, राजेपुर, तुसौरा तक 74.7 हे. भूमि पर फैले इस वेटलैंड में प्रवासी पक्षियों के झुंड आते थे।

> किसी भी क्षेत्र से किसी प्रजाति का पूरी तरह गायब हो जाना पारिस्थितिकी तंत्र के बिगड़ने का सबसे बड़ा संकेत होता है। साइबेरियन क्रेन का लुप्त होना एक चेतावनी है, इसलिए उन्होंने दुधवा क्षेत्र के सरोवरों और झीलों में जलस्तर को बनाए रखने की दिशा में निरंतर काम कर रहे हैं। ताकि पक्षियों को संरक्षण मिल सके। इसी तरह अन्य क्षेत्रों के सरोवरों और झीलों में भी जलस्तर बनाए रखना आवश्यक है।
>
> -डॉ. एच. राजामोहन, एफडी दुधवा टाइगर रिजर्व

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

शाहजहांपुर

किसानों ने लगाया धान खरीद में धांधली का आरोप

बंडा मंडी में बिचौलियों के हावी होने से भड़के किसान, गेट के बाहर धान लेकर पहुंची ट्रैक्टर-ट्रालियों की लगी लाइन

संवाददाता, बंडा

अमृत विचार : बंडा मंडी में धान की तौल को लेकर अव्यवस्था और बिचौलियों की सक्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। गेहूं की बुवाई के बाद भी मंडी में लगातार धान की आवक जारी है। मंडी गेट के बाहर ट्रालियां लगी रहती हैं, जबकि बाहर बने धान खरीद केंद्र अधिकांश समय खाली मिलते हैं। आरोप है कि कई स्थानों पर तौल कागजों में दिखाकर प्रशासन को गुमराह किया जा रहा है।

एक केंद्र प्रभारी ने बताया कि बिचौलियों के खिलाफ कार्रवाई की कोशिश करने पर उन्हें रात में घेरकर धमकाया गया, जिसके बाद उन्होंने शिकायत करने से भी इंकार कर दिया। मंडी में बिचौलिए सस्ते दाम में धान खरीद कर केंद्र प्रभारियों से मिलकर मंडी में ही बिक्री करवा देते हैं।

बंडा मंडी के बाहर खड़ी धान से भरी ट्रालियां। ● अमृत विचार

आरोप है कि कागजों में किसानों के नाम जोड़कर फर्जी सत्यापन कराया जाता है, वहीं मंडी सचिव को बिचौलिए नजर नहीं आ रहे। लोगों का कहना है कि निरीक्षण की स्थिति में धान खरीद में बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा सामने आ सकता है, पर भ्रष्टाचार के चलते जानकारी पहले ही लीक हो जाती है और मंडी परिसर खाली करा दिया जाता है। देर शाम कुछ केंद्र प्रभारियों और बिचौलियों द्वारा कमरों में अंगूठे लगवाने और फर्जी दस्तावेज तैयार कराने की बात भी सामने आई है। किसानों के नाम पर कागज तैयार कर धान खरीद दिखाने तथा पूर्व में अपना धान बेच चुके किसानों को पैसों का लालच देकर सहयोग लेने के आरोप भी लगाए गए हैं। इस संबंध में एमओ रामकैलाश सोनकर ने बताया कि मंडी में जो भी किसान ट्रॉली लेकर आते हैं वह अपने कागजों के साथ होते हैं, शासन की तरफ से जो भी नियम और कानून बताए गए उनका पालन किया गया। फिर भी बिचौलियों को चिन्हित नहीं किया जा सका है क्योंकि ट्रॉली के साथ किसान कागज लेकर मौजूद रहते हैं। वहीं मंडी के बाहर लगे केंद्रों पर किसान अपनी ट्रॉली लेकर जाएं और जब केंद्र प्रभारी वहां तौल न करे तो मंडी परिषद को जानकारी दें, उन पर कार्यवाही की जाएगी।

पार्षद पति पर आरोप लगाते हुए किया प्रदर्शन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सर्व समाज हिताय मोर्चा ने बुधवार को धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। महानगर के एक मोहल्ला में एक पुलिया के कार्य में पार्षद पति के बाधा उत्पन्न करने को लेकर सर्व समाज हिताय मोर्चा ने नगर आयुक्त के नाम ज्ञापन दिया। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुलाम मोहम्मद नबी आजाद ने ज्ञापन में कहा कि एक मोहल्ला के पार्षद पति पुलिया पर निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। पार्षद पति मोहल्ले में न तो साफ सफाई होने देते हैं। आज जब पुलिया निर्माण का कार्य शुरू किया गया तो पार्षद पति ने अपने रसूख के चलते कार्य को रुकवा दिया। उन्होंने कहा कि सर्व समाज हिताय मोर्चा ने ज्ञापन के माध्यम से नगर आयुक्त से मांग की है कि मोहल्ले की साफ सफाई व पुलिया का निर्माण कार्य को अति शीघ्र शुरू कराया जाए। इस मौके पर मोहम्मद आयान, असलम खां, मोहम्मद लईक, राशिद, हाजी रफीउल्ला, नाजिम, अकरम, मोहम्मद हसनैन, नूरैन, अनीस, आदिल आदि मौजूद रहे।

सड़क निर्माण कार्य रोके जाने पर रोष

शाहजहांपुर, अमृत विचार: आवास विकास कॉलोनी बरेली मोड़ में सड़क निर्माण का कार्य रोके जाने से लोगों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं बाउंड्री वॉल निर्माण में भी अनियमितता बरती जा रहीं हैं। लोगों ने चेताया यदि सुधार न हुआ तो आंदोलन कर शासन एवं प्रशासन से शिकायत कर कार्रवाई कराई जाएगी। वहीं पार्षद सिद्धार्थ शुक्ला ने जिलाधिकारी से मिलकर मामले की जांच कराने को शिकायती पत्र देने की बात कही है। आवास एवं विकास कालोनी बरेली मोड़ में एक करोड़ रुपए की लागत से सड़क, बाउंड्री वॉल, दो गेट, बैरियर, पार्कों के सौंदर्यीकरण आदि कार्य कराए जाने हैं। करीब दस दिनों पूर्व काम शुरू हुआ। विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते मुख्य सड़क पर बेहद पतली परत बिछाए जाने पर लोगों ने पार्षद सिद्धार्थ शुक्ला से शिकायत की है। पार्षद ने नगर आयुक्त से मामले की जांच का मांग की है।

जलालाबाद विधानसभा के सभी बूथों पर एसआईआर सूची प्रदर्शित

जलालाबाद, अमृत विचार : विधानसभा क्षेत्र के सभी 424 बूथों पर सर्वे के दौरान घरों पर अनुपलब्ध पाए गए मतदाताओं की एसआईआर प्रक्रिया सूची बुधवार को दोपहर 12 से प्रदर्शित की गई।

बीएलओ द्वारा लगाए गए इस विवरण में ऐसे लोगों के नाम शामिल हैं जो अपने पते पर नहीं मिले, जिसके आधार पर करीब 15 से 20 प्रतिशत नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। सूची अवलोकन के दौरान सपा, भाजपा कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के बूथ एजेंट रहे। कई एजेंटों ने सूची में त्रुटियां मिलने का दावा किया। कुछ लोग मौके पर मौजूद थे, फिर भी उनके नाम अनुपस्थित श्रेणी में दर्ज थे। एसडीएम ने बताया कि वर्तमान में पांच श्रेणी के लोगों के फॉर्म लंबित हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है, अन्यत्र स्थानांतरित हुए लोग, कहीं और मतदाता के रूप में पंजीकृत लोग, बीएलओ को मौके पर नहीं मिले। आपत्तियों का निस्तारण कर सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा।

परिषदीय विद्यालयों में अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं शुरू

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : शिक्षा निदेशक बेसिक शिक्षा पर बुधवार से परिषदीय विद्यालयों में अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो गईं। जिसमें प्राथमिक स्तर की सभी कक्षाओं की मौखिक परीक्षा हुई। उच्च प्राथमिक स्तर में कक्षा की प्रथम पाली में कृषि विज्ञान व गृह विज्ञान तथा द्वितीय पाली में स्काउट गाइड शारीरिक शिक्षा की लिखित परीक्षा सम्पन्न हुई।

परीक्षा में बच्चे उत्साह के साथ शामिल हुए। नगर के रोटी गोदाम में प्राथमिक व जूनियर कक्षाओं की परीक्षा हुई। प्रधानाध्यापक इमरान सईद खां ने बताया कि प्राथमिक के 127 तथा उच्च प्राथमिक में 144 कुल 271बच्चों ने परीक्षा दी। कल अन्य बच्चों

नगर के रोटी गोदाम में प्राथमिक व जूनियर कक्षाओं की परीक्षा देते छात्र-छात्राएं।

● प्राथमिक के 3540,उच्च प्राथमिक के 674 बच्चों ने दी परीक्षा

को भी फ़ोन पर सूचना देकर बुलाया गया है। कक्षा एक से आठ तक का अर्द्धवार्षिक परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार नगर में अर्द्ध वार्षिक परीक्षा में प्राथमिक के 3540 तथा उच्च प्राथमिक 674 बच्चों ने परीक्षा दी। खंड शिक्षा अधिकारी नगेंद्र कुमार के निर्देश दिए कि समस्त विद्यालयों में विभागीय निर्देश पर अर्द्ध वार्षिक परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से शुचिता के साथ कराएं। बच्चों की उपस्थिति बढ़ाएं। परीक्षा का लेखा /अभिलेख विद्यालय में सुरक्षित रखा जाए। परीक्षा के दौरान मिड डे मील व्यवस्था बनी रहे। रोटी गोदाम परिसर में परीक्षा व्यवस्था में खुशबू सबूर, नर्गिस, राजकुमारी आदि रहे।

एग्जिट कॉन्फ्रेंस में दिया पारदर्शिता पर जोर

संवाददाता, बंडा

● निरीक्षण रिपोर्ट पर हुई समीक्षा लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचार: ब्लॉक सभागार में बुधवार को जिला विकास अधिकारी ऋषि पाल सिंह की अध्यक्षता में सोशल ऑडिट ब्लॉक सभा एग्जिट कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई। जिसमें विभिन्न विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन, पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़े बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

सोशल ऑडिट टीम ने ग्राम पंचायतों में किए गए निरीक्षणों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में कार्यों की गुणवत्ता, लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं तथा जन शिकायतों के निस्तारण की स्थिति पर प्रकाश डाला गया। जिला विकास अधिकारी ने कहा कि जन सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सोशल ऑडिट को सुशासन और विकास में पारदर्शिता का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। डीडीओ ने इसके बाद विकास खंड कार्यालय का निरीक्षण किया। बीडीओ विजय कांत मिश्रा ने सचिवों और ग्राम प्रधानों को निर्देश दिए कि सोशल ऑडिट में उठाए गए बिंदुओं पर गंभीरता से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाना और जनहित मामलों में त्वरित कार्रवाई करना प्रशासन की प्राथमिकता है। एडीओ पंचायत जमालुद्दीन समेत ग्राम पंचायत सचिव और प्रधान सम्मेलन में मौजूद रहे।

जागती आंखों का ख्वाब का हुआ विमोचन

संवाददाता, शाहजहांपुर

● अतिथियों ने काव्य संग्रह की सराहना की

अमृत विचार: शहर की साहित्यिक संस्था ''तुलसी मीर फाउंडेशन'' के तत्वावधान में शायर इशरत सगीर के ग़ज़ल एवं काव्य संग्रह ''जागती आंखों का ख़्वाब'' का विमोचन प्रेस क्लब में संपन्न हुआ। विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर जीए कादरी ने अपने वक्तव्य में इशरत सगीर के साहित्यिक सफर में नित नये आयाम स्थापित करने की दुआ दी। विशिष्ट अतिथि अशफ़ाक़ उल्लाह खान सराहना की। कवि ज्ञानेन्द्र मोहन ''ज्ञान'' ने कहा कि इशरत सगीर ने शायरी के क्षेत्र में अपनी ख़ास पहचान बनाई है। इस्लामियाँ इंटर कालेज के प्रधानाचार्य मोहम्मद अय्यूब, डा. जावेद अहमद, डा. सुरेश मिश्रा, शिवाजी गुप्त, पीयूष शर्मा, परवेज़ आमिर साग़री,सुमीत पाठक,विकास सोनी ''ऋतुराज'' ने शुभकामनाएं दीं। पूर्व में वरिष्ठ शायर असगर यासिर, हमीद खिज़र, सैय्यद शारिक़ अक्स, फहीम बिस्मिल, ख़लीक़ शौक़,आरिफ़ अलवी, अतीक़ रहमान, शाहीना ख़ातून, अफ़ज़ाल वारसी, अजय सक्सेना, रिज़वान सग़ीर आदि ने इशरत सगीर को शॉल ओढ़ाकर बुके व उपहार भेंटकर सम्मानित किया। शायर इशरत सगीर के पिता सग़ीर अली ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किए। समारोह का संचालन पीयूष शर्मा ओर शायर इशरत सगीन ने आभार व्यक्ति किया। समारोह में कई लोग रहे।

वक्फ सम्पत्तियों को पोर्टल पर अपलोड करने के लिए मिला और समय

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● 6 दिसंबर से 5 जून 2026 तक का दिया गया समय, इससे मुतवल्लियों को मिलेगी राहत

अमृत विचार : उम्मीद पोर्टल पर वक्फ सम्पत्तियों के रजिस्ट्रेशन की अब मुतवल्लियों के लिए राहत भरी खबर आई है। उत्तर प्रदेश वक्फ ट्रिब्यूनल ने वक्फ बोर्ड को अगले छह माह का मौका दिया है। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने वक्फ ट्रिब्यूनल के सामने वक्फ सम्पत्तियों के उम्मीद पोर्टल पर आधे से भी कम दर्ज होने का मामला रखते हुए पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने की एप्लीकेशन दी थी। जिसे आज ट्रिब्यूनल ने सही ठहराते हुए अपनी मंजूरी दे दी।

ट्रिब्यूनल ने अपने फैसले में कहा कि वक्फ और उत्तर प्रदेश राज्य के इलाके में मौजूद वक्फ बोर्ड की प्रापर्टीज की डीटेल अपलोड करने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए, जो एक्ट 2025 के शुरू होने से पहले यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के आफिस में रजिस्टर्ड थीं, उन वक्फ सम्पत्तियों को पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 6 दिसम्बर 2025 से 5 जून 2026 तक छह माह दिए जाते हैं। बता दें कि जिले में लगभग 2586 वक्फ सम्पत्तियां हैं।

अंतिम तिथि 5 दिसम्बर तक जिले में 1093 संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन ही हो पाया था। दर्जनों मुतवल्ली समय सीमा बढ़ाने की मांग कर रहे थे। जिले में 2586 वक्फ संपत्तियां दर्ज हैं, जिनमें से कई की दस्तावेजी स्थिति, सीमांकन, स्वामित्व विवरण तथा ऐतिहासिक अभिलेख अब भी अद्यतन नहीं हो पाए हैं। ऐसे में कम समय सीमा होने के कारण अनेक वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण अधूरा रह जाने की संभावना है। आज बुधवार शाम जब लखनऊ से यह खबर आई तो मुतावल्लियों की परेशानी दूर होती नजर आई। वक्फ सईदिया के सदर हाजी इम्तियाज अली खां ने बताया कि आज वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले से हजारों मुतावल्लियों की चिंता दूर हो गई है। वक्फ बोर्ड ने मुतावल्लियों की परेशानी को वक्फ ट्रिब्यूनल के सामने पूरी गंभीरता के साथ रखा। सभी को उम्मीद थी कि मुतावल्लियों को वक्फ ट्रिब्यूनल से राहत जरूर मिलेगी। वक्फ ट्रिब्यूनल ने छह माह की समय सीमा बढ़ाकर मुतावल्लियों की उम्मीदों को पंख लगा दिए। उन्होंने सभी मुतावल्लियों से वक्फ सम्पत्तियों को पार्टल पर रजिस्टर्ड कराने की अपील की है।

एसपी ने टीम के साथ की पैदल गश्त

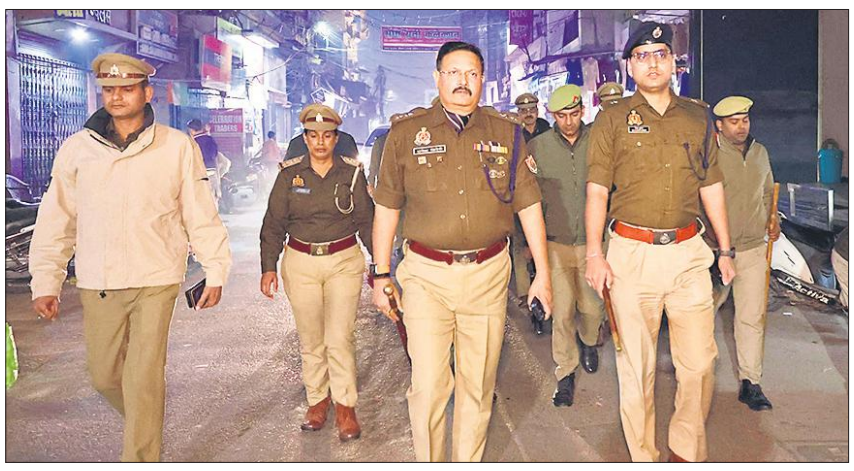

बाजार में पैदल गश्त करते एसपी। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

● लोगों से की बातचीत कर दिया सुरक्षा का भरोसा

अमृत विचार: एसपी राजेश द्विवेदी ने पुलिस टीम के साथ सदर बाजार थाना क्षेत्र में सदर बाजार, बहादुरगंज, लाल इमली चौराहा, घंटाघर और व्यस्तम इलाकों पैदल गश्त की। उन्होंने चौराहो पर ट्रैफिक व्यवस्था को देखा। उन्होंने निर्देश दिए कि थाना क्षेत्र में नियमित पैदल गश्त की और होटल व ढाबों की चेकिंग की जाए। रात्रिकालीन में पेट्रोलिंग अनिवार्य रुप से होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों और वस्तुओं पर निगरानी रखी जाए। बाजारों में यातायात सुचारु रखा जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार असुविधा न हो। बीट स्तर पर पुलिस की उपस्थिति व सक्रियता बढ़ाई जाए ताकि कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे। एसपी ने लोगों से संवाद स्थापित किया और सभी से शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। एसपी ने किसी आपात स्थिति में 112 पुलिस हेल्पलाइन पर तत्काल सूचना दे। गश्त में सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक, महिला उप निरीक्षक आदि स्टाफ मौजूद रहा।

साइबर संबंधित शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करें

साइबर क्राइम सेल में जानकारी लेते एएसपी देवेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: एएसपी देवेंद्र सिंह ने पुलिस लाइन में साइबर अपराध के संबंध में समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि साइबर अपराध से संबंधित प्रत्येक शिकायत का शीघ्र करें। पीड़ितों को समय से परामर्श, सहायता आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जाए। संदिग्ध लिंक्स, फेक्स काल, साइबर ठगी के तरीकों के बारे में जनजागरुकता अभियान नियमित रुप से चलाने के निर्देश दिए। मीटिंग में साइबर सेल के प्रभारी, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अग्नि सुरक्षा के लिए किया जागरूक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अग्निशमन अग्निशमन अधिकारी बीएन पटेल ने टीम के साथ संचालित होटलों,रेस्टोरेंट, बैंकट हॉल में अग्निशमन उपकरणों को चेक किया। उन्होंने होटल के कर्मचारियों को आग बुझाने के बारे में जागरूक किया और प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर स्टाफ मौजूद रहा।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389

सुविधायें
- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लड्प्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, रेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

न्यूज ब्रीफ

ईको कार व बाइक की आमने सामने भिड़ंत बाइक सवार घायल

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम गियूडी निवासी प्रदीप कुमार मंगलवार को अपनी रिश्तेदारी में गया था। वह अपनी बाइक से मंगलवार की रात करीब 9 बजे लौट रहा था। मुरादाबाद फर्रुखाबाद पर जखिया मोड देवस्थान पर कलान की तरफ से आ रही ईको कार एवं बाइक में आमने-सामने भिड़ंत हो गई जिससे बाइक सवार प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रदीप को बदायूं रेफर किया गया है। जहां प्रदीप की हालत गंभीर बनी हुई है।

धान क्रय में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बंडा थाना क्षेत्र के मंडी के विपणन निरीक्षक ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि विचित्र कुमार निवासी सिसौरा-सिसौरी थाना पुवायां, उनके चाचा गजेंद्र सिंह व अमन सिंह ने आरएफसी के धान क्रय केंद्र पर बंडा मंडी 07 पर नियम के विरुद्ध फर्जी एवं धोखाधड़ी के माध्यम से धान विक्रयकर शासकीय योजनाओं का लाभ लेने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करके विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर दंपती सहित तीन पर हमला

तिलहर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव गोबरसंडा में सोमवार शाम दो लोगों पर घर में घुसकर दंपति सहित तीन व्यक्तियों को पीटने का आरोप लगा है। मामले में पुलिस ने दो नामजद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीड़ित विशाल पुत्र दिनेश चंद्र ने बताया कि पांच दिसंबर की शाम करीब साढ़े सात बजे वह घर पर खाना खा रहा था। इसी दौरान गांव के बृजेश कश्यप पुत्र जौहरी और चंचल पुत्र नरेश कश्यप घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए डंडों से मारने लगे। आरोप है कि बचाने आई पत्नी प्रियंका और सास सत्यवती को भी डंडों से पीटकर घायल कर दिया गया तथा जान से मारने की धमकी देकर आरोपी वहां से चले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों घायलों का डॉक्टरी परीक्षण कराया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में दोषी मिलने पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

महिला सुरक्षा में लापरवाही पर थानेदारों पर होगी कार्रवाई: डीआईजी

बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर और पीलीभीत के मिशन शक्ति केंद्रों की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

समीक्षा बैठक करते डीआईजी अजय कुमार साहनी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मिशन शक्ति-5 को कागजों से निकालकर जमीन पर मजबूत बनाने के लिए बुधवार को डीआईजी अजय कुमार साहनी ने रेंज के चारों जिलों बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर और पीलीभीत के मिशन शक्ति केंद्रों की समीक्षा की। उन्होंने महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों और शिकायतों पर कार्रवाई का पूरा लेखा-जोखा देखा और कई थानों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि महिला शिकायतों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीआईजी अजय कुमार साहनी ने कहा कि मिशन शक्ति सेंटर में बैठने वाले पुलिसकर्मी महिला की बात पूरी संवेदनशीलता और सम्मान के साथ सुनें। किसी भी शिकायत को लंबित मत छोड़ो, तुरंत कार्रवाई करो। शिकायत टलने पर कार्रवाई तय है। डीआईजी ने पाया कि कई जगह रजिस्टर में विवरण अधूरा है। इस पर कहा शिकायतकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर और समस्या का पूरा ब्योरा दर्ज हो और समाधान के बाद की गई कार्रवाई पर थाना प्रभारी खुद हस्ताक्षर करके अपनी टिप्पणी दर्ज करें।

उन्होंने कहा कि समस्या का निस्तारण होने के बाद महिला को फोन करके फीडबैक जरूर लिया जाए। यानी अब सिर्फ कागजी कार्रवाई नहीं चलेगी, पुलिस को सुनिश्चित करना होगा कि महिला संतुष्ट है या नहीं। थाना क्षेत्र में भ्रमणशील टीमों का रोजाना पर्यवेक्षण करने का निर्देश देते हुए डीआईजी ने कहा कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर फील्ड में सक्रियता ही मिशन शक्ति की असली सफलता है। उन्होंने कहा कि महिला अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई, गिरफ्तारी और सख्त धाराएं लगाई जाएं। किसी भी आरोपी को ढील दी गई तो जिम्मेदारी थाने की होगी। थानों को निर्देश दिया कि हेल्पलाइन, महिला सुरक्षा कानून और सरकारी योजनाओं की जानकारी गांव-गांव, मोहल्लों और स्कूलों तक पहुंचाई जाए। डीआईजी ने साफ कहा कि मिशन शक्ति सिर्फ पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, जरूरत पड़े तो अन्य विभागों को भी शामिल किया जाए।

तमंचा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार भेजा जेल

खुटार, अमृत विचार: पुलिस ने अलग-अलग स्थान से बुधवार सुबह दो आरोपियों को तमंचा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे खुटार-पूरनपुर रोड पर फ्लाईओवर के पास मुखबिर की सूचना पर गांव चांदपुर निवासी विकास मिश्रा उर्फ मोनू पुत्र सुरेंद्र कुमार मिश्रा को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से तमंचा, कारतूस बरामद हुआ। उधर, बुधवार सुबह 8:15 बजे खुटार-बंडा रोड पर ओवरब्रिज से बाईपास वाले रास्ते पर गांव चांदपुर निवासी अमित कुमार उर्फ ललुसे पुत्र लक्ष्मी नारायण मिश्रा को पकड़ा गया है। आरोपी के पास से तमंचा, कारतूस बरामद हुआ है। जबकि आरोपी पर पहले से भी मुकदमें में खुटार थाने में दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कोर्ट में पेश किया। बाद में दोनों को वहां से जेल भेज दिया गया है।

सचिवों ने साइकिल चलाकर किया प्रदर्शन

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में साइकिल चलाकर प्रदर्शन करते पंचायत सचिव।

संवाददाता, सिंधौली

अमृत विचार : ऑनलाइन हाजिरी का विरोध कर रहे पंचायत सचिवों ने बुधवार को कस्बे में साईकिल चलाकर प्रदर्शन किया। शासन ने विगत एक दिसम्बर से ग्राम पंचायतों में तैनात पंचायत सचिवों के लिए समय से ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचकर कार्य दिवस में सुबह, दोपहर तथा शाम तीन बार ऑनलाइन हाजिरी पोर्टल पर अपलोड करने का आदेश जारी किया था। एक दिसम्बर से ही काली पट्टी बाँधकर विकास खण्ड के सचिव विरोध कर रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को पंचायत सचिवों ने विकास खण्ड कार्यालय से लेकर कस्बे में पेट्रोल पम्प से कोतवाली तक साइकिल चलाकर प्रदर्शन किया। शिवालय शर्मा ने बताया कि सरकार ने सचिवों को आठ से दस तक की संख्या में ग्राम पंचायतों का प्रभार दे रखा है। साइकिल एलाउंस और अतिरिक्त प्रभार के कारण ऑनलाइन हाजिरी भला कैसे संभव हो पाएगी। इस दौरान राकेश कुमार, योगेन्द्र सिंह, रामबहोरन चौधरी, अकरम खां, पंकज बाजपेई, पंकज कुमार आदि सचिव मौजूद रहे।

विभिन्न मांगों को लेकर दिया धरना

संवाददाता, बंडा

धरने पर बैठे राष्ट्रीय किसान मजूदर संगठन के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

- गन्ना बकाया भुगतान की मांग को लेकर गरजे किसान
- मांगे पूरी न होने अनिश्चित कालीन धरना जारी रहेगा

अमृत विचार: बंडा के मकसूदापुर स्थित बजाज चीनी मिल में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं समस्याओं के निस्तारण की मांग करते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया गया। किसानों ने कहा है कि गन्ने से संबंधित सभी समस्याओं का समाधान नहीं किया जायेगा तब तक धरना समाप्त नहीं किया जायेगा।

बंडा के मकसूदापुर स्थित बजाज चीनी मिल के द्वारा किसानों का बकाया गन्ना भुगतान को लेकर राष्ट्रीय किसान मजूदर संगठन के जिलाध्यक्ष की अगुवाई में संगठन के कार्यकर्ताओं ने चीनी मिल के बाहर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। संगठन के तहसील अध्यक्ष उमाशंकर गंगवार ने बताया कि संगठन की तरफ से चीनी मिल सहित प्रशासनिक अधिकारियों से 15 अक्टूबर तक किसानों के गन्ने का बकाया भुगतान कराने की मांग रखी गई थी लेकिन कई दो बीत जाने के बाद भी चीनी मिल के द्वारा किसानों का भुगतान नहीं किया गया जिसके बाद संगठन के जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह की अगुवाई में छह दिसंबर को दोबारा से चीनी मिल के महाप्रबंधक को दोबारा से किसानों के बकाया भुगतान और बेवजह किसानों को परेशान न करने की मांग रखी गई थी। साथ ही दिए गए ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने कहा था कि यदि नौ दिसम्बर तक किसानों को उनके हक का पैसा नहीं मिला तो उग्र आंदोलन किया जायेगा। जिसकी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की जाएगी। इतना ही नहीं जब मिल प्रशासन ने उनकी एक भी बात नहीं सुनी तो संगठन के कार्यकर्ता अनिश्चित कालीन धरने पर बैठ गए।

रेस्टोरेंट संचालक पर लगा धोखाधड़ी का आरोप

जलालाबाद, अमृत विचार: नगर में एक व्यापारी से 35 लाख रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। बरेली थाना देवचरा निवासी व्यापारी दीपक शर्मा ने जलालाबाद के एक रेस्टोरेंट संचालक व उसके दोस्त पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है।

दीपक शर्मा का कहना है कि उनकी राघव ट्रेडर्स देवचरा नाम से आढ़त है। उनका कस्बे के एक रेस्टोरेंट संचालक के साथ व्यापारिक लेनदेन चलता रहा। आरोप है कि फर्जी बिलों के माध्यम से 35 लाख रुपये का चावल व अन्य सामान भेजा गया दिखाया गया, जिसके एवज में दीपक शर्मा ने आरोपी के खाते में पैसे ट्रांसफर किए। बाद में आरोपी ने रकम लौटाने से इनकार करने का आरोप लगाया विवाद बढ़ने पर दीपक शर्मा अचानक गश खाकर गिर पड़े।

सड़क हादसे में युवक की मौत

संवाददाता तिलहर

अमृत विचार : अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। पुलिस दोनों घायलों को सीएचसी लेकर पहुंची। जहां एक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया तथा दूसरे की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव उखरी निवासी संदेश सिंह (27) व बल्लू दोस्त थे। दोनों ही पेंटर का काम करते थे। मंगलवार की सुबह वह बाइक से घर से काम के लिए निकले थे। काम करने के बाद देर रात घर वापस जा रहे थे। मीरानपुर कटरा उखरी मार्ग पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को सीएचसी लेकर पहुंची। जहां डॉक्टर ने संदेश सिंह को मृत घोषित कर दिया। जबकि हालत गंभीर होने पर बल्लू को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। दारोगा विमल सिंह ने बताया कि संदेश के शव का पंचनामा भरा गया लेकिन उनके परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया।

हादसों में दो बाइक सवार घायल

तिलहर, अमृत विचार : अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दोनों बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार देने के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। गांव फरीदापुर निवासी रजनीश कुमार बाइक से घर लौट रहे थे। तभी अचानक अज्ञात बाइक चालक में टक्कर मार दी, जिससे वह रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरी तरफ मोहल्ला निजामगंज निवासी मनोज कुमार बाइक से बाजार जाया जा रहे थे। अभी अचानक उनकी बाइक और नियंत्रित होकर रोड पर गिर गई। जिससे उनके सिर में काफी चोटें आईं।

बाइक गिरने से दो लोग घायल

तिलहर, अमृत विचार : मोहल्ला बिरियागंज निवासी धीरज बाइक से जैतीपुर जा रहे थे। तिलहर से जैतीपुर मार्ग स्थित गांव भुरैली के पास अचानक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गई, जिससे धीरज गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर उन्हें सीएचसी पहुंचाया। जहांसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मोहल्ला हिंदू पट्टी निवासी शाहिद बाइक से शाहजहांपुर जा रहे थे। पूर्वी भक्सी तिराहे पावर हाउस के सामने किसी अज्ञात बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

पॉलिटिकल जस्टिस पार्टी ने किया धरना प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- हल्की धाराएं लगाने पर कार्यकर्ताओं ने जताई नाराजगी
- कलक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

अमृत विचार: पॉलिटिकल जस्टिस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सिंधौली में हुई घटना में पुलिस द्वारा हल्की धाराओं में कार्रवाई किए जाने का विरोध किया। बुधवार को कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया और अनुसूचित जाति पर अत्याचार होने का आरोप लगाया। टाउनहॉल स्थित हॉकी मैदान में पदाधिकारी एकत्र हुए, जहां से पूर्व आईपीएस संरक्षक डॉ. बीपी अशोक के नेतृत्व में कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए कलक्ट्रेट गेट पहुंचे। यहां नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में अनुसूचित जाति समुदाय पर बढ़ते अत्याचार, जातीय हिंसा, सामाजिक बहिष्कार, उत्पीड़न, हत्या, जमीनी विवाद और आत्महत्या के मामलों पर चिंता व्यक्त की गई। बताया कि थाना सिंधौली के पैना बुजुर्ग गांव में सब्जी विक्रेता अचल को प्रभावशाली लोगों ने सार्वजनिक स्थान पर लाठियों से पीटा और इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। आरोप है कि पुलिस ने हल्की धाराओं में चालान कर रफा-दफा कर दिया। पदाधिकारियों ने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार सिद्धार्थ आदि रहे।

दंपती ने सराफा की दुकान में की तोड़फोड़

शाहजहांपुर, अमृत विचार: चौक कोतवाली इलाके के मोहल्ला काजी टोला निवासी ओम सिंह की मोहल्ला महमंद गढ़ी में सर्राफा की दुकान है। मंगलवार को अपराह्न चार बजे मोहल्ले का ही राजेन्द्र कश्यप अपनी पत्नी के साथ आए। आरोप है कि वो नशे में धुत्त था। दोनों ओम सिंह के साथ गाली गलौज करने लगे। जब ओम सिंह शटर नीचे करके दूर जाकर खड़े हो गए तो आरोपियों ने दुकान में घुसकर तोड़फोड़ की और काउंटर बाहर फेंक दिया। सूचना पर राजघाट चौकी प्रभारी सुशांत रावत मौके पर आ गए। पुलिस दोनों को कोतवाली ले आई। इंस्पेक्टर चौक कोतवाली अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि दोनों का मेडिकल कराया गया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

गन्ना उतराई शुल्क मांगने पर किया प्रदर्शन

संवाददाता, खुटार

गन्ना क्रय केंद्र पर तौल बंद होने के बाद एकत्र किसान। ● अमृत विचार

- तौल बंद कराई, मिल प्रशासन में मचा हड़कंप

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बेला में स्थित बजाज हिंदुस्तान चीनी मिल गोला गोकर्णनाथ के गन्ना क्रय केंद्र पर गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब किसानों ने गन्ना उतराई शुल्क लिए जाने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन करने लगे।

किसानों का कहना था कि क्रय केंद्र पर गन्ना उतरवाने के नाम पर अवैध रूप से पैसा लिया जा रहा है। जो पूरी तरह गलत है। गुस्साए किसानों ने उतराई शुल्क बंद किए जाने की मांग को लेकर गन्ना तौल पूरी तरह रोक दी और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। किसानों ने साफ चेतावनी दी कि जब तक गन्ना उतराई के नाम पर किसी भी प्रकार का शुल्क, वसूली बंद नहीं की गई तो किसान अपना गन्ना केंद्र पर तौल नही कराएंगे। तब तक उनका विरोध जारी रहेगा और तौल कार्य शुरू नहीं होने दिया जाएगा।

किसानों के प्रदर्शन के चलते क्रय केंद्र पर घंटों तौल कार्य प्रभावित रहा। क्षेत्रीय गन्ना अधिकारी ओडी शर्मा द्वारा किसानों से उतराई न लेने का आश्वासन मिलने के बाद ही तौल शुरू हो सकी। ज्ञानेंद्र शाह, श्यामपाल वर्मा, राजकुमार, केशव दीक्षित सहित कई किसान विरोध प्रदर्शन में मौजूद रहे।

टेंट हाउस से किराए पर ले गए बर्तन बेचने का आरोप

- मैरिज लॉन मालिक ने दी तहरीर

शाहजहांपुर, अमृत विचार: आरसी मिशन इलाके के कई टैंट हाउस और एक मैरिज लान स्वामी से ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति कई टैंट हाउस से लाखों रुपए के बर्तन किराये पर ले गया, फिर उसने वापस नहीं किए और बिक्री कर दिए। पीड़ित ने थाना पर तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आरसी मिशन थाना क्षेत्र के मोहल्ला ख्वाजा फिरोज निवासी नईम का मोहल्ले में टैंट हाउस है। 11 नवंबर को एक व्यक्ति उनके टैंट हाउस से तीन बड़े भगौने, 2 परातें समेत करीब 30 हजार रुपए के बर्तन किराये पर ले गया था। उसने 13 नवंबर को बर्तन वापस करने की बात कही थी। जब तय तिथि पर उसे फोन किया तो खुद को शहर के बाहर होने की बात कहकर चार-पांच दिन बाद आने के लिए कहने लगा। आरोप है कि न तो वो आया और न ही फोन उठा रहा है। पता चला कि आरोपी ने इलाके के एक मैरिज लान स्वामी समेत चार अन्य टैंट हाउस से भी इसी तरह बर्तन किराये पर लेकर बिक्री कर दिए हैं। कुल बर्तनों की कीमत लाखों में बताई गई है। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस उसे थाने भी लेकर आई थी। आरोपी ने दो दिनों में सामान वापस करने का आश्वासन दिया था। तब पुलिस ने उसे छोड़ दिया था। इसके बाद से वो न तो आया और न ही बर्तन वापस मिले। इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि तहरीर आईं थीं।

बंदरों के कूदने से टूटकर गिरा छज्जा, युवक की मौत

संवाददाता, जैतीपुर

- हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था उमेश
- ग्रामीणों ने बंदरों को पकड़वाने की मांग की

टूटा पड़ा छज्जा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : क्षेत्र में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। मंगलवार शाम को थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा रठ में बंदरों के कूदने से छज्जा टूटकर युवक के ऊपर गिर गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मलबा से निकालकर परिजन युवक को बरेली ले जा रहे थे, रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से बंदरों को पकड़वाने की मांग की है।

खेड़ा रठ निवासिनी अनीता ने बताया कि मंगलवार शाम 6.30 बजे उमेश कुमार (30) घर के दरवाजे पर खड़े थे। इतने में बंदरों का झुंड मकान के छज्जे पर कूद पड़ा। जिससे छज्जा टूटकर नीचे खडे उमेश के ऊपर गिर गया। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उमेश को मलबा से हटाया। सिर में गंभीर चोट लगने पर डॉक्टरों ने उन्हें बरेली रेफर कर दिया। बरेली ले जाते वक्त उमेश ने रास्ते में दम तोड़ दिया। उमेश की मौत से पत्नी अनीता और बच्चों का रो रोकर बुराहाल है। गांव वालों कहना है कि गांव में बंदरों का आतंक है। आए दिन बंदर लोगों को काट लेते हैं। जैतीपुर प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि थाना पर कोई सूचना नहीं है।

अनियंत्रित होकर खाई में गिरा ट्रैक्टर-ट्राली

तिलहर, अमृत विचार: तिलहर निगोही मार्ग पर ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया। चालक ने किसी तरह कूदकर जान बचाई। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया। डभौरा निवासी शमशाद परचून के दुकानदार हैं। बुधवार को वह नदिया निवासी कमलेश कुमार के ट्रैक्टर से सामान लेकर आ रहे थे। बिरसिंहपुर गांव के पास अचानक ट्रैक्टर के सामने बाइक आ गई।

जिसे बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर ट्राली पलट गया। चालक ने किसी तरह कूदकर जान बचाई। वहीं बाइक सवार घायल हो गया। घायल बाइक सवार पिपरिया निवासी अर्जुन बताया गया है।

पलटा पड़ा ट्रैक्टर-ट्राली। ● अमृत विचार

शीशम से भरी ट्राली पकड़ी

संवाददाता, कुंवरगांव

अमृत विचार : क्षेत्र में हरे और प्रतिबंधित पेड़ों का कटान रुकने का नाम नहीं ले रहा है । बुधवार को एक लकड़ी माफिया ने थाना क्षेत्र के गांव दुगरैय्या के जंगल से शीशम की लकड़ी काटकर ट्राली में भरकर जा रहा था । सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम व नवादा चौकी पुलिस ने बाइपास बिजली घर के पास लकड़ी भरी ट्रैक्टर ट्राली पकड़ ली। लकड़ी कब्जे में लेकर लकड़ी माफिया निवासी दुगरैय्या थाना कुंवर गांव के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है । मुकदमा दर्ज होने के बाद लकड़ी माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है लकड़ी माफिया के खिलाफ कई बार कार्यवाही हो चुकी है। उसके बाद भी हौसले बुलंद है। वन क्षेत्राधिकारी विकास वरुण का कहना है कि लकड़ी भरी ट्राली टीम ने पकड़ी थी जिसमें दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

लकड़ी से भरी ट्राली को कब्जे में लेते वनकर्मी। ● अमृत विचार

10 शीशम के पेड़ काटे, वन विभाग ने कब्जे में ली ट्राली

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव रोहान में सरकारी जमीन पर खड़े हरे शीशम के पेड़ों को लकड़ी माफिया ने काट डाला। कटान की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लकड़ी से भरी ट्राली को कब्जे में लेकर कार्यालय भेज दिया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। वनरक्षक अनिल राजपूत ने बताया कि सरकारी भूमि पर लगे करीब 10 शीशम के पेड़ काटे जाने की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंचने पर लकड़ी माफिया ट्राली में लकड़ी भरकर ले जाने की फिराक में थे, तभी विभाग ने ट्राली जब्त कर ली। हरे पेड़ों का काटा जाना सामने आते ही पर्यावरण प्रेमियों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं एसडीएम प्रेमपाल सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही जांच के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

हर भाजपा कार्यकर्ता को डिप्टी सीएम समझकर काम करें अफसर

क्षेत्रीय अध्यक्ष की भतीजी की शादी में शामिल होने पहुंचे थे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, शिकायतों का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण करें अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बुधवार को भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय शाक्य की भतीजी की शादी में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। अधिकारियों से कहा कि हर भाजपा कार्यकर्ता को डिप्टी सीएम समझकर काम करें। जिसके बाद उन्होंने राजकीय मेडिकल का निरीक्षण किया। फिर शादी समारोह में शामिल होने के बाद बरेली रवाना हो गए।

कलेक्ट्रेट में विकास और कानून व्यवस्था संबंधी बैठक में अधिकारियों से गंभीरतापूर्वक व निष्ठा से काम करने को कहा, जिससे साल 2047 तक देश विकसित भारत बन जाएगा। प्रदेश भी विकास उत्तर प्रदेश होगा। जिन विभागों से शिकायत प्राप्त हो, जांच के आदेश उसी अधिकारी को न दें। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका निस्तारण व समाधान न किया जा सके। चकमार्ग और सरकारी जमीनों पर कब्जे की शिकायतें लखनऊ तक आती हैं। अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से लें। इसे विशेष अभियान चलाकर निस्तारित कराएं। अमृत सरोवरों को जगमग किया जाए।

सीमांकन कराने के आवेदनों की जानकारी ली। डीएम अवनीश राय ने बताया 90 दिन से पुराना कोई मामला लंबित नहीं है। डिप्टी सीएम ने धान खरीद की स्थिति जानने के लिए केंद्रों का निरीक्षण करने के लिए कहा। डीएम ने बताया जिले को 37 हजार मीट्रिक टन का लक्ष्य मिला है, जिसे पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। डिप्टी सीएम ने कहा प्रदेश में खाद की कमी नहीं है। किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। बीएसए वीरेंद्र कुमार से डीबीटी की जानकारी की। यूनिफार्म बनाने के लिए स्वयं सहायता समूह की दीदियों और अभिभावकों को प्रेरित करने को कहा। हर घर नल से जल के लिए हर ब्लॉक में दस-दस ग्राम सभाओं का निरीक्षण करने को कहा। शत-प्रतिशत काम पूरा करके जल की आपूर्ति करें। उन्होंने बिजली आपूर्ति और ट्रांसफार्मर की जानकारी ली।

विद्युत विभाग की समीक्षा अलग से करने को कहा। सड़क पर गोवंश नजर नहीं आने चाहिए। गो आश्रय स्थल पर सीसीटीवी जरूर लगवाएं। योजनाओं के लिए पात्रों का सही से चयन किया जाए। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह से कानून व्यवस्था के बारे में पूछा। सीडीओ केशव कुमार ने बताया आकांक्षात्मक ब्लॉक के संबंध में जिले के अंबियापुर ब्लॉक को देश में दूसरा स्थान मिला है। इस ब्लॉक को एक करोड़ रुपये अलग से दिए जाएंगे। अंबियापुर की बीडीओ शैली गोविल और केंद्र सरकार के शोधार्थी आशीष वर्मा को सम्मानित किया। कहा कि वह एक महीने के बाद फिर से जिले का दौरा करके चौपाल में प्रतिभाग करेंगे।

बैठक में जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, डीसीबी चेयरमैन जेके सक्सेना, शारदेंदु पाठक आदि उपस्थित रहे। डिप्टी सीएम ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाने को कहा। जिस पर ग्राम चौपाल आदि कार्यक्रमों की सूचनाओं का आदान-प्रदान होगा। तहसील स्तर पर एसडीएम, सीओ और बिजली विभाग के अधिकारियों व पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की नियमित बैठक करें। जिससे आमजन की समस्याओं का निस्तारण हो सके।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व मंचासीन पदाधिकारी। ● अमृत विचार

आवास पर डिप्टी सीएम का स्वागत करता सदर विधायक का परिवार। ● अमृत विचार

राजकीय मेडिकल कॉलेज में प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार को निर्देशित करते डिप्टी सीएम।

- **गोशालाओं में लगाए जाएं सीसीटीवी, सड़क पर नजर न आए निराश्रित गोवंश**

सदर विधायक के आवास पर हुआ स्वागत

वह सदर विधायक व पूर्व राज्यमंत्री महेश चंद्र गुप्ता के आवास पर पहुंचे। जहां उनके परिजनों ने डिप्टी सीएम का स्वागत किया। सदर विधायक, युवा नेता विश्वजीत गुप्ता और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा की। ढोल नगाड़े बजे और आतिशबाजी हुई। डिप्टी सीएम ने नवविवाहित जोड़े माधव गुप्ता और इति को आशीर्वाद दिया।

बूथ लूटकर जीता जाता था चुनाव एसआईआर है शुद्धिकरण

प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि अब तक बूथ लूटकर चुनाव जीता जाता रहा है, जो अब नहीं होगा। एसआईआर को शुद्धिकरण और चुनाव आयोग की प्रक्रिया बताया। जिससे राजनैतिक अपराध नहीं होगा। लोग डबल इंजन की सरकार से खुश हैं। अब सपा की हालत खराब हो गई है। वंदे मातरम को लेकर चल रहे विवाद पर बोले वंदे मातरम राष्ट्रीय महामंत्र है। विपक्ष के दिमाग में सत्ता बैठी है। सपा के पीडीए को फर्जी बताया। बिहार से लौटते समय एअरपोर्ट पर सपा मुखिया अखिलेश यादव के साथ वायरल हुए फोटो के बारे में बताया कि अखिलेश ने उनसे पूछा था कि मिठाई कब खिला रहे हो। अब लड्डू लेकर ढूंढ रहे हैं लेकिन अखिलेश मिल नहीं रहे।

अगले साल जनवरी में पूरा हो जाएगा नर्सिंग कॉलेज का निर्माण

डिप्टी सीएम 27 नवंबर के बाद बुधवार को भी राजकीय मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण करने पहुंचे। मेडिकल कॉलेज और संबद्ध चिकित्सालय में चिकित्सा शिक्षकों और स्टाफ की उपलब्धता, शिक्षण व्यवस्था, निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कार्यदायी संस्थाओं यूपीआरएनएन, यूपी सीडीको व सीएंड डीएस के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित निर्माण कामों को निर्धारित समयमें पूरा कराएं। निर्माण कार्यों से संबंधित सभी समस्याएं कॉलेज प्रशासन लिखित में उपलब्ध कराए। स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित करने को कहा। यूपी सीडीको के अधिकारियों ने बताया कि नर्सिंग कॉलेज का निर्माण जनवरी 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। फरवरी 2026 तक उसे मेडिकल कॉलेज प्रशासन को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि एनएमसी के मानकों के अनुसार मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा शिक्षकों और स्टाफ की कमी है। कॉलेज के शिक्षक व कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन समर्पण से कर रहे हैं। निर्माण कार्य पूरे न होने से कुछ विभाग प्रभावित हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप, सदर विधायक, पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य आदि मौजूद रहे।

कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे : डिप्टी सीएम

बदायूं, अमृत विचार : मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के संबंध में भाजपा कार्यालय पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी डॉ. दिनेश शर्मा, जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने बैठक को संबोधित किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतंत्र को मजबूत करने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। हम सभी की जिम्मेदारी है कि कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रह जाए और मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध, पारदर्शी हो। भाजपा का हर कार्यकर्ता सेवाभाव और जिम्मेदारी के साथ घर-घर जाकर इस अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप दे। भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करती रही है। भाजपा देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो विचार, संगठन और कार्यकर्ता के बल पर आगे बढ़ती है। भाजपा कार्यकर्ता दिन-रात जनता के बीच रहकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष व एमएलसी संतोष सिंह, प्रदेश मंत्री डीपी भारती, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप, पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य, पूर्व विधायक कुशाग्र सागर, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अशोक भारतीय, पूर्व डीसीबी चेयरमैन व जिला प्रवासी भूपेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

सोत नदी बचाने को डिप्टी सीएम को दिया पत्र

बदायूं, अमृत विचार : सोत नदी पर्यावरण पुनर्जीवन ट्रस्ट ने डिप्टी सीएम को पत्र देकर मांग की है कि नदी को जीवन दिया जाए जिससे नदी के आसपास के किसानों को इससे लाभ मिल सके। डिप्टी सीएम को दिए पत्र में कहा गया है कि दो दशक पहले तक सदानीरा से लोग लाभान्वित होते थे। लेकिन बाद में इसकी दुर्गति होती गई जिससे आज नदी का अस्तित्व खतरे में है। पत्र में कहा है कि सोत नदी बचाओ आंदोलन के तहत कई सालों से काम किया जा रहा है फिर भी नदी को नहीं बचाया जा सका है। जिससे नदी का जल खत्म हो रहा है। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमित अग्रवाल ने कहा कि जनपद में नदी एक बड़े क्षेत्र से होकर गुजरती है इसे बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में नदी बचाओ आंदोलन किया गया फिर भी आंदोलन अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सका। पत्र में मांग की है कि सोत नदी बचाने को हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए।

विधिक माप विज्ञान विभाग ने की छापेमारी

बिल्सी, अमृत विचार : घटतौली की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए बुधवार को विधिक माप विज्ञान विभाग की टीम ने बिल्सी के मुख्य बाजार की कई दुकानों का निरीक्षण किया। टीम ने तौल उपकरण, बाट और पैकिंग सामग्री की बारीकी से जांच की। दुकानदारों को हिदायत दी कि किसी भी स्थिति में घटतौली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय अधिकारी विनीत कुमार पांडे ने बताया कि एसडीएम को कुछ लोगों ने दुकानों पर घटतौली की शिकायत की थी। जिसके चलते टीम ने नगर के प्रमुख बाजारों में चेकिंग अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान एक दुकान पर अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई की गई है। दुकानदारों को चेतावनी दी गई है कि भविष्य में शिकायत मिलने पर सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। नगर के मोहल्ला संख्या आठ निवासी प्रशांत जैन ने मिठाई खरीदते समय खाली डिब्बे का वजन जोड़कर अधिक वसूली करने का आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंपा था। इसी शिकायत के बाद विभाग की टीम ने बुधवार पहुंचकर जांच की। इस दौरान आशीष कुमार, मनवीर चौहान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हड़ताल से वापस लौटे सफाई कर्मचारी

दातागंज, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद दातागंज के अधिशासी अधिकारी द्वारा सफाई नायक के साथ कार्यालय में काम को लेकर हुई नोंकझोंक और गाली गलौज को लेकर नाराज सफाई कर्मचारी कार्य का बहिष्कार कर हड़ताल पर चले गए हैं। कार्यालय परिसर में सफाई कर्मियों ने ईओ के विरुद्ध नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। दूसरे दिन एसडीएम धर्मेंद्र कुमार सिंह ने ईओ और सफाई नायक से बात करके हड़ताल खत्म करने को कहा। इसके बाद ईओ ने कार्यालय पहुंच कर सफाई नायक से माफी मांगे जाने के बाद सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल वापस ले ली। मंगलवार को सफाई नायक जितेंद्र कुमार और ईओ के बीच हुए विवाद के बाद सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गए थे।

संविदा कर्मियों ने वेतन को लेकर किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

डिप्टी सीएम के दौरे से पहले निपटा दिया मामला

बुधवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने दौरा किया। उनके दौरे से पहले ही संविदा कर्मियों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा होने से राजकीय मेडिकल कॉलेज प्रशासन के हाथ- पैर फूल गए। इसलिए आनन फानन में मामले को शांत कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से बताया गया कि आज डिप्टी सीएम के साथ ही डीएम एसएसपी व अन्य अधिकारी यहां आए थे इसलिए मामले को त्वरित निपटा दिया गया।

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में बुधवार को मानदेय की मांग को लेकर संविदा कर्मियों ने प्रदर्शन किया। प्राचार्य के खिलाफ नारेबाजी की, जिससे काफी देर तक काम ठप रहा। प्राचार्य ने 15 दिन में मानदेय दिलाने का आश्वासन दिया जिसके बाद संविदा कर्मियों ने काम शुरू किया।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में विभिन्न पदों पर करीब दो सौ से अधिक संविदा कर्मचारी हैं। आरोप है कि पिछले तीन महीने से उनका मानदेय नहीं दिया गया है, जिससे वह लोग परेशान हैं। संविदा कर्मियों ने प्राचार्य से कई बार मानदेय दिलाने की बात की लेकिन हर बार उन्हे टाल दिया गया जिससे संविदा कर्मियों के परिवार भुखमरी के कगार पर हैं।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे संविदाकर्मी बुधवार को काम बंद कर प्रदर्शन करने लगे। संविदा कर्मियों ने प्राचार्य के खिलाफ नारेबाजी की, दरी बिछा कर बैठ गए। संविदा कर्मियों ने कहा , उनके परिवार पैसे के लिए परेशान हैं मगर यहां कोई सुनने वाला नहीं है। कई बार उन्हें आश्वासन दिया गया मगर मानदेय नहीं दिया गया जिससे परेशान होकर आज वह लोग धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। काम बंद होने से मेडिकल कालेज में स्थिति बिगड़ गयी। इसकी जानकारी मिलते ही प्राचार्य डा. अरुण कुमार मौके पर पहुंच गए।

उन्होंने संविदा कर्मियों से कहा कि वह जल्द ही उनकी समस्या का समाधान करेंगे। इस बात पर भी संविदाकर्मी नहीं माने तो प्राचार्य ने कहा कि 15 दिन के अंदर उनका मानदेय दिला दिया जाएगा। प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि संविदा कर्मियों को मानदेय नहीं मिला है। इसलिए वह लोग परेशान हैं। कंपनी को कहा गया है कि मानदेय इनके खाते में डाला जाए। 15 दिन में मानदेय दिला दिया जाएगा।

- **पन्द्रह दिन में मानदेय दिलाने के आश्वासन पर खत्म किया गया विरोध प्रदर्शन**

115 ने कराया ओटीएस में पंजीकरण साढ़े दस लाख जमा

बिल्सी , अमृत विचार : नगर समेत क्षेत्र के गांव सिरासौल, हथरा, पहाड़पुर एवं गोठा-निजामपुर में बुधवार को विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में शिविर आयोजित किए गए। शिविर में उपभोक्ताओं ने बिल सुधार, ओटीएस योजना आदि शिकायतें दर्ज कराईं। एसडीओ जयप्रकाश राजपूत ने समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जारी एकमुश्त समाधान (ओटीएस) योजना उपभोक्ताओं के लिए अत्यंत लाभकारी है। योजना के तहत बकाया बिलों पर भारी छूट दी जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत मिल सके। उन्होंने योजना का लाभ लेने की अपील की। शिविर में 115 बकाएदारों का ओटीएस योजना में पंजीकरण कराया। विभाग ने करीब साढ़े 10.55 लाख रुपये धनराशि भी जमा कराई। शिविर में अवर अभियंता गजेंद्र पाल सिंह, उमाशंकर, रामस्वरुपपटेल आदि मौजूद रहे।

दुर्विजय की भतीजी को डिप्टी सीएम ने दिया आशीर्वाद

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बुधवार को पूरा दिन बदायूं प्रदेश की राजनीति की धुरी बना रहा। प्रदेश उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समेत कई मंत्री और प्रदेश भर के विधायक और अन्य वीवीआईपी लोगों की चहलकदमी रही। वह भाजपा के ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य की भतीजी की शादी में शामिल हुए। नव दंपती को आशीर्वाद दिया।

शहर के पूनम लॉन में हुए आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने की तैयारी कई दिन से चल रही थी। स्थानीय समेत गैर जिलों से यहां प्रसिद्ध खाना बनाने वाले से लेकर सजावट करने वाले, टेंट, साउंड आदि पहुंचे थे। बुधवार दोपहर से ही विवाह आयोजन में मेहमानों की भीड़ आना शुरू हो गई।

पूनम लॉन में नव दंपती को आशीर्वाद देते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व अन्य पदाधिकारी।

- **वित्त मंत्री और कई बड़े राजनेता भी हुए शामिल**

डिप्टी सीएम के अलावा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, वित्त एवं संसदीय कार्य विभाग के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, वन पर्यावरण जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ. अरुण कुमार, गन्ना विकास राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मंत्री नरेंद्र कश्यप, पशुधन एवं दुग्ध विकास तथा राजनैतिक पेंशन विभाग के मंत्री धर्मपाल सिंह, प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र, प्रांत संघ चालक शशांक भाटिया के अलावा प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण, विधायक, कई जिलों के जिलाध्यक्ष आदि विवाह कार्यक्रम में पहुंचे।

VARUN ARJUN COLLEGE OF NURSING

Be a part of a dedicated and growing academic team !

NOW HIRING !

Join a Leading Institution Shaping Future Nurses

VACANCIES

- Associate Professor
- Assistant Professor
- Nursing Tutor

REQUIREMENTS

✓ Relevant qualifications as per INC Norms
✓ Strong teaching ability
✓ Commitment to academic excellence
✓ Passion for guiding nursing Students

CONTACT DETAILS

Mob : 7521001992, 9412151327
Email : vacn201@gmail.com, varunarjun2016@gmail.com

NH-30, Banthra, Shahjahanpur

पंचायत के बाद ले जाने लगे मूर्ति तो दूसरे गांव के लोगों का हंगामा

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : बरेली-मथुरा राजमार्ग पर मंदिर को दूसरी जगह स्थापित करने को लेकर दोनों गांवों के लोगों की बीच पंचायत हुई। एक जनप्रतिनिधि के यहां हुई पंचायत के बाद गांव करतोली के लोग भगवान की मूर्ति ले गए तो दूसरे गांव ढकिया के ग्रामीणों ने राजमार्ग पर हंगामा किया। दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। जाम की सूचना पर पुलिस पहुंची। दोनों गांवों के लोगों को समझाकर शांत कराया है।

राजमार्ग पर थाना बिनावर क्षेत्र के गांव ढकिया स्थित हनुमान मंदिर है। जो राजमार्ग के विस्तारीकरण में आ गया है। कुछ दिन पहले दोनों गांव के लोग अपने-अपने गांव का मंदिर बता कर विवाद कर रहे थे। जिस पर जिले के एक जनप्रतिनिधि के यहां मामला पहुंचा। उन्होंने मामले की जानकारी की। दोनों पक्ष के लोगों को बुलाकर बात भी की थी। जिसमें दोनों गांव के लोगों के सामने यह तय हुआ था कि एक गांव के लोग मंदिर में लगी मूर्ति अपने गांव ले जाएंगे और दूसरे गांव के लोग मंदिर में लगी अन्य चीज लेकर जाएंगे। दरअसल नेशनल हाईवे की ओर से मंदिर बनाने के लिए मोटी धनराशि दी गई है। जिसमें निर्माण कर रही संस्था द्वारा जो भी धनराशि स्वीकृत हुई है वह दोनों गांव के लोगों को आधी -आधी बांट दी जाएगी। जिससे दोनों गांव के लोग अपने-अपने गांव में मंदिर बना सकें।

बुधवार सुबह करीब करतोली गांव के एक दर्जन से अधिक लोग हाथों में फावड़ा गेती लेकर मूर्ति हटाने लगे। यह देखकर ढकिया गांव के लोग कुछ समझ नहीं पाए और मंदिर पहुंच गए और हंगामा करने लगे। जिससे राजमार्ग पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के चलते पुलिस मुस्तैद थी जिसके चलते पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई। दोनों पक्ष के लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों को समझा बुझाकर मामला शांत कर दिया है।

- **ग्रामीणों ने हाईवे पर लगाया जाम पुलिस ने समझाकर खुलवाया**

शिविर में 31 महिलाओं की नसबंदी की गई

बिल्सी, अमृत विचार : नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को परिवार नियोजन कार्यक्रम को गति देने के उद्देश्य से नसबंदी शिविर आयोजित किया गया। जिसमें मेडिकल टीम ने 40 महिलाओं का पंजीकरण कर लाभार्थियों की स्वास्थ्य जांच की और प्रक्रिया से संबंधित जानकारी दी। इसके बाद सुरक्षित तरीके से सभी 31 महिलाओं की लेप्रोस्कोपिक विधि से नसबंदी कराई गई। चिकित्साधीक्षक डा.अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि लेप्रोस्कोपिक तकनीक आधुनिक, सुरक्षित और कम समय लेने वाली विधि है, जिससे महिलाओं को कम दर्द होता है और जल्दी स्वस्थ हो जाती हैं। सभी महिलाओं को नसबंदी उपरांत आवश्यक दवाएं, सावधानियां और परामर्श दिया गया। शिविर में लाभार्थी महिलाओं को प्रमाण पत्र भी सौंपे गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के लिए आगे भी इस तरह के शिविर आयोजित किए जाएंगे। टीम में डॉ क़ादरा सुल्ताना, अमर वर्मा, अरविंद, दीपमाला, मनीषा, कुसुमलता, नीतू शर्मा, शशिवाला आदि शामिल रही।

रेंजर्स शिविर का समापन गुलाब टोली रही प्रथम

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **गिंदो देवी महिला महाविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय शिविर का समापन**

अमृत विचार : गिंदों देवी महिला महाविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय रेंजर्स शिविर का समापन हो गया। अंतिम दिन रेंजर्स ने टोली बनाकर टेंट हाउस तैयार किया और रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। गुलाब टोली पहले, शिव शक्ति टोली दूसरे और सेवा सेतु टोली तीसरे स्थान पर रही।

तीन दिवसीय आयोजन प्राचार्य डॉ. सरला देवी चक्रवर्ती के निर्देशन में हुआ। तीसरे दिन की शुरुआत प्राचार्य ने ध्वज फहराकर और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. सुधीर चौहान, स्काउट-गाइड संस्था के चीफ कमिश्नर अधिवक्ता महेश चंद्र सक्सेना, जेएस कॉलेज की प्राचार्य डॉ. निशि अवस्थी, महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव गौरव रस्तोगी, अध्यक्ष मोनिका रस्तोगी, रेंजर प्रशिक्षक मोहम्मद असरार ने दीप प्रज्वलित करके की।

क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी ने रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर में छात्राओं को सराहा। कॉलेज के सचिव ने छात्राओं से हर आयोजन में प्रतिभाग करने को प्रेरित किया। चीफ कमिश्नर ने कहा कि रेजिंग हमें प्रकृति से जोड़ती है और कठिन परिस्थितियों में जीवन निर्वाह करने के गुण सिखाती है।

प्राचार्य ने कहा कि रोवर्स और रेंजर्स की गतिविधियों में सामुदायिक सेवा, आउटडोर रोमांच और कौशल विकास शामिल हैं। जिसका लक्ष्य सामाजिक जिम्मेदारी और नेतृत्व को बढ़ावा देना है।

रेंजर्स इंचार्ज डॉ. शालू गुप्ता ने कहा कि रेंजर्स दूसरों की बिना स्वार्थ के सेवा करने और समाज में पॉजिटिव योगदान देने का कमिटमेंट दिखाता है। निर्णायक मंडल में डॉ. शुभी भसीन, डॉ. निशि अवस्थी रहे। डॉ. शिल्पी तोमर ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. सोनी मौर्य, इति अधिकारी, वंदना वर्मा आदि उपस्थित रहे।

बीएलओ घर-घर जाकर भर रहे एसआईआर फार्म

संवाददाता, बिल्सी

गणना प्रपत्र भरते बीएलओ। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बिल्सी विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक जागरुकता और जनहित कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सिद्ध करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता सत्येंद्र सिंह गहलोत ने बीएलओ की सहायता से एसआईआर गणना पत्रों को निस्वार्थ भाव से भरा।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण और अद्यतन प्रक्रिया के तहत यह जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। सत्येन्द्र सिंह गहलोत ने 24 नवम्बर से 10 दिसंबर तक लगातार क्षेत्र में घर-घर जाकर आवश्यक विवरण जुटाया, और बीएलओ को गणना पत्रों के संकलन में सहयोग किया। उनके इस समर्पित प्रयास को लोगों ने सराहा। लोगों का कहना है कि गहलोत सदैव सामाजिक कार्यों में आगे रहते हैं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में भी आम जनता की मदद करने से पीछे नहीं हटते।

पशुओं को ठंड से बचाने को लगाए जा रहे पर्दे

ठंड से गोवंशीय पशुओं को बचाने के निर्देश, जिले की सभी गोशालाओं में तिरपाल और अलाव की होगी व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

रफियाबाद की गोशाला में डाला गया तिरपाल। ● अमृत विचार

सिकरोड़ी की गोशाला में जलता अलाव।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री के आदेश के आद गौशालाओं में गोवंशीय पशुओं को ठंड से बचाने को कवायद शुरू कर दी गई है। करीब दस लाख का बजट तिरपाल और अलाव जलाने को स्वीकृत किया गया है। जिसके बाद गौशालाओं में अलाव लगने शुरू कर दिए हैं। तिरपाल भी लगाए जा रहे हैं।

जनपद में करीब 312 गोशालाएं हैं जिनमें लगभग 30 हजार गोवंशीय पशु संरक्षित हैं। इन गोवंश को ठंड से बचाने को सरकार ने सभी गोशालाओं को तिरपाल से ढकने के निर्देश दिए हैं। साथ ही गोशालाओं में बड़े बड़े अलाव लगाने के निर्देश दिए हैं।

इसके लिए करीब 10 लाख का अलग से बजट जारी किया गया है। धनराशि का सदुपयोग हो इसके लिए पशु पालन विभाग को सख्त हिदायत दी गई है कि यदि आकस्मिक निरीक्षण में किसी गोशाला में अलाव नहीं जलते मिले और तिरपाल से गोशालाएं ढकी नहीं मिली तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आदेश के बाद पशु पालन विभाग ने काम शुरू कर दिया है।

ब्लॉक जगत के गांव पडौआ में सरकारी गौशाला को तिरपाल से ढक दिया गया है। वहीं ब्लॉक सलारपुर के गांव रफियावाद की गोशाला में तिरपाल लगा कर गोवंश को ठंड से बचाने का काम किया गया है। इसके साथ ही गांव सिकरोड़ी की गौशाला में अलाव जलाया जा र हा है। करीब 50 किलो लकड़ी एक दिन के अलाव के लिए दी गई है। इस गोशाला में दो दर्जनों से अधिक गोवंशी पशु हैं जिन्हे तिरपाल से ढका गया है। विनावर की गोशाला में भी तिरपाल की व्यवस्था कर दी गई है।

सलारपुर ब्लॉक पर तैनात पशु चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार भुइयार ने बताया कि शासनादेश के अनुसार गोशालाओं में काम किया जा रहा है। तिरपाल और अलाव की व्यवस्था को लाखों की धनराशि खर्च की जा रही है जिससे गोवंश को ठंड से बचाया जा सके। इसके साथ ही प्रत्येक गोशाला में संरक्षित गोवंश को दवा की व्यवस्था के लिए पशु चिकत्सकों को आदेशित किया गया है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों से कहा गया है कि यदि उनके क्षेत्र में छुट्टा गौवंश हैं तो अपनी नजदीकी गोशाला में उन्हे संरक्षित कराएं जिससे गोवंश को कड़ाके की ठंड से बचाया जा सके।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. समदर्शी सरोज ने कहा कि सरकार का आदेश है कि गोवंशीय पशुओं को हर हाल में ठंड से बचाया जाए इसलिए गोशालाओं में तिरपाल और अलाव लगाए जा रहे हैं। गोशालओं का आकस्मिक निरीक्षण किया जा रहा हे। जिससे प्रजयेक गोशाला में व्यवस्था दुरुस्त रहे। बताया कादरचौक और कछला क्षेत्र की गौशालाओं में काम पुरा हो चुका है क्योंकि यह इलाके गंगा किनारे के हैं इसलिए अधिक ठंड रहती है।

बाबू गप्पी ने लोगों को जमकर हंसाया

मेले में मंच पर मौजूद कलाकार। ● अमृत विचार

संवाददाता, उस्मानपुर

● मेले में आए लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद उठाया

अमृत विचार : दहगवां में चल रहे माधव किसान मेला नुमाइश व दंगल में बुधवार को कॉमेडियन बाबू गप्पी ने लोगों को खूब हंसाया। मेले में बुधवार को हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

नगर मे चल रहे माधव किसान मेला नुमाइश व दंगल में बुधवार को हास्य कलाकार बाबू गप्पी (भोला गुर्जर) का कार्यक्रम था। जिसमे आगरा से आये बाबू गप्पी ने लोगों को अपनी तरह तरह की आवाज निकाल कर हंसाया। कहानियों के बारे में बताया, जिससे लोगों का खूब मनोरंजन हुआ। लोगों ने कलाकारों को इनाम देकर हौसला बढ़ाया। साथ ही आगरा से आई लेडीज कलाकार पूजा और काजल ने डांस और कॉमेडी से जनता का मन मोह लिया। महिला कलाकारों को देखने के लिए आसपास के गांवों के हजारों लोगों की भीड़ रहीं। लोगों ने भजन सुन कर खूब आनंद लिया।

कलाकारों द्वारा भजन सुनाने पर इनाम दिया गया। इस मौके पर पूर्व प्रधान मयंक गुप्ता, नरेश चन्द्र गुप्ता जफर अली सैफी, विजेंद्र यादव, जुगनू सेफी, ललतेश शाक्य, दर्शन कश्यप आदि लोग मौजूद रहे ।

सड़कों के गड्ढों पर ध्यान नहीं दे रहे जिम्मेदार

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : बहजोई-इस्लामनगर मार्ग पर स्थित अल्लैहपुर-समसपुर गांव के आगे हाईवे की हालत बेहद दयनीय हो चुकी है। सड़क के बीचों-बीच बने गहरे गड्ढे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बन गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन गड्ढों के कारण आए दिन वाहन चालक असंतुलित होकर हादसे का शिकार हो रहे है।

करीब एक माह पूर्व इसी स्थान पर एक बाइक सवार गहरे गड्ढे में गिर गया था, जिससे बाइक पर बैठी महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। इसके बावजूद संबंधित विभाग ने अब तक गड्ढों की मरम्मत तक कराने की जहमत नहीं उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग शायद किसी और बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। रात के समय इन गड्ढों का खतरा और भी बढ़ जाता है, क्योंकि कम रोशनी में वाहन चालकों को सड़क की सही स्थिति दिखाई नहीं देती। तेज रफ्तार में आते वाहन सीधे गड्ढों में जा फंसते हैं, जिससे गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

इस्लामनगर क्षेत्र में अल्लैहपुर-समसपुर के पास टूटा मार्ग। ● अमृत विचार

राजनीतिक-समानता मानव के अधिकार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मानवाधिकार दिवस पर आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय में दैनिक जीवन की अनिवार्य आवश्यकता के अधिकार विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि वास्तव में हर व्यक्ति को जीवन के ऐसे उत्कृष्ट स्तर को प्राप्त करने का अधिकार है जो उसके और उसके परिवार के स्वास्थ्य, कल्याण, विकास के लिए जरूरी है।

उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के साथ समानता एवं शिक्षा का अधिकार भी महत्वपूर्ण है। राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार जायसवाल ने कहा कि आज भी दुनिया और हमारे समाज के कई हिस्सों में गरीबी, अशिक्षा, भेदभाव, हिंसा, लैंगिक असमानता और जातिवाद के कारण मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है। ऐसे में केवल कानून बनाना काफी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह दूसरों के अधिकारों का सम्मान करे और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाए।

आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने, विकास करने और उन्नति करने के लिए हालात ऐसे होने चाहिए जिससे कि कोई व्यवधान न आए इस मौके पर अनमोल भारती, प्रीति राठौर, अनामिका, नेहा शाक्य, मंतशा अनवर, पवन, खुशबू यादव, ललित राम, कोमल समेत अन्य रहे।

युवाओं के शब्दकोष में असंभव शब्द नहीं

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

शिविर के दौरान इमारत बनातीं गाइड्स। ● अमृत विचार

● गंगादीन इंटर कॉलेज में आयोजित शिविर का हुआ समापन

अमृत विचार : गंगादीन इंटर कॉलेज में भारत स्काउट और गाइड संस्था की ओर से चल रहे तीन दिवसीय स्काउट प्रशिक्षण शिविर का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हो गया। बच्चों ने तंबुओं का शहर बसाया। स्काउट वर्ग में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और गाइड वर्ग में कल्पना चावला कंपनी आलओवर चैंपियन रही।

प्रधानाचार्य राजेश कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आरंभ किया। कहा कि परिश्रम से जीवन सार्थक और समर्थ बनता है। पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि युवा के शब्दकोष में असंभव शब्द नहीं। दुनिया के हर कार्य को संभव कर दिखाने की श्रेष्ठ सामर्थ्य है। उत्कृष्ट चिंतन और सद्भाव जागृत करें और महान लक्ष्य तक पहुंचें। स्काउट वर्ग में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रथम, जय हिंद द्वितीय और सरदार भगत सिंह टोली तृतीय स्थान पर रही जबकि गाइड वर्ग में कल्पना चावला कंपनी प्रथम, नारी एकता द्वितीय और नारी शक्ति कंपनी तृतीय स्थान पर रही। मां दुर्गा शक्ति कंपनी को सांत्वना पुरस्कार मिला। शिक्षक अवधेश कुमार, गोपाल कृष्ण, मुकेश चंद्र निर्णायक रहे। वरिष्ठ शिक्षक अर्जुन सिंह, योगेंद्र तिवारी ने विजेता टोलियों के बच्चों को मेडल और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। स्काउट शिक्षक दीपक शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर आमिर खां, देवेंद्र सिंह, अवधेश कुमार, राम मोहन, सत्यवीर, आसिफ अली आदि मौजूद रहे।

सोत नदी की कोख सूखी, पानी घटने से बनी नाला

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

नाले के रूप में वह रही सोत नदी। ● अमृत विचार

● अतिक्रमण की चपेट में सोत नदी खो रही अस्तित्व, जिला प्रशासन की उदासीनता

अमृत विचार : शासन और प्रशासन की उदासीनता ने सोत नदी का अस्तित्व खतरे में डाल दिया है। इस उदासीनता के चलते सोत नदी अब केवल एक छोटे नाले के रूप में वह रही है। नदी के दोनों किनारों पर बड़े स्तर पर अतिक्रमण किया जा रहा है। जिससे नदी अब नाले में तब्दील हो चुकी है।

सोत नदी शहर के किनारे से गुजरती है। इस नदी को पहले जीवनदायिनी कहा जाता था। करीब पचास साल पहले तक नद के आस पास के खेतों की सिंचाई नदी के पानी से होती थी। लोग नदी में स्नान करने जाते थे। अपने पशुओं को पानी पिलाते थे। उसके बाद शासन और प्रशासन की उपेक्षा की शिकार सोत नदी धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खोने लगी है।

शहर के लोगों ने नदी के दोनों ओर मिट्टी डालकर कब्जा करना शुरू कर दियाहै । कुछ लोगों ने नदी की कोख में ही फावड़ा चला कर बरात घर बना लिए। पूरी नदी की भूमि पर कब्जा कर लिया। जिससे नदी अब केवल एक नाले के रूप में रह गई है। नदी सूख रही है। उसका पानी नाले के पानी से अधिक गंदा और दूषित है। जिससे लोग अब नदी के आसपास जाना भी पसंद नहीं करते हैं। लेकिन भू माफिया नदी पर हावी हैं।

करीब 10 साल पूर्व शासन के आदेश पर पुलिस और नगर पालिका ने एक बरात घर ध्वस्त करा दिया। दूसरा बरातघर भी गिरा दिया। दबंगों द्वारा किए गए कब्जे को हटाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसके बाद फिर वही स्थिति बन गई है। नदी के दोनों किनारों पर कब्जा कर लिया गया है।

नदी को जीवित करने को शिप्रा पाठक ने करीब तीन साल पूर्व एक अभियान चलाया था। अभियान के तहत उन्होने नदी के आस पास से अतिक्रमण हटाने को शासन और प्रशासन से बात की थी। समाजसेवियों को लामबंद किया था। नदी को बचाने को तमाम तरह के प्रयास किए गए। मंत्री और मुख्यमंत्री तक इसकी दास्तां रखी गयी। मगर सब कुछ वहीं का वहीं अटक गया। आज भी नदी की कोख पर दबंगों का कब्जा है। पानी की जगह उसमें कचरा और दूषित विषैला पानी है।

अल्पसंख्यक समाज का एक धर्म स्थल नदी के किनारे है जिससे नदी के आस पास भारी गंदगी और कूड़ा कचरा डाला जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिला प्रशासन को नदी की कोई चिंता नहीं है। लाख कोशिशों के बाद भी कोई कदम नहीं उठाया गया। समाज सेवी संस्थाएं कभी कभार हल्ला गुल्ला करती हैं मगर शासन और प्रशासन स्तर से कभी कुछ नहीं किया जाता है जिससे नदी अपने अस्तित्व को खोती जा रही है।

जिले में 98 किमी क्षेत्र से गुजरती है सो नदी : जिले में करीब 98 किमी क्षेत्र से नदी गुजरती है। कुछ स्थानों पर आज भी किसान नदी के पानी से खेतों की सिंचाई करते हैं, लेकिन शहरी आबादी के किनारे नदी केवल बारिश के दिनों में हरी भरी रहती है जबकि अन्य दिनों में पानी नहीं रहता है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांक: 340/न.पा.परि.बी./2025-26 **ई-निविदा सूचना** दिनांक 02.12.2025

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा राज्य वित्त/पालिका निधि के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में	निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	रामदुलारी पुलिया से छोटू के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	3892044.00	66000.00	4600.00	3 माह
2.	टेलर की दुकान से महातिया बुक डिपों तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य।	3831885.00	65000.00	4550.00	3 माह
3.	जनता टैक्निकल इण्टर कॉलेज से बड़े हनुमान जी के मन्दिर तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य।	1788827.00	30350.00	2150.00	3 माह
4.	गाजी एयर कन्डीशनर से सुन्दरी ब्यूटी पार्लर तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य	3745827.00	63500.00	4450.00	3 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 10.12.2025 को प्रात: 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 15.12.2025 को अपरान्ह 05:00 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 16.12.2025 प्रात: 10:00 बजे से।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खाता सं. 321005500073 IFSC-ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बीसलपुर-पीलीभीत

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद बीसलपुर-पीलीभीत

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल

N.H.-30, बंथरा, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश

Radiation Oncology Department

Cancer Facilities (कैंसर उपचार एवं सुविधाएं)

कैंसर की सटीक जाँच (Accurate Diagnosis)

नवीनतम तकनीक द्वारा कैंसर की प्रारंभिक एवं सटीक पहचान की सुविधा

- बायोप्सी
- रेडियो इमेजिंग (CT, MRI)
- ब्लड मार्कर जाँच

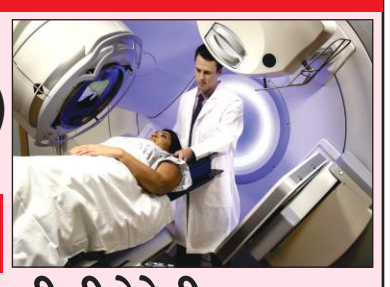

कीमोथेरेपी (Chemotherapy)

- सभी प्रकार के कैंसर की कीमीथेरेपी द्वारा उपचार की पूर्ण व्यवस्था

कैंसर की पूर्ण देखभाल (Comprehensive Cancer Care)

- कैंसर रोगियों के लिए पोषण, काउंसलिंग एवं पुर्नवास सहायता
- व्यक्तिगत (Individualised) उपचार योजना

रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट परामर्श उपलब्ध

- कैंसर के हर चरण के लिए सही मार्गदर्शन व उपचार योजना उपलब्ध।

(प्रतिदिन ओ.पी.डी. कमरा नं. 171 में प्रात: 9:00 से सायं 4:00 बजे तक)

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- 7521001988, 7521001989

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र व पुत्री अब्दुल रहमान (पुत्र) व श्रीमती नूर ए शहर उर्फ सबा पत्नी समीर ने मुझे आर्थिक, मानसिक व शारीरिक रूप से बहुत नुकसान पहुंचाया है मुझे और जयादा नुकसान न हो, इसलिए मैं खूब सोचकर, समझकर अपने पूरे होशों हवास में अपने पुत्र व पुत्री को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से आंक करता हूं। **मोहम्मद स्वाले पुत्र फैय्याजउल हसन निवासी मो. घेर जाफर खां पुराना शहर, बरेली मो. 9888452637**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार
बरेली, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025
शाहजहांपुर

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, खुटार, शाहजहांपुर

पत्रांक-सी-787/आंकिक/क्षे.पं./नि.का./नि.प्रकाशन/2025-26 दिनांक: 10 दिसम्बर 2025

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड खुटार, शाहजहांपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में क्षेत्र पंचायत खुटार के अंतर्गत पंचम राज्य वित्त आयोग/15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग (अनटाइड/टाइड फण्ड) के अन्तर्गत अधोलिखित विवरण के अनुसर कार्य कराये जाने प्रस्तावित है जिसके लिये सीलबन्द निविदायें दिनांक 12.12.2025 से दिनांक 26.12.2025 तक आमंत्रित की जाती है प्राप्त होने वाली निविदायें दिनांक 26.12.2025 को अपरान्ह 01:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी द्वारा कार्यालय में गठित कमेटी के द्वारा खोली जायेगी। निविदा सम्बन्धी फार्म दिनांक 12.12.2025 से दिनांक 26.12.2025 को अपराहन 12:00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में रू. 500/- प्रति कार्य जमा कर कार्यालय से क्रय किया जा सकता है। निर्धारित दिनांक व समय के उपरान्त प्राप्त होने वाली निविदा स्वीकार नहीं होगी। निविदा के सम्बन्धित नियम व शर्ते विकास खण्ड पर निविदा प्रकाशन के उपरान्त किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम स्थल सहित	कार्य की लम्बाई	कार्य की प्राकलित लागत	निविदा मूल्य	प्रतिशत अर्नेस्ट मनी	कार्य प्रारम्भ होने से कार्य पूर्ण होने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
	(पंचम राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य)					
1.	ग्राम रसवां कलां में पुवायां से (बड़ौदा ग्रामीण बैंक) बी.आर.सी. गेट तक इंटरलॉकिंग व नाली कार्य।	80 मीटर	842000	500	16840	4 माह
2.	ग्राम खमरिया में राजू के मकान से गुरूद्वारे की ओर इंटरलॉकिंग कार्य।	150 मीटर	980000	500	19500	4 माह
3.	ग्राम पंचायत गुरद्विया में डालचन्द के घर से हीरालाल के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य।	190 मीटर	997000	500	19940	4 माह
4.	ग्राम रसवां कलां में गोला बाईपास रोड से गुलहरनाथ मंदिर तक इंटरलॉकिंग रोड व नाली कार्य।	140 मीटर	99500	500	19820	4 माह
5.	ग्राम पंचायत सहारू में जगदीश वर्मा के मकान से लुकटहा रोड तक खडंजा कार्य।	300 मीटर	683000	500	13660	4 माह
6.	ग्राम हीरपुर में बलजीत सिंह के खेत से जसवंतनगर की ओर खडंजा कार्य।	500 मीटर	984000	500	19680	4 माह
7.	ग्राम लालपुर में मैलानी रोड से पंचायत घर की ओर खडंजा कार्य।	150 मीटर	984000	500	19680	4 माह
8.	ग्राम महोलिया वीरान में मड़हिमन में महिपाल के मकान से देवीस्थान तक खडंजा कार्य।	350 मीटर	798000	500	15960	4 माह
9.	ग्राम सिमरा वीरान गौशाला के खडंजे से हरविन्दर सिंह के खेत तक खडंजा कार्य।	500 मीटर	984000	500	19680	4 माह
10.	ग्राम मंडनपुर (सुजानपुर) में राधास्वामी के मोड से दिलबाग के घर की ओर खडंजा कार्य।	500 मीटर	784000	500	15680	4 माह
11.	ग्राम पंचायत रामपुर कलां में डामर (माधौपुर) रोड से मुनीश बाबू के मकान तक इंटरलॉकिंग कार्य।	130 मीटर	650000	500	13000	4 माह
	(15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग के अन्तर्गत टाइड फण्ड से स्वीकृत)					
1.	सलनहां के प्राथमिक स्कूल में वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
2.	पिपरिया भागवन्त के प्राथमिक स्कूल में वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
3.	भटनौसा में दुर्गा मन्दिर पर वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
4.	एस.एन. शुक्ला मैमोरियल हॉस्पिटल में वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
5.	ग्राम लड़ती में मठोकर के पास वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
6.	प्रतापपुर में शिव मन्दिर के पास वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
7.	ग्राम पंचायत केसरपुर में गुरूद्वारा में वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
8.	ग्राम पंचायत रौतापुर कलां में वाटॅर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
9.	कैहमरिया में सत्तार खान के घर के पास वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
10.	प्राथमिक विद्यालय सौफरी में वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
11.	हरिपुर गुरूद्वारे के पास वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
12.	बावन गंगा तालाब पर वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
13.	नवदिया नवाजपुर में डॉ. राकेश बूथ अध्यक्ष के घर के पास वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
14.	बी.आर.सी. कार्यालय खुटार से वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
15.	गोल्डन फलावर स्कूल में वॉटर कूलर की स्थापना कार्य	1 नग	243000	500	4860	4 माह
16.	तुलापुर में शिव मन्दिर पर वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
17.	खानपुर टाह मास्तगिरी स्थान पर वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
18.	सिमरिया में दुर्गा मन्दिर के पास वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
19.	महेशपुर में दुर्गा मन्दिर के पास वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
20.	टोडरपुर पंचवीर के स्थान पर वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
21.	ग्राम टाह में बाजार के पास वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
22.	ग्राम चमराबोझी के दुर्गा मन्दिर पर वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
23.	नवदिया ओरीलाल में बाजार में वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
24.	ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर में कोरों बाबा स्थान के पास वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
25.	ग्राम मठोकर में वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह
26.	ग्राम पंचायत मोहनपुर में मेन चौराहे पर नन्हे वर्मा के मकान के पास वॉटर कूलर की स्थापना कार्य।	1 नग	243000	500	4860	4 माह

मेडिकल स्टोरों के बिल में मिलीं कमियां

संवाददाता तिलहर,

- तीन मेडिकल स्टोरों पर बिना बिल के बिक्री पर जताई नाराजगी

अमृत विचार : कस्बा में बुधवार को दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब ड्रग इंस्पेक्टर शालिनी मित्रा औचक निरीक्षण को तिलहर पहुंचीं। उनकी गाड़ी जैसे ही बाजार में रुकती नजर आई, मेडिकल स्टोर संचालकों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही मिनटों में दर्जनों दुकानदार अपनी दुकानों के शटर गिराकर मौके से गायब हो गए। इस कार्रवाई से बाजार में कुछ देर के लिए सन्नाटा पसर गया।

जानकारी के अनुसार, ड्रग इंस्पेक्टर शालिनी मित्रा करीब दोपहर 1 बजे नगर पहुंचीं। निरीक्षण की भनक लगते ही कई मेडिकल स्टोरों पर ताले लटक गए, जबकि कुछ संचालक दुकानों से निकलकर इधर-उधर भागते दिखाई दिए। कई दुकानदार दूर खड़े होकर स्थिति को भांपते रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फैजान मेडिकोज, समद मेडिकोज और सईद मेडिकोज का रिकॉर्ड, लाइसेंस और दवाइयों का स्टॉक चेक किया। जांच में पाया गया कि तीनों मेडिकल स्टोरों पर दवाइयों की बिक्री बिना बिल के की जा रही थी। इस पर ड्रग इंस्पेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने तीनों दुकानों से दवाओं के सैंपल लिए, जिन्हें जांच के लिए उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया है। साथ ही तीनों मेडिकल स्टोर संचालकों के खिलाफ नोटिस जारी किए जाने की तैयारी की जा रही है। अचानक हुई इस कार्रवाई की चर्चा पूरे दिन नगर में बनी रही।

मानवाधिकार दिवस पर रेडक्रॉस गोष्ठी आयोजित

शाहजहांपुर, अमृत विचार: मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर में स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के कार्यालय में नोबल पुरुस्कार एवं मानवाधिकार दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। रेडक्रास के संस्थापक जीन हेनरी डुनेट के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। वरिष्ठ एडवोकेट सत्यभान सिंह भदौरिया रेडक्रास के सचिव डा. विजय जौहरी पुष्पराज, इमरान, अनुज जौहरी, अग्रज जौहरी, अवनीश सक्सेना रहे।

(15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग के अन्तर्गत, अनटाइड फण्ड से स्वीकृत)

1.	ग्राम पंचायत चांदपुर में हरद्वारी लाल शुक्ला के खेत से कल्लू पाण्डेय के खेत तक खडंजा निर्माण कार्य।	485 मी.	990000	500	19800	4 माह
2.	ग्राम पंचायत महुआ पिमई में छेदालाल के खेत से रामकुमार के खेत तक खडंजा कार्य।	485 मी.	990000	500	19800	4 माह
3.	ग्राम पंचायत लड़ती के मठोकर में महेन्द्र के मकान के पीछे से नीबूलाल के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य।	187 मी.	990000	500	19980	4 माह
4.	ग्राम पंचायत टाह खुर्द कलां में खडंजा से गुरूमीत सिंह के फॉर्म पर इंटरलॉकिंग कार्य।	50 मी.	320000	500	6400	4 माह
5.	ग्राम पंचायत मुरादपुर चौराहे से हिटौटा तक खडंजा कार्य।	485 मी.	990000	500	19800	4 माह
6.	ग्राम पंचायत बिजौरा विजोरिया के महोलिया पक्के रोड से सुब्बा सिंह के खेत तक खडंजा कार्य।	485 मी.	990000	500	19800	4 माह
7.	ग्राम पंचायत सिहुरा के ग्राम रामपुर में यादव जी के खेत से अजीत सिंह के खेत तक खडंजा निर्माण कार्य।	485 मी.	990000	500	19800	4 माह
8.	ग्राम पंचायत टाह खुर्द कलां में लिंक रोड से अमरजीत सिंह के घर खडंजा कार्य।	485 मी.	990000	500	19800	4 माह
9.	ग्राम पंचायत मलिका से मधु सिंह के घर से जरनैल सिंह के घर से गुरूमती सिंह के घर तक खडंजा कार्य।	250 मी.	555000	500	11100	4 माह
10.	ग्राम पंचायत ढकना लहिया में कृष्णचरण के मकान से गुरू गोरखनाथ मन्दिर तक इंटरलॉकिंग कार्य।	187 मी.	999000	500	19980	4 माह
11.	ग्राम पंचायत बेला में बालाजी मन्दिर से अवधेश मिश्रा के मकान तक दोनों तरफ नाली व इण्टरलॉकिंग कार्य।	50 मी.	320000	500	6400	4 माह
12.	ग्राम पंचायत नवदिया मनकंठ में बाबू भग गोंडा से मन्दिर तक खडंजा मरम्मत कार्य।	300 मी.	590000	500	11800	4 माह
13.	ग्राम पंचायत टाह खुर्द कलां में अमरजीत सिंह के मकान तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	50 मी.	320000	500	6400	4 माह
14.	ग्राम पंचायत खमरिया गदियाना में गुरूजीत सिंह के मकान से मनप्रीत सिंह के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य।	187 मी.	999000	500	19980	4 माह
15.	ग्राम धनसिंहपुर में सम्पर्क मार्ग पर सुखदेव सिहं खडंजे में पवनदीप सिंह के मकान तक इंटरलॉकिंग कार्य।	50 मी.	320000	500	6400	4 माह
16.	ग्राम पंचायत प्रतापपुर में भंवरपाल के घर से रामऔतार यादव के घर से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	150 मी.	495000	500	9900	4 माह
17.	ग्राम पंचायत कुसुमा में मदनपाल के मकान से सूर्या अग्रवाल तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	80 मी.	500000	500	5000	4 माह
18.	ग्राम पंचायत रजमना में राधे मुखिया के खेत से विनोद मिश्रा के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	150 मी.	857000	500	17140	4 माह
19.	ग्राम पंचायत कोल्हूगाढ़ा में डामर रोड से महेश मिश्रा के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य।	100 मी.	62500	500	12420	4 माह
20.	ग्राम पंचायत कोल्हूगाढ़ा के ग्राम तुलापुर में मन्दिर से पीपल व यज्ञशाला के पास इंटरलॉकिंग कार्य।	30 मीटर	305000	500	6120	4 माह
21.	ग्राम पंचायत हरिहरपुर में पृथ्वीराज के घर से रामवीर के घर तक नाली निर्माण कार्य।	200 मीटर	55000	500	10200	4 माह
22.	ग्राम पंचायत मोहनपुर में राजेश वर्मा के घर से बच्चू लाल दीक्षित के तिराहे तक नाली व इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	100 मीटर	649000	500	12980	4 माह
23.	ग्राम पंचायत रामपुर कलां में सिद्ध बाबा स्थान का सौन्दर्यकरण कार्य।	1 नग	817000	500	16340	4 माह
24.	ग्राम पंचायत सिल्हुआ विद्यालय में मिड-डे-मिल टीन शेड का निर्माण कार्य।	1 नग	674000	500	13480	4 माह
25.	ग्राम पंचायत मोहनपुर विद्यालय में मिड-डे-मिल शेड का निर्माण कार्य।	1 नग	654000	500	13080	4 माह
26.	ग्राम पंचायत रूरा में सुरेन्द्र सिंह (मक्खन सिंह) के सामने से राज देवेन्द्र शर्मा (भोलू) के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	1 नग	173000	500	3460	4 माह
27.	विकास खण्ड परिसर में मन्दिर निर्माण कार्य।	50 मीटर	320000	500	6400	4 माह

नियम व शर्तें:- 1. प्रत्येक निविदा के साथ 2 प्रतिशत धरोहर राशि की बैंक ड्राफ्ट/एन.एस.सी./एफ.डी.आर. खण्ड विकास अधिकारी खुटार शाहजहांपुर के पक्ष में बंन्धक करवाकर निविदा के साथ संलग्न किया जाना एवं निविदा खोले जाने के पूर्व मूल प्रति कार्यालय में प्रस्तुतक किया जाना अनिवार्य है। 2. जमानत की धनराशि निविदा की 10 प्रतिशत होगी जो निविदा स्वीकृत के उपरान्त सम्बन्धित ठेकेदार को अवशेष 8 प्रतिशत जमानत धनराशि का बैंक ड्राफ्ट/एन.एस.सी./एफ.डी.आर. खण्ड विकास अधिकारी खुटार शाहजहांपुर के पक्ष में बन्धक करवाकर कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। जिसे कार्य पूर्ण होने के 06 माह बाद वापस कर दिया जायेगा। 3. पंजीकृत ठेकेदारों की ही निविदा मान्य होगी। 4. किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये अस्वीकृत/निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को होगा। 5. सशर्त निविदा/ओवर राईटिंग कटिंग निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। 6. एकल निविदा स्वत: निरस्त मानी जायेगी। 7. ठेकेदार को आयकर जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन, हैसियत प्रमाण पत्र, जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण पत्र, श्रम विभाग का प्रमाण पत्र, कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र इसक अतिरिक्त कार्य प्रारम्भ से पूर्व व पूर्ति के पश्चात् स्थल चित्र दिया जाना जोगा। 8. कार्य गुणवत्ता के स्तर पर 4 माह में पूर्ण कराया जाना होगा तथा गुणवत्ता के सत्यापन के उपरान्त कार्य संतोषजनक पाये जाने पर तथा धन की उपलब्धता के आधार पर ही ठेकेदार को भुगतान किया जायेगा। 9. प्रत्येक निविदा के साथ 100/- के स्टाम्प पेपर अनुबन्ध पत्र निष्पादित करना होगा। 10. निविदादाता को प्रत्येक कार्य के लिए धनराशि रू. 10/- का स्टाम्प पेपर निष्पादित करना होगा। 11. निविदा से सम्बन्धित कोई भी विवाद मा. जनपद न्यायालय जनपद शाहजहांपुर के क्षेत्राधिकार में ही मान्य होगा। 12. समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत आदेश/शर्त ठेकेदारों को मान्य होगी। 13. धनराशि उपलब्ध होने पर ही कार्य आदेश पारित किया जायेगा। 14. ब्लैक लिस्टेड तथा अन्य कारणों से बहिस्कृत ठेकेदारों की निविदा मान्य नहीं होगी। 15. निविदा खुलने की तिथि पर अवकाश होने पर निविदा अगले कार्यदिवस पर खोली जायेगी।

खण्ड विकास अधिकारी
खुटार, शाहजहांपुर

मा. अध्यक्ष (प्रमुख)
क्षेत्र पंचायत खुटार, शाहजहांपुर

दांव पर जिंदगी : बंद रेलवे फाटक से गुजर रहे लोग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

रोडवेज रेलवे के बंद फाटक से गुजरतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार: शाहजहांपुर-रोजा के बीच रोडवेज रेलवे फाटक संख्या 223 पर रेल लाइन मरम्मत कार्य जारी है। पटरी के आसपास पत्थर हटाकर किनारे डाल दिए गए हैं, जिसके चलते रेलवे फाटक को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। फाटक बंद होने के बावजूद लोग शार्टकट के लिए जान जोखिम में डालकर साइकिल और पैदल पटरी पार कर रहे हैं। कई बार साइकिल पटरी में फंसने पर लोग गिर भी जाते हैं। पहले भी इस फाटक पर हादसे हो चुके हैं, इसके बावजूद यहां आरपीएफ सिपाहियों की ड्यूटी नहीं रहती।

स्टेशन और रोडवेज बस अड्डे की नजदीकी के कारण लोग यहां से गुजरना सुविधाजनक समझते हैं, लेकिन फाटक बंद होने के बाद उन्हें टाउनहाल पुल होकर जाना पड़ रहा है। इसके बाद भी बड़ी संख्या में लोग साइड से पटरी पार कर रहे हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पीडब्लूआई के सेक्शन इंजीनियर एके सक्सेना ने बताया कि पटरी पर कार्य चल रहा है और जल्द पूरा होने पर फाटक खोल दिया जाएगा। फाटक के दोनों ओर सब्जी-फल के ठेले और फुटपाथ पर दुकानें लग जाती हैं। ई-रिक्शा भी फाटक के पास खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे रास्ता और संकरा हो जाता है। रेल प्रशासन द्वारा हटाए जाने के बाद भी दोबारा अतिक्रमण शुरू हो जाता है।

सर्वेश कश्यप भाजपा प्रांतीय सदस्य निर्वाचित

संवाददाता, मीरानपुर कटरा

अमृत विचार: भाजपा के प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने कटरा नगर के मोहल्ला कहरान निवासी सर्वेश कश्यप को प्रांतीय सदस्य निर्वाचित किया है।

भाजपा कार्यालय पर सर्वेश कश्यप को प्रांतीय सदस्य निर्वाचित होने पर विधायक डा. वीर विक्रम सिंह प्रिंस, भाजपा नेता उपेंद्र पाल, पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र प्रकाश गुप्ता, पूर्व ब्लॉक प्रमुख नरेंद्र कुमार गुप्ता, सगीर खां, आरिश खान, अनिल कुमार, पंकज गुप्ता ने बधाई दी।

सर्वेश कश्यप का स्वागत करते पदाधिकारी।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

खुली ई-निविदा सूचना संख्या: SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T23 Date - 08.12.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई-निविदा आमंत्रित करते है।

कार्य का नाम : इज्जतनगर डिवीजन के विभिन्न खंडो में आरजीएम साइडिंग की विद्युतीकरण से सम्बंधित कार्य। टेंडर रिफरेंश नं. SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T23, कार्य का अनुमानित लागत रूपया में: 1,29,66,609.27, अमानत राशि/बिड सिक्यूरिटी: 2,14,800.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया में : 00, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 01.01.2026, 11:00, कार्य पुरा करने की अवधि : 18 माह ● खुली ई-निविदा दिनांक 01.01.2026 को 11:00 बजे तक जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी/ मुजाधि/विद्युत -205 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11757/453सी53सी0(ई0टेण्डर)-3/25 दिनांक: 03.12.2025

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, बरेली के कार्य क्षेत्र अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों पर ऑन लाईन ई निविदा दिनांक 12.12.2025 से दिनांक 25.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 25.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन-लाईन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत (रू0 लाख)	कुल अनुमानित लागत (रू0 लाख	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद बरेली में फरीदपुर बीसलपुर मार्ग के किमी0 10 से ग्राम सिमरा केशवपुर में सी0बी0जी0 प्लाण्ट हेतु पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। (05 वर्षीय अनुरक्षण सहित)	निर्माण खण्ड-1, बरेली	278.58	2.98	281.56	16.08	09 माह	2725.00	ए (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(राजीव अग्रवाल)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0 बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

UP-242112 दिनांक 09.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11711/142सी0(ई0टेण्डर)-3/25 दिनांक: 02.12.2025

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई-निविदा दिनांक 12.12.2025 से दिनांक 25.12.2025 की अपरान्ह 12:30 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	लागत: 5 वर्ष अनुरक्षण की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	लागत: कुल अनुमानित लागत (4+5) (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	जनपद शाहजहॉपुर (नि0ख0-1) की विधानसभा जलालाबाद के अन्तर्गत मुरादाबाद फर्रूखाबाद मार्ग (राज्य मार्ग सं0-43) का दो लेन विद पेब्ड शोल्डर के साथ चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	निर्माण खण्ड-1 लो0नि0वि0 शाहजहॉपुर	10483.43	250.88	10734.31	107.35	2725.00	12 माह	ए (मार्ग कार्य हेतु)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

UP-242123 दिनांक 09.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी उत्तर खीरी वन प्रभाग उपनिदेशक बफर जोन दुधवा टाइगर रिजर्व लखीमपुर खीरी

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

उत्तर खीरी वन प्रभाग/बफर जोन, दुधवा टाइगर रिजर्व लखीमपुर खीरी में उ0प्र0 कैम्पा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में ई-निविदा प्रणाली अन्तर्गत उत्तर खीरी वन प्रभाग/बफर जोन की भीरा रेंज के अन्तर्गत टाइप-2 आवास निर्माण कार्य हेतु एजेंसी की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव :-

ई-निविदा की समय सारिणी

क्र0सं0	विवरण	दिनांक	समय
1	ई-निविदा के प्रकाशन की तिथि	12.12.2025	10.00
2	ऑनलाइन ई-निविदा प्रस्तुत करने की तिथि	12.12.2025	11.00
3	ऑनलाइन ई-निविदा जमा करने की समाप्ति तिथि	17.12.2025	14.00
4	ईएमडी और ई-निविदा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि (मूल में निम्नलिखित पते पर)	17.12.2025	14.00
5	तकनीकी ई-निविदा खोलने की तिथि	17.12.2025	15.00
6	पता	बिक्री, जमा करने और ई-निविदा खोलना निम्नलिखित पते पर होगा:- कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी उत्तर खीरी वन प्रभाग/बफर जोन, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर खीरी पिनकोड: 262701 Email: dcfkherinorth@gmail.com	

यदि किसी अति आवश्यक कारण से ई-निविदा खोलने की नियत तिथि को कार्यालय बंद/अवकाश घोषित किया जाता है, तो ई-निविदा अगले कार्य दिवस को उसी समय या किसी अन्य दिन/समय पर, जैसा कि विभाग द्वारा सूचित किया जाता है, ई-निविदा खोली जाएँगी।

1. ई-निविदा फॉर्म का निर्धारित मूल्य रुपये 1000/-होगा और जीएसटी का 18 प्रतिशत रु. 180/-मात्र कुल धनराशि रु. 1180/-देय होगा। (उपरोक्त पते पर निर्धारित समय-सीमा के अन्दर मूल में जमा करना अनिवार्य होगा)
2. प्रत्येक निविदादाता द्वारा ईएमडी (अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट) के रूप में 25,000/- (मु0 पच्चीस हजार रूपये मात्र) की राशि प्रभागीय वनाधिकारी उत्तर खीरी वन प्रभाग, लखीमपुर खीरी के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट/डिमाण्ड ड्राफ्ट/एफ0डी0आर0 के माध्यम से (उपरोक्त पते पर निर्धारित समय-सीमा के अन्दर मूल में जमा करना अनिवार्य होगा) जमा किया जाएगा।
3. ई-निविदाओं को आधिकारिक वेबसाइट पर निर्धारित समय के अन्दर अपलोड करना आवश्यक है।
4. ई-निविदा का विवरण एवं सम्पूर्ण मानक व शर्तें अपलोड किए गए नियम एवं शर्तों में अंकित है।
5. ई-निविदा समिति द्वारा खोली जाएंगी।
6. जिन निविदादाताओं की तकनीकी ई-निविदा मानकों पर आधारित होगी, उनकी ही वित्तीय ई-निविदा खोली जाएंगी।
7. प्रभागीय वनाधिकारी उत्तर खीरी वन प्रभाग, लखीमपुर खीरी को सभी ई-निविदाओं या किसी भी ई-निविदा को अस्वीकार करने और किसी भी ई-निविदा को स्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित होगा, जिसके लिए कोई कारण की आवश्यकता नहीं होगी। .
8. ई-निविदा के साथ संलग्न ई-निविदादाता/फर्म/कंपनी की कोई भी शर्त स्वीकार नहीं की जायेगी।

निविदा का विवरण 12.12.2025 से डाउनलोड/अपलोड किया जा सकता है और प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए, ई-निविदा दस्तावेज की लागत प्रभागीय वनाधिकारी उत्तर खीरी वन प्रभाग, बफर जोन के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/बैंक ड्राफ्ट के रूप में संलग्न की जानी चाहिए।

नोट: प्रभागीय वनाधिकारी उत्तर खीरी वन प्रभाग, बफर जोन कार्यालय/वन विभाग, उत्तर प्रदेश के नियंत्रण से अतिरिक्त निविदा प्राप्त करने में या किसी भी अधिनियम के लिए नुकसान/देरी के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। निविदा प्रपत्र के साथ निविदा दस्तावेज, शर्ते एवं तकनीकी विनिर्देश प्राप्त किये जायेंगे।

UP-242122 दिनांक 09.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

ह0/- प्रभागीय वनाधिकारी
उत्तर खीरी वन प्रभाग/बफर जोन,
दु0टा0रि0, लखीमपुर-खीरी।

कार्यालय ग्राम पंचायत भवानीपुर वि.खं. निगोही - शाहजहांपुर

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भवानीपुर वि.खं. निगोही शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 25-26 में मनरेगा से निम्न कार्य का निर्माण कराया जाना है। जिसे हेतु वंछित सामग्री की आवश्यकता है। अत: निम्नलिखित कार्य के सम्मुख अंकित सामग्री क्रय हेतु पंजीकृत फर्मो से दिनांक 11.12.2025 को अपरान्ह 2 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर निविदा आमंत्रित की जाती है। जो तद्दिनांक को अपरान्ह 3 बजे सम्बन्धित फर्म के प्रोपराइटर की उपस्थित में खोली जायेगी। निविदा फर्म किसी भी कार्यदिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। सबसे कम दर वाली निविदा को स्वीकृत किया जायेगा। कार्य का नाम:- ग्राम पंचायत भवानीपुर में कम्पोजिट विद्यालय में किचन शेड का निर्माण । सामग्री:- अव्वल ईट, सरिया, टीन, मौरंग, सीमेंट अन्य सामान)

अंजू देवी
ग्राम प्रधान

श्रवण कुमार शर्मा
ग्राम पंचायत अधिकारी

कार्यालय ग्राम पंचायत कोहनी, वि.खं. बिथरी चैनपुर जिला बरेली

निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कोहनी में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न निर्माण कार्य हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है, सामग्री विवरण निम्नवत् है:- ईट, बजरफुट, सरिया, सीमेन्ट, रेत व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	इस्लाम खां के घर से आइये खां के घर तक सी.सी. व नाल निर्माण सी.सी. व नाली निर्माण	174784/-

सीलबंद निविदायें दिनांक 15.12.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिनांक 15.12.2025 सायं 04:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

ग्राम प्रधान **सचिव**

कार्यालय ग्राम पंचायत मकरन्दपुर धाराजीत वि.खं. आलमपुर जाफराबाद जिला बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मकरन्दपुर धाराजीत में वर्ष 2025-2026 मनरेगा योजना के अंतर्गत कार्य कराए जाने हेतु कार्य सामग्री की आपूर्ति हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिनका आयकर/वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हो, से मोहर बंद निविदा दिनांक 11.12.2025 से 18.12.2025 को अपरान्ह 12:00 बजे तक डाक द्वारा अथवा ग्राम पंचायत मकरन्दपुर धाराजीत के पंचायत कार्यालय में निविदा पेटिका में आमंत्रित की जाती है , प्राप्त हुई निविदा पंचायत कार्यालय में 18.12.2025 अपरान्ह 2:00 बजे खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	माप	अनुमानित लागत
1.	मकरन्दपुर धाराजीत में अनिल के मकान से सीताराम के मकान तक सी.सी. व नाली निर्माण	80X3 मी.	325314

मानकली
ग्राम प्रधान

शशांक राय
सचिव

प्रेमवीर
रोजगार सेवक

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सम्पूर्णानगर, लखीमपुर-खीरी (उ0प्र0)

अल्प-कालीन निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में अल्प-कालीन निविदा दिनांक 16.12.2025 तक तक आमंत्रित की जाती है।

क्रम0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	Repair and Renovation of A.D. Block toilet	रू0 2000/-	रू0 118/-
2	Repair of apron and drain of molasses tank No-01,02,03	रू0 3000/-	रू0 118/-
3	Construction of G.M. office in factory campus	रू0 10000/-	रू0 236/-
4	Providing and laying of Vitrified wall & floor tiles in Guest house	रू0 10000/-	रू0 236/-
5	Repair work of damage floor in Mill house	रू0 1000/-	रू0 118/-

उक्त कार्यो की नियम व शर्ते निविदा प्रपत्र पर अंकित है निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में मिल में धरोहर धनराशि एवं निविदा प्रपत्र मूल्य जमा करने के उपरान्त मिल कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्व सुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विजय किशोर खेतान पुत्र श्री नत्थी लाल खेतान निवासी- 245 ए/3 मॉडल टाउन, बरेली द्वारा निर्माण स्थल-भूखण्ड संख्या- पी5-6 (क्षे.- 446.25 वर्गमी.) व पी5-7 (क्षे.-446.25 वर्गमी.) कुल क्षेत्रफल-892.50 वर्गमी. दीन दयाल पुरम बरेली पर कराये गये हॉस्पिटल (Upto 50 Bed) के प्रशमन हेतु आवेदन किया गया है। प्रश्नगत स्थल के सम्मुख 45 मीटर चौड़ा मार्ग विद्यमान है तथा स्थल का भू-उपयोग आवासीय है। उत्तर प्रदेश के विकास प्राधिकरणों हेतु मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा मॉडल जोनिंग रेगुलेशन्स 2025 के प्रस्तर-15.3.2 प्रमुख भू-उपयोग जोन्स में क्रियाओं की अनुमन्यता हेतु मैट्रिक्टस के क्रम संख्या- 5.7 के अन्तर्गत "हॉस्पिटल" (Upto 50 Bed) क्रिया आवासीय क्षेत्र में न्यूनतम 12 मीटर चौड़े मार्ग पर अनुमन्य है। आदर्श मॉडल जोनिंग रेगुलेशन्स-2025 के प्रस्तर-15.1.3 के बिन्दु संख्या- (IV) में उल्लेख है कि महायोजना भू-उपयोग अथवा अनुमोदित ले-आउट में परिभाषित भू-उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्ति/सुझाव आमंत्रित किये जाने का प्राविधान है। उक्त के सम्बन्ध में जन-सामान्य को कोई आपत्ति/सुझाव देने है, तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से एक माह के अन्दर अपने आपत्ति/सुझाव प्राधिकरण कार्यालय में वाद लिपिक श्री महेन्द्र पाल सिंह को प्राप्त करा सकते है। प्राप्त सुझावों/आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति/अस्वीकृति पर विचार किया जायेगा।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11798/141सी0(ई0टेण्डर)-3/25 दिनांक: 03.12.2025

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई-निविदा दिनांक 12.12.2025 से दिनांक 25.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.12.2025 को ही अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू0 लाख में)	लागत: कुल लागत (4+5) (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	बैकुण्ठापुर सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहांपुर	146.10	10.60	156.70	9.84	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,शाहजहांपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

UP-242119 दिनांक 09.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, शाहजहांपुर

पत्रांक: सी-1845/जिकाअ/स्था.-आ.बा./2025-26 दिनांक: 10 दिसम्बर 2025

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद शाहजहांपुर में पूर्व विज्ञाप्ति पदों में नगरीय/ग्रामीण परिक्षेत्रों में आगनबाड़ी कार्यकत्री के रिक्त रह गये पदों पर शासनादेश संख्या-1/1092246/2005/3013/58-1-2025(1917687)दिनांक 17 सितम्बर 2025 में वर्णित व्यवस्थानुसार मानदेय आधारित नियुक्ति हेतु सीधी भर्ती प्रक्रिया के तहत पात्र एवं इच्छुक महिला अभ्यर्थियों से विभागीय वेबसाईट http://upanganwadibharti.in पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। रिक्त पदों का परियोजनावार विवरण निम्नवत् है-

परियोजनावार आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रिक्त पदों का विवरण

क्र.	परियोजना का नाम	ग्रामीण/नगरीय क्षेत्र	आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की संख्या
1	2	3.	4.
1	शहर	नगरीय	10
2	मदनापुर	ग्रामीण	5
3	जैतीपुर	ग्रामीण	2
4	जलालालाबाद	ग्रामीण	2
5	पुवायां	ग्रामीण/नगरीय	5
6	कलान	ग्रामीण	2
7	खुटार	ग्रामीण	3

उपरोक्त रिक्त पदों का ग्रामसभा/वार्डवार/आरक्षणवार विवरण आंगनबाड़ी भर्ती पोर्टल विभागीय वेबसाइट (http://upanganwadibharti.in) पर उपलब्ध है। उक्त विज्ञप्ति जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय, विकास भवन, तहसील एवं विकास खण्ड इत्यादि कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा है।

विज्ञापित पदों की अर्हता एवं आवेदन पत्र भरने हेतु विशेष निर्देश:-

1. विज्ञापित पदों हेतु केवल महिला अभ्यर्थी ही पात्र होगें।
2. रिक्त पदों (आंगनबाड़ी कार्यकत्री) हेतु न्यूनतम शौक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट एवं उसके समकक्ष होगी। मेरिट का निर्धारण शासनादेशानुसार इण्टरमीडिएट से परास्नातक तक की योग्यता के आधार पर किया जायेगा।
3. निवास एवं जाति के सम्बन्ध में सम्बन्धित तहसील से निर्गत प्रमाण-पत्र ही मान्य होगें, जिनका सत्यापन ऑनलाइन किया जा सके।
4. आय प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश शासन के पत्र संख्या-3959/1-9-11-राज0-9 दिनांक 30.09.2011 के क्रम में सम्बन्धित तहसील के सक्षम स्तर से निर्गत आय प्रमाण-पत्र ही मान्य होगें, जिनका ऑनलाइन सत्यापन किया जा सके।
5. आवेदिका की आयु हेतु निर्धारित कट ऑफ तिथि 01.07.2025 को न्यूनतम 18 वर्ष तथा अधिकतम 35 वर्ष होनी चाहिए। आयु के सम्बन्ध में हाईस्कूल अंकपत्र/प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि ही मान्य होगा।
6. चयन में सम्बन्धित ग्राम सभा/वार्ड (नगरीय क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की सर्वप्रथम विधवा तत्प चात् तलाक ुदा/परित्यक्ता महिला को वरीयता दी जायेंगी।
7. विधवा हेतु सम्बन्धित ग्राम पंचायत अधिकारी/नगर निकाय द्वारा निर्गत मृत्यु प्रमाण-पत्र अथवा परिवार पंजिका की प्रमाणित नकल मान्य होगी तथा तलाकशुदा/परित्यक्ता के सम्बन्ध में माननीय सक्षम न्यायालय द्वारा निर्गत विधिक आदेश मान्य होगा।
8. गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की महिला अभ्यर्थी न मिलने पर उसी ग्राम सभा/वार्ड (नगरीय क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा से ऊपर की विधवा तत्पश्चात् तलाकशुदा/परित्यक्ता महिला को वरीयता दी जायेंगी।
9. **आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट** http://upanganwadibharti.in **पर उपलब्ध है, जिन पर ही आवेदिका द्वारा अपने विवरण सही-सही सावधानी पूर्वक भरे जायेंगे।**
10. **आवेदिका द्वारा अभिलेखों की स्वहस्ताक्षरित प्रति, जो स्वच्छ व सहज पठनीय हो, अपलोड की जायेंगी, जिनका उल्लेख उनके द्वारा ऑनलाइन आवेदन में भी किया जायेगा। कोई भी आवेदन या अभिलेख/प्रपत्र ऑफलाइन या डाक द्वारा मान्य नहीं होंगे।**
11. **आवेदन पत्र भरने में पूर्ण सावधानी बरती जाये, विभिन्न प्रमाण-पत्रों में अंकित संख्या, जन्मतिथि, शैक्षिक अंक तथा प्रतिशत अनिवार्य रुप से प्रमाण-पत्र में दर्ज विवरण से मिलान करते हुए अंकन किया जाये।**
12. यदि आवेदन करने में कोई त्रुटि होती है या कोई तथ्य/आंकड़े/ शैक्षिक अभिलेखों के प्राप्तांक/पूर्णांक गलत या कूटरचित पाये जायेंगे तो अभ्यर्थन निरस्त होने का समस्त उत्तरदायित्व अभ्यर्थी का होगा।
13. एक आंगनबाड़ी केन्द्र पर एक ही परिवार की दो महिलाओं की नियुक्ति आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सहायिका पद पर नहीं की जायेंगी।
14. आवेदककर्ता द्वारा आवदेन करते समय, उस केन्द्र का नाम आवेदन में अव य अंकित/चयनित करना अनिवार्य है, जिस केन्द्र हेतु वह आवेदन कर रही है।
15. **आवदेनकर्ता आवेदन को भली-भांति पढ़ने के उपरान्त ही Submit करें। आवेदन भरने में हुयी त्रुटि के फलस्वरुप आवेदन निरस्त कर दिये जाने हेतु अभ्यर्थी स्वंय उत्तरदायी होगा।**
16. विज्ञापित पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 31.12.2025 की मध्य रात्रि 12:00 बजे तक होगी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी
जनपद-शाहजहांपुर

अमृत विचार

गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

कलियुग में रहना है या सतयुग में, यह तो स्वयं चुनो,
तुम्हारा युग तुम्हारे पास है।
–विनोबा भावे, संत

जनापेक्षा की अभिव्यक्ति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कथन कि 'व्यवस्था को दुरुस्त करने की प्रक्रिया में जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए'- दरअसल आम नागरिक की अपेक्षाओं की सच्ची अभिव्यक्ति है। सुधारों की गति तेज तो हुई है, परंतु कई सुधारों ने नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ और असुविधा भी थोपी है। ऐसे में प्रधानमंत्री की यह स्वीकारोक्ति शासन की संवेदनशीलता और नागरिक-केंद्रित प्रशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का साफ संकेत है। सिस्टम में सुधार के नाम पर जनता को परेशान नहीं करना, एक व्यवहारिक दृष्टिकोण है, पर इसे लागू करना आसान नहीं है।

भारतीय प्रशासनिक ढांचा अभी भी जटिल प्रक्रियाओं, फाइल संस्कृति और 'अनावश्यक अनुपालन' से आबद्ध है। इस कथन को लागू करने के लिए सबसे पहले सरकारी मशीनरी की मानसिकता बदलनी होगी, जहां सुधार का अर्थ सिर्फ सख्ती नहीं, बल्कि दक्षता, पारदर्शिता और सहूलियत के रूप में समझा जाए। प्रधानमंत्री की चाहत है 'पेनलेस सर्जरी।' यानी विसंगतियों से राहत बिना दर्द के, पर वास्तविकता यह है कि प्रशासनिक सुधार अक्सर दो स्तरों पर दर्द पैदा करते हैं- एक, नागरिकों के लिए प्रक्रियागत बोझ, दूसरा सरकारी तंत्र के लिए पुरानी आदतें बदलने की चुनौती। यदि सरकार इन दोनों मोर्चों पर समन्वय बिठा सके, तभी यह 'दर्द रहित' शल्य चिकित्सा संभव होगी। कानून का उद्देश्य भय पैदा करना नहीं, नागरिकों को सुरक्षा देना है। यदि इसी भावना के साथ बिना राजनीतिक पक्षपात और बिना जन-दुःख के नियम कानून लागू हों, तो निश्चित ही यह टिप्पणी व्यवस्था को अधिक मानवीय बनाने की दिशा में संकेत देती है। प्रधानमंत्री ने बार-बार डेटा जमा करने की बाध्यता को खत्म करने की बात कही है। डिजिटल भारत के इस दौर में यह पूर्णतः संभव है, क्योंकि आधार, पैन, बैंक केवाईसी और विभिन्न सरकारी डेटाबेस पहले से ही नागरिकों की अधिकांश जानकारी को केंद्रीकृत रूप से उपलब्ध कराते हैं। फिर भी एसआईआर जैसे सरकारी उपक्रमों में बार-बार वही कागज़ात मांगे जाना बताता है कि डिजिटल ढांचा भले विकसित हो गया हो, पर सरकारी तंत्र की प्रक्रियाएं अभी डिजिटल सोच को आत्मसात नहीं कर पाई हैं। इस संस्कृति में सुधार के बिना इन घोषणाओं का असर सीमित रहेगा। सरकार द्वारा सेल्फ-सर्टिफिकेशन को स्वीकार करने के बावजूद कई विभाग अब भी कागजी सत्यापन और अनावश्यक औपचारिकताएं जारी रखे हैं। इससे साफ है कि जमीनी स्तर पर अनुपालन तंत्र अभी मानसिक रूप से इसके लिए तैयार नहीं।

ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस और ईज ऑफ लिविंग के क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण प्रगति जरूर हुई है। ऑनलाइन सेवाएं बढ़ीं, पासपोर्ट-ड्राइविंग लाइसेंस जैसी सेवाएं सरल हुईं, कई अनुमतियों को स्वचालित किया गया, लेकिन नागरिकों को आज भी टैक्स, नगर निकाय, राजस्व विभाग, पुलिस सत्यापन और कल्याण योजनाओं में अनावश्यक चक्कर लगाने पड़ते हैं। प्रधानमंत्री की यह घोषणा तभी सार्थक होगी जब सभी विभागों में 'वन-टाइम डेटा सबमिशन' प्रणाली लागू हो। कागजी फाइलों की जगह डिजिटल फार्म लें और कानून प्रवर्तन पारदर्शी तथा मानवीय हो।

प्रसंगवश

राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है वंदेमातरम

'वंदे मातरम' भारत की भारतीयता और राष्ट्रीय पहचान का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जो मातृभूमि के प्रति भक्ति, एकता, स्वतंत्रता संग्राम की भावना और सांस्कृतिक गौरव को दर्शाता है। यह एक ऐतिहासिक गीत है और यह हर भारतीय के दिल में राष्ट्र प्रेम का गहरा भाव जगाता है, जो भारत के स्वर्णिम भविष्य का आह्वान भी करता है। 'वंदे मातरम्' भारतीय संस्कृति और राष्ट्रवाद का सार है, जो मातृभूमि के प्रति असीम प्रेम, सांस्कृतिक गौरव और एकता की भावना को दर्शाता है, जिसे बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने रचा और यह स्वतंत्रता आंदोलन का एक शक्तिशाली मंत्र बन गया, जो हर भारतीय के हृदय में देशभक्ति का 'रस' भरता है। यह गीत भारत की भूमि, उसकी सुंदरता (सुजलां सुफलां) और शक्ति का वर्णन करता है, जिसे राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' के समान सम्मान प्राप्त है और यह भारत की आत्मा का प्रतीक है।

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

यह सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की पहली उद्घोषणा है, जिसने भारत को एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में परिभाषित किया। इसने स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित किया और आज भी 'विकसित भारत' के संकल्प में प्रेरणा देता है। यह मातृभूमि को शक्ति, दिव्यता और समृद्धि का प्रतीक मानता है, जिसमें चंदन सी शीतलता और सुस्वादु फल है। यह भारत की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है, जो हर भारतीय में गर्व और समर्पण का भाव जगाता है।

इस गीत ने प्रतिरोध की भावना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन दो शब्दों के उच्चारण मात्र से ही असंख्य भारतीयों के हृदय में हलचल मच गई, जिससे लाखों लोग राष्ट्र के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने और हज़ारों लोगों को अपने प्राणों की आहुति देने के लिए प्रेरित हुए। यद्यपि 'जन गण मन' राष्ट्रगान है, फिर भी 'वंदे मातरम' ने लोगों के हृदय में अधिक गहराई से जगह बनाई। 'वंदे मातरम' केवल मातृभूमि के प्रति अभिवादन का प्रतीक नहीं है, बल्कि राष्ट्र के प्रति त्याग, साहस और सर्वोच्च प्रेम की भावना का भी प्रतीक है। इसके अमूल्य योगदान को स्वीकार करते हुए, 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान के समान दर्जा दिया। अलगाववादियों ने इसे बंगाल का गीत बताया, जबकि बंकिमचंद्र ने खुद स्पष्ट किया था कि माता बंगाल नहीं, भारत है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1882 में आनंदमठ का दूसरा संस्करण प्रकाशित करते समय प्रस्तावना में लिखा, 'यह समस्त भारतवर्ष की माता के लिए लिखा गया है।' (स्रोतः आनंदमठ, 1882 संस्करण, पृष्ठ 4-5)

बंकिम ने 'सप्तकोटि' काव्य अलंकार के लिए लिखा, जैसे वेदों में सहस्रशीर्ष लिखा जाता है, न कि सटीक गिनती के लिए)। श्री अरविंद ने 1907 में लिखा था, 'बंकिम ने बंगाल को भारत का प्रतीक बनाया है। जिस तरह गीता में कृष्ण अर्जुन के माध्यम से समस्त मानवता को उपदेश देते हैं, उसी तरह बंकिम ने बंगाल के माध्यम से समस्त भारत को जागृत किया।' (वंदे मातरम् अखबार, 11 अप्रैल 1907)। रवींद्रनाथ ने 1917 में Nationalism पुस्तक में लिखा, 'बंकिम की माता बंगाल की नहीं, संपूर्ण भारत की माता हैं। वह हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक फैली हुई है।' नेताजी ने 1943 में सिंगापुर में आजाद हिंद सरकार बनाई और पूरे छह छंद वाले मूल 'वंदे मातरम' को ही राष्ट्रगान घोषित किया। वहां बंगाली, तमिल, पंजाबी, मराठी, मलयाली सब सैनिक एक साथ पूरे गीत को गाते थे।

पश्चिम बंगाल में नई सियासत की आहट!

शक्ति प्रकाश श्रीवास्तव
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल में बीते दो दिनों में हुए दो आयोजनों ने सियासी गलियारे में हलचल मचा दी है। पहला आयोजन छः दिसंबर को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के रूप में हुआ, जबकि दूसरा आयोजन अगले ही दिन ऐतिहासिक ब्रिगेड मैदान में रिकार्ड तोड़ जमावड़े के बीच सामूहिक गीता पाठ के रूप में हुआ। अब इन आयोजनों को लेकर सियासत होने की उठी चर्चा के भी अपने वाजिब कारण हैं।

मसलन पश्चिम बंगाल में अगले साल के मध्य में विधानसभा का चुनाव है। कुछ दशकों से वहां तृणमूल कांग्रेस की सरकार है। केंद्र में सत्तासीन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए की लगातार कोशिश है कि वहां की सत्ता उसे मिल जाए, लेकिन ऐसा पिछले चुनावों में संभव नहीं हो सका है। ऐसे में जब शांत चल रहे प्रदेश में अचानक इस तरह की दो बड़ी गतिविधियां हों, तो उसके पीछे सियासी समीकरण होने का शक लाजिमी है।

पहला आयोजन अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस की तिथि यानी छः दिसंबर को हुआ। इसका आयोजन तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित किए गए विधायक हुमायूं कबीर ने किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी के नाम से मस्जिद की नींव रखी। तिथि का भी चयन ऐसा किया, जिस दिन अयोध्या में गिराए गए विवादित ढांचे को 33 साल पूरे हुए थे। अयोध्या के उस विवादित ढांचे को मुस्लिम समुदाय बाबरी मस्जिद बताता रहा है, हालांकि इस मस्जिद निर्माण के पीछे कबीर की मंशा जो भी हो, लेकिन देश के मुस्लिम समाज ने इसे उचित नहीं माना है।

ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के जनरल सेक्रेटरी मौलाना यासूब अब्बास ने मस्जिद की नींव रखे जाने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा है कि बाबर के नाम पर मस्जिद बनाकर भारत में नए विवाद को जन्म दिया जा रहा है। बाबरी मस्जिद विवाद पर मौलाना ने कहा कि यह दुख की बात है कि बाबरी मस्जिद के नाम पर देश में नया बवाल खड़ा किया जा रहा है। चाहे पश्चिम बंगाल हो, उत्तर प्रदेश हो, बिहार हो, पंजाब हो या कश्मीर, किसी भी राज्य में बाबर के नाम पर मस्जिद बर्दाश्त नहीं है।

उनके मुताबिक मस्जिदों का नाम अल्लाह, पैगंबर या इमामों के नाम पर होना चाहिए न कि बाबर, अकबर या औरंगजेब के नाम पर। इस तरह मस्जिद का नामकरण करना गलत है। उन्होंने मांग उठाई कि हुमायूं कबीर के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि इस तरह देश को दोबारा फसाद की आग में झोंकना सही नहीं है।

इस आयोजन से इतर दूसरे ही दिन, बंगाल के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक भव्य सामूहिक गीता पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सनातन संस्कृति संसद नामक संस्था द्वारा इस ऐतिहासिक मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग पांच लाख लोगों ने सस्वर गीता पाठ किया। आम लोगों तक सनातन धर्म की मूल भावना और गीता के सार्वभौमिक संदेशों को पहुंचाने की नीयत से आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना हर तरफ हो रही है।

ऐसा नहीं है कि यह आयोजन पहली बार हुआ है। इसकी शुरुआत 2022 में ही हुई थी। तब पहली बार लगभग पांच हजार लोगों ने गीता पाठ किया था। अलबत्ता ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सामूहिक गीता पाठ कार्यक्रम का आयोजन 24 दिसंबर 2023 को पहली बार हुआ था। तब इस आयोजन में लगभग एक लाख लोग सहभागी रहे थे।

इस बार के कार्यक्रम में देश के कई चर्चित संतों ने भी हिस्सा लिया। इन संतों ने उपस्थित धर्मावलंबियों को संबोधित भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने देश को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए देशवासियों से अपील की।

उन्होंने कहा कि हिंदू अगर एक हो जाएं तो भारत को हिंदू राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने यह भी कहा कि ये देश बाबर का नहीं, रघुवर का है। हिंदुओं को एक होकर गांव-गांव में भगवा लहराना होगा। हम बहुत जल्दी कथा करने बंगाल आएंगे। अपनी विशिष्ट शैली में उन्होंने कहा कि अगली बार बंगाल में कथा के दौरान धर्म विरोधियों की ठठरी बांध देंगे। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत बांग्ला भाषा में की।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पद्मभूषण साध्वी ऋतंभरा और बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री मौजूद रहे। अतिविशिष्ट अतिथियों में बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार, बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी सहित बीजेपी के कई सांसद, विधायक आदि उपस्थित रहे।

बेशक इन दोनों ही आयोजनों से सीधे तौर पर किसी सियासी समीकरण का जुड़ाव होना प्रमाणित नहीं हो रहा है, लेकिन अचानक से तीन दशक बाद एक चर्चित मुद्दे से संबंधित आयोजन का होना और अगले ही दिन दूसरे धर्म विशेष से जुड़े कार्यक्रम का आयोजन सियासी कड़ियां जोड़ने को मजबूर करता है। संभव है कि वास्तव में ऐसा कुछ भी न हो, लेकिन स्थान-काल-पात्र ऐसा सोचने-समझने को बाध्य करता है, क्योंकि पहले आयोजन के कर्ता-धर्ता का सियासी जुड़ाव होना और दूसरे आयोजन में सियासी हस्तियों की मौजूदगी, इसका एहसास करा रही हैं।

> पश्चिम बंगाल में बीते दो दिनों में हुए दो आयोजनों ने हलचल मचा दी है। इन आयोजनों को लेकर सियासत होने की उठी चर्चा के भी अपने वाजिब कारण हैं।

आमने

देखिए, प्याज बागबानी का मामला है। फिर भी कृषि मंत्री होने के नाते मैं कह रहा हूं कि प्याज की सप्लाई अच्छी रही है, इसलिए वे फेंक रहे हैं। कांग्रेस शासन के दौरान प्याज नहीं था। किसानों को पानी नहीं मिलता था, इसलिए प्याज ज्यादा नहीं होता था।

–एदल सिंह कंषाना
कृषि मंत्री, मध्य प्रदेश

सामने

कंषाना का यह बयान किसानों के साथ धोखा है। यह किसानों का अपमान है। सरकार की गलत नीतियों के कारण उन्हें प्याज फेंकने पर मजबूर होना पड़ रहा है। सत्ताधारी भाजपा के नेताओं की कथित जिद और घमंड पार्टी को खत्म कर देगा और किसान सही समय पर उन्हें सबक सिखाएंगे। –जीतू पटवारी
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, मप्र

धर्मांतरण बाद आरक्षण लाभ संवैधानिक धोखा

डॉ. चंद्र गोपाल पांडेय
स्वतंत्र पत्रकार

हिंदू से ईसाई बनने पर आरक्षण प्रदत्त सुविधा से वंचित रहना पड़ सकता है। हिंदू समाज जाति आधारित विभेद से प्रभावित था। इस विभेद को समाप्त करने व आर्थिक-सामाजिक उन्नयन के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 बना। इधर देश में सक्रिय ईसाई मिशनरियों ने विभिन्न प्रलोभनों के साथ ही यह बताकर धर्मांतरण का खेल शुरू किया कि उनके मत/धर्म में जाति आधारित व्यवस्था न होने के कारण कोई जातिगत विभेद नही है। संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 ने भी स्पष्ट कर दिया है कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म से इतर धर्म के अनुयायी अनुसूचित जाति के सदस्य नहीं रहेंगे, फिर भी छुटपुट धर्मांतरण की आहट मिलती रहती है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कई निर्णयों में पहले ही कहा है कि ईसाई धर्म स्वीकार करने वाले अनुसूचित जाति के सदस्य कोई सुविधा नही ले सकते हैं। जितेंद्र साहनी मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हालिया फैसले ने इस विषय पर एक विधिक विमर्श की शुरुआत कर दी है, हालांकि यह कोई नया निर्णय नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय पिछले वर्ष ही इसे 'संविधान के साथ धोखाधड़ी' बता चुका है। संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश-1950 के प्रस्तर 3 में स्पष्टतया कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जो हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म से अलग धर्म मानता है, उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता।

सर्वोच्च न्यायालय ने सी सेल्वारानी बनाम स्पेशल सेक्रेट्री-कम-जिला कलेक्टर व अन्य (2024 एससीसी ऑनलाइन एससी 3470) 930 में अभिनिर्धारित कर चुका है कि ईसाई धर्म अपनाने पर कोई भी व्यक्ति अपनी मूल जाति का नहीं रहता है। इसी निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि सिर्फ लाभ लेने के उद्देश्य से धर्म बदलना संविधान के साथ धोखा है और आरक्षण नीति के सिद्धांतों के खिलाफ है।

सी सेल्वारानी (पूर्वोक्त) निर्णय के पैरा-15 का मूलपाठ इस तरह है '15-... भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद के धर्म का पालन करने और उसे मानने का अधिकार है। कोई व्यक्ति किसी अन्य धर्म में तभी धर्मांतरित होता है, जब वह उसके सिद्धांतों और आध्यात्मिक विचारों से वास्तव में प्रेरित होता है, यदि धर्मांतरण का उद्देश्य मुख्यतः आरक्षण का लाभ प्राप्त करना है, लेकिन दूसरे धर्म में कोई वास्तविक विश्वास नहीं है, तो इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि ऐसे गुप्त उद्देश्य वाले लोगों को आरक्षण का लाभ देना आरक्षण नीति के सामाजिक मूल्यों को ही नष्ट करेगा। इस मामले में, प्रस्तुत साक्ष्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म को मानती है और नियमित रूप से चर्च जाकर इस धर्म का सक्रिय रूप से पालन करती है। इसके बावजूद, वह हिंदू होने का दावा करती है और रोजगार के उद्देश्य से अनुसूचित जाति समुदाय का प्रमाण पत्र चाहती है। उसका ऐसा दोहरा दावा अस्वीकार्य है और वह बपतिस्मा के बाद भी स्वयं को हिंदू के रूप में पहचान जारी नहीं रख सकती। इसलिए, अपीलकर्ता को अनुसूचित जाति का सांप्रदायिक दर्जा प्रदान करना, जो धर्म से ईसाई है, लेकिन रोजगार में आरक्षण का लाभ उठाने के उद्देश्य से अभी भी हिंदू धर्म अपनाने का दावा करती है, आरक्षण के मूल उद्देश्य के खिलाफ होगा और संविधान के साथ धोखाधड़ी होगी।'

ऐसा नहीं है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार 26 नवंबर 2025 को पूर्वोक्त मामले में इस विषय पर अपना मत व्यक्त किया है। सर्वोच्च न्यायालय सुसाइ व अन्य बनाम यूनियन ऑफ़ इंडिया व अन्य (एआईआर 1986 एससी 733) और केपी मनु बनाम चेयरमैन स्क्रूटिनी कमेटी (2015) 4 एससीसी-1 मामले में भी अभिनिर्धारित कर चुका है कि अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिए संविधान में प्रदत्त सुविधाओं का लाभ इस जाति के वह सदस्य नहीं ले सकते, जिन्होंने धर्मांतरण कर हिंदू धर्म से ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया है।

प्रश्नगत निर्णय में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरी ने सर्वोच्च न्यायालय के सी सेल्वारानी व अन्य निर्णयों (पूर्वोक्त) का आधार लिया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के संपूर्ण प्रशासनिक मशीनरी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य में ईसाई बने लोग अनुसूचित जातियों का लाभ लेना जारी न रखें। धर्मांतरण के बाद अनुसूचित जाति का स्टेटस बनाए रखना 'संविधान के साथ धोखाधड़ी' है। उच्च न्यायालय ने राज्य के सभी जिला मजिस्ट्रेट को विधिसम्मत तरीके से ऐसे मामलों की पहचान करने और उन्हें रोकने के लिए चार माह की कड़ी समय सीमा (डेडलाइन) तय की है।

उच्च न्यायालय ने मंत्रिमंडल सचिव (कैबिनेट सेक्रेटरी) भारत सरकार, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/अपर प्रमुख सचिव अल्पसंख्यक कल्याण और अपर मुख्य सचिव समाज कल्याण उत्तर प्रदेश को भी निर्देशित किया है कि इस निर्णय के आलोक में विधिसम्मत कार्यवाही सुनिश्चित करें, जिससे कानून का पालन हो सके। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति गिरी ने निर्णय में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के अक्काला रामी रेड्डी बनाम आंध्र प्रदेश राज्य (2025 एससीसी ऑनलाइन एपी 1685) मामले में दिए गए निर्णय का भी उल्लेख किया है।

> संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 ने भी स्पष्ट कर दिया है कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म से इतर धर्म के अनुयायी अनुसूचित जाति के सदस्य नहीं रहेंगे।

सोशल फोरम

महिलाओं की जिंदगी को मेरी ने कराया आसान

लक्ष्य
संगीतकार

मेरी (May) मैगी, डबलिन की वह महिला जिसने 1973 में सुप्रीम कोर्ट में ऐतिहासिक केस जीतकर शादीशुदा दंपतियों को गर्भनिरोधक (contraceptives) इस्तेमाल करने का अधिकार दिलाया था, उनका 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। इस दंपत्ति का केस आयरलैंड में चर्च और सरकार के अलग-अलग होने की दिशा में एक बड़ा मोड़ माना जाता है।

मेरी मैगी की गर्भावस्था के दौरान उनकी सेहत बहुत खराब रहती थी। उनके डॉक्टर ने उन्हें डायफ्राम (एक तरह का गर्भनिरोधक) इस्तेमाल करने की सलाह दी। इसके लिए इंग्लैंड से एक खास किस्म की जेल मंगानी पड़ती थी, लेकिन 1935 के कानून के कारण, जो गर्भनिरोधक पर प्रतिबंध लगाता था, कस्टम अधिकारियों ने वह सामान जब्त कर लिया। अगर वे दोबारा विदेश से ऐसा सामान मंगाते, तो उन पर जुर्माना या जेल हो सकती थी।

1972 में, डॉक्टर लॉग्रन और अपने वकील की मदद से, मैगी दंपति ने इस कानून के खिलाफ हाईकोर्ट में केस दायर किया, लेकिन वहां केस हार गए, लेकिन 1973 में सुप्रीम कोर्ट में अपील के दौरान पांच में से चार जजों ने उनके पक्ष में फैसला दिया। कोर्ट ने कहा कि गर्भनिरोधक का इस्तेमाल करना शादीशुदा दंपतियों का निजी निर्णय है, जिसमें सरकार दखल नहीं दे सकती।

कैथोलिक चर्च के मजबूत प्रभाव के कारण, इस फैसले के बाद भी गर्भनिरोधक को पूरी तरह वैध बनने में समय लगा। छह साल बाद, married couples के लिए डॉक्टर की पर्ची पर गर्भनिरोधक उपलब्ध हुए और 1985 में 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को बिना पर्ची के इन्हें खरीदने की अनुमति मिल गई।

सामयिकी

पॉक्सो के बढ़ते लंबित मामले व पीड़ितों का दर्द

नाबालिगों के खिलाफ अपराधों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और उससे भी बड़ी चिंता का विषय यह है कि इन मामलों का निपटारा वर्षों तक अधर में लटका रहता है। पॉक्सो यानी लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम का उद्देश्य बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, लेकिन वर्तमान स्थिति इसके ठीक विपरीत तस्वीर पेश करती है। आंकड़े बताते हैं कि देश में पॉक्सो के 35 हजार से अधिक मामले वर्षों से लंबित चल रहे हैं और न्याय की प्रक्रिया पीड़ितों व उनके परिवारों के लिए एक असहनीय इंतजार बन गई है।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

2023 तक लंबित मामलों का जो विवरण सामने आया है, वह किसी भी समाज और शासन के लिए चिंता का गंभीर संकेत है। उत्तर प्रदेश में 10,556 मामले लंबित हैं, जो देश में सबसे अधिक हैं। महाराष्ट्र 7,962 लंबित मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। तमिलनाडु में 1,910, मध्य प्रदेश में 1,736, छत्तीसगढ़ में 375 और राजस्थान में 224 मामले अभी भी न्याय की प्रतीक्षा में हैं। बिहार मंल 1,079, झारखंड में 415, पंजाब में 152, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश दोनों में 101, चंडीगढ़ में 16 और उत्तराखंड में 374 मामलों की लंबितता भी यही सिद्ध करती है कि न्यायिक प्रक्रिया के बोझ ने पीड़ितों के लिए न्याय की राह लंबी और कठिन बना दी है। यह स्थिति बताती है कि देश में पॉक्सो कानून का उद्देश्य जितनी तेजी से पूरा होना चाहिए था, उससे बहुत दूर है।

केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन लाल मेघवाल ने बताया है कि देश में कुल 773 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट कार्यरत हैं, जिनमें से 400 कोर्ट विशेष रूप से पॉक्सो मामलों के लिए बनाए गए हैं। इन अदालतों ने अब तक 3.5 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया है, जो निश्चित रूप से एक उपलब्धि है, लेकिन उसके बावजूद हजारों मामले अभी भी अधूरे पड़े हैं। यह दर्शाता है कि केवल अदालतों की संख्या बढ़ा देना समाधान नहीं है। न्याय प्रक्रिया में पुलिस, अभियोजन, मेडिकल रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच, गवाही और साक्ष्य संकलन जैसे कई चरण होते हैं, और इनमें होने वाली देरी पॉक्सो मामलों की लंबितता को बढ़ाती रहती है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार देश में हर तीन मिनट में एक बच्चा अपराध का शिकार बनता है और हर आठ मिनट में एक पॉक्सो का मामला दर्ज होता है। इन आंकड़ों में बीते दो वर्षों के भीतर ही तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है, जो सामाजिक व प्रशासनिक दोनों स्तरों पर चेतावनी का इशारा है। 2021 से 2025 के बीच कुल 1,31,692 पॉक्सो मामले दर्ज किए गए। वहीं सबसे कम मामले मिजोरम, नागालैंड, लद्दाख और अंडमान निकोबार जैसे क्षेत्रों में सामने आए हैं।

एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि कई मामलों में अपराध की प्रकृति इतनी संवेदनशील होती है कि बच्चे मानसिक रूप से टूट जाते हैं। लंबित मामलों का सबसे बड़ा कारण पुलिस जांच की धीमी गति, मेडिकल व फोरेंसिक रिपोर्ट में देर, गवाहों का न मिल पाना, पीड़ित परिवारों का दबाव में आ जाना और अदालतों में पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। ग्रामीण इलाकों में यह समस्या और अधिक गंभीर होती है, जहां पीड़ितों को न्याय पाने के लिए सामाजिक प्रताड़ना भी सहनी पड़ती है। यह चुनौती केवल कानून और अदालतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक समस्या भी बन चुकी है। भारत जैसा देश, जहां माता पिता अपने बच्चों को संस्कारों और नैतिकता की शिक्षा देने पर जोर देते हैं, वहां बच्चों के साथ यौन अपराधों की बढ़ती घटनाएं एक गहरी सामाजिक विडंबना को दर्शाती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हिन्दी हमारी मातृभाषा ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और सांस्कृतिक पहचान का दर्पण है। यह भाषा हमें अपनी जड़ों से जोड़ती है, अभिव्यक्ति को सशक्त बनाती है और सोच में गहराई लाती है। समय के साथ हिन्दी का दायरा लगातार बढ़ा है। आज यह सिर्फ साहित्य या बोलचाल की भाषा नहीं रही, बल्कि आधुनिक करियर की दुनिया में एक महत्वपूर्ण साधन बन चुकी है। यदि आपने हिन्दी साहित्य का अध्ययन किया है या हिन्दी भाषा के प्रति गहरा लगाव रखते हैं, तो आपके लिए रोजगार के ऐसे अनेक अवसर मौजूद हैं, जो आपको एक बेहतरीन और स्थिर भविष्य दे सकते हैं। आइए जानें वे प्रमुख करियर विकल्प, जिनमें आपकी मजबूत हिन्दी आपकी पहचान बना सकती है।

-फीचर डेस्क

पत्रकारिता: बढ़ते अवसर

आज हिन्दी न केवल भारत की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इसका प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। टीवी न्यूज चैनल, प्रिंट मीडिया, रेडियो और डिजिटल पोर्टल्स में हिन्दी पत्रकारों की भारी मांग है। यदि आपको खबरों की समझ है, भाषा पर पकड़ मजबूत है और आप अभिव्यक्ति में निपुण हैं, तो आप रिपोर्टर, एंकर, न्यूज एडिटर या डिजिटल कंटेंट क्रिएटर के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं। फ्रीलांस पत्रकारिता भी आज अच्छा विकल्प बन चुका है, जहां आप अपनी सुविधानुसार काम करते हुए अच्छा आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

अनुवाद : भाषा का सेतु

ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में हर संस्था चाहे वह सरकारी हो या निजी, विभिन्न भाषाओं में सामग्री उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है। ऐसे में हिन्दी अनुवादकों की भूमिकाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। अनुवादक अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन या अन्य भाषाओं की सामग्री को हिन्दी में बदलते हैं और यह कार्य घर बैठे भी किया जा सकता है। कई कंपनियां पार्ट-टाइम या फ्रीलांस अनुवादकों को प्राथमिकता देती हैं, जिससे यह क्षेत्र नए प्रतिभाशाली युवाओं के लिए बेहद अनुकूल बन चुका है।

इंटरप्रिटेशन: मौखिक अनुवाद का करियर

इंटरप्रेटर का कार्य ट्रांसलेटर से अलग होता है। जहां ट्रांसलेटर लिखित सामग्री का अनुवाद करता है, वहीं इंटरप्रेटर बोले गए शब्दों का तत्काल अनुवाद करता है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, विदेशी मेहमानों की बैठकों, विश्वविद्यालयों और दूतावासों में इंटरप्रेटर्स की मांग हमेशा बनी रहती है। यदि आपकी हिन्दी और दूसरी भाषा पर अच्छी पकड़ है, तो यह क्षेत्र आपको वैश्विक स्तर पर काम करने के अवसर दे सकता है।

करियर के नए आयाम

सरकारी नौकरियां: सुरक्षित करियर की राह

हिन्दी साहित्य की डिग्री प्राप्त करने के बाद आप केंद्र और राज्य सरकार की अनेक नौकरियों के लिए पात्र बन जाते हैं। यूपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग और पीएसयू जैसी परीक्षाओं में हिन्दी विषय से जुड़े उम्मीदवारों के लिए अलग से पद और अवसर मौजूद रहते हैं। हिन्दी अधिकारी, राजभाषा अधिकारी, अनुवादक और कंटेंट विशेषज्ञ जैसे पद इस क्षेत्र में प्रमुख हैं।

भाषण लेखन: प्रभावशाली शब्दों की कला

राजनीतिक नेताओं, उद्योग विशेषज्ञों और कई संस्थानों को ऐसे लेखकों की आवश्यकता होती है, जो प्रभावशाली और असरदार भाषण तैयार कर सकें। यदि आपकी लेखन शैली प्रभावशाली है और आप संवेदनशील मुद्दों को सरल भाषा में व्यक्त कर सकते हैं, तो भाषण लेखन आपके लिए एक उत्कृष्ट करियर विकल्प बन सकता है।

अध्यापन: ज्ञान का सबसे सम्मानित मार्ग

हिन्दी साहित्य के छात्रों के लिए शिक्षण हमेशा एक सम्मानित और स्थिर विकल्प रहा है। आप स्कूल, कॉलेज या विश्वविद्यालय में अध्यापक बनकर नई पीढ़ी को भाषा का ज्ञान दे सकते हैं। इसके साथ ही विदेशी विश्वविद्यालयों में भी हिन्दी पढ़ाने के अवसर उपलब्ध हैं, जो इस क्षेत्र को वैश्विक बनाते हैं।

वॉयस असिस्टेंट और बीपीओ: नई टेक्नोलॉजी के अवसर

वॉयस टेक्नोलॉजी के विस्तार के साथ हिन्दी वॉयस असिस्टेंट्स, कॉल सेंटर और कस्टमर सर्विस में हिन्दी बोलने वाले युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। यहां केवल स्पष्ट उच्चारण और संवाद कौशल की आवश्यकता होती है, जिससे यह अवसर शुरुआती करियर वालों के लिए भी उपयुक्त बन जाता है।

कंटेंट राइटिंग और एडिटिंग: डिजिटल दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार ने हिन्दी कंटेंट की मांग को शीर्ष पर पहुंचाया है। वेबसाइट्स, ब्लॉग्स, न्यूज पोर्टल्स, विज्ञापन एजेंसियां और पब्लिकेशन हाउस लगातार ऐसे कंटेंट राइटर्स और एडिटर्स की तलाश में रहते हैं, जो प्रभावशाली और शुद्ध हिन्दी लिख सकें। यह क्षेत्र उन लोगों के लिए बेहद उपयुक्त है, जिन्हें लेखन में आनंद आता है और जो भाषा के प्रति संवेदनशील हैं।

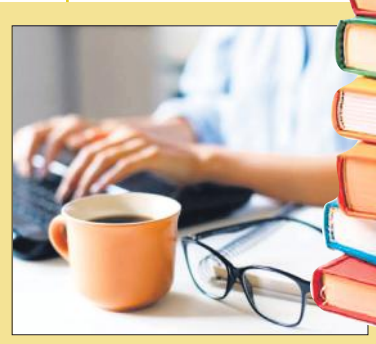

स्क्रीन राइटिंग: रचनात्मकता का मंच

फिल्मों, टीवी धारावाहिकों और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की बढ़ती लोकप्रियता ने हिन्दी स्क्रीन राइटर्स की मांग को कई गुना बढ़ा दिया है। यदि आपके पास कहानी कहने का हुनर है, संवाद लिखने में निपुण हैं या गीत लेखन की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए सुनहरा अवसर है। हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि वाले युवाओं को इस क्षेत्र में विशेष लाभ मिलता है, क्योंकि उनकी भाषा स्वाभाविक और प्रभावी होती है।

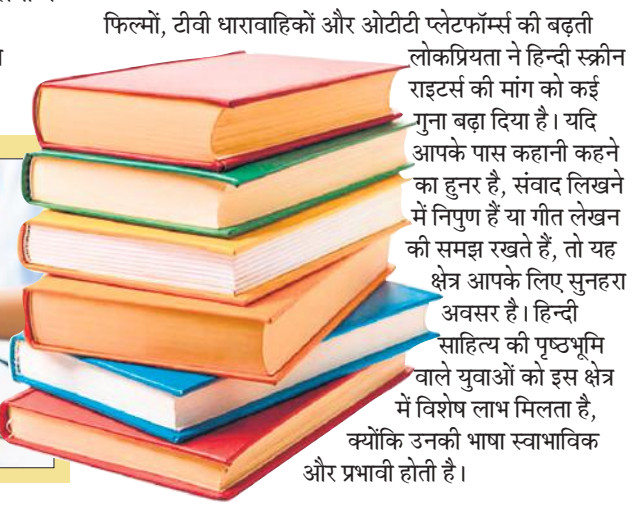

जॉब अलर्ट

कर्मचारी चयन आयोग (SSC)

- पद का नाम : कांस्टेबल (GD) और राइफलमैन (GD)
- पदों की संख्या : 25487
- योग्यता : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिकुलेशन या 10 वीं कक्षा पास
- आयु सीमा : 18 से 23 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 31/12/2025
- वेबसाइट https://ssc.gov.in

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (IIBF)

- पद का नाम : जूनियर एग्जीक्यूटिव
- पदों की संख्या : 10 पद
- योग्यता : संबंधित विषय में न्यूनतम 60% अंकों के साथ ग्रेजुएट और पद के अनुसार अतिरिक्त योग्यताएं।
- आयु सीमा : 28 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 13/12/2025
- वेबसाइट : www.iibf.org.in

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

- पद का नाम : ट्रेड/टेक्नीशियन/ग्रेजुएट अप्रेंटिस
- पदों की संख्या : 509
- योग्यता : ITI/डिप्लोमा/ग्रेजुएट/कक्षा 12वीं (विषय के अनुसार)
- आयु सीमा : 18 से 24 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 09/01/2026
- वेबसाइट : www.iocl.com/apprenticeships

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम : प्रोजेक्ट इंजीनियर और टेक्निकल ऑफिसर
पदों की संख्या :23
योग्यता : B.E./B.Tech CSE/IT/ECE/EEE/E&I/इंस्ट्रूमेंटेशन/इलेक्ट्रॉनिक्स में, डिप्लोमा
आयु सीमा : 33 वर्ष तक
वॉक-इन इंटरव्यू की तारीख : 16/12/2025
वेबसाइट : www.ecil.co.in

कैंपस में पहला दिन

जब दादाजी पहले दिन कॉलेज छोड़ने गए

कॉलेज का पहला दिन यह सोचकर ही मन में कुछ सिरहन सी होने लगी कि अब बचपन के पायदान से निकलकर युवा अवस्था की श्रेणी में पहुंच रहे हैं, कुछ उत्साह, कुछ घबराहट और एक नई शुरुआत की उमंग भी। यह सोच-सोचकर मन में खुशी थी कि अब स्कूल के अनुशासित जीवन से मुक्ति मिलेगी, अब कोई स्कूल ड्रेस नहीं होगी और न ही समय की पाबंदी वाला वो स्कूल का घंटा। अब मैं स्वतंत्र होंगी। अपने नए माहौल में नए रंग-ढंग से रहूंगी, फैशनेबल कपड़े पहन सकूंगी, अब कोई रोक-टोक नहीं होगी। कॉलेज में कैंटीन होगी, वहां दोस्तों के साथ बैठकर स्नेक्स खाऊंगी, गप्पे लगाऊंगी। मन होगा तो पढ़ेंगे, नहीं होगा तो क्लास बंक। अब कोई बंधन न होगा और इस तरह से मेरा मन तरह-तरह के सपने बुनने लगा। मैं कॉलेज के स्वच्छंद वातावरण में तितली की भांति उड़ने के लिए बेहद ही उत्साहित थी।

कॉलेज जाने का पहला दिन आ गया था। मैं सुबह से ही तैयारी में लग गई और अति उत्साह में जल्दी ही तैयार हो गई थी। मैं कॉलेज के लिए चलने लगी। मेरे मम्मी, पापा, भाई सब मुझे शुभकामनाएं देने लगे। मैं जाने के लिए अपनी स्कूटी निकल रही थी कि तभी दादाजी की आवाज आई, ' रुको बेटा !, मैं तुम्हें छोड़ने चलता हूं।' यह सुनकर मैं स्तंभित रह गई और संकोच में आ गई कि यह दादाजी क्या कह रहे हैं? वह मुझे अभी भी बच्ची ही समझ रहे थे, लेकिन वह मुझे छोड़ने जाने के लिए बेताब थे। मैं उनकी आज्ञा का उल्लंघन न कर सकी और अपनी भावनाओं को मन में दबाए हुए, चुपचाप उनके स्कूटर के पीछे बैठ गई। मेरे सपनों की उड़ान पर ब्रेक सा लग गया। मैं अपने आपको बड़ा ही परतंत्र सा महसूस कर रही थी। मुझे बड़ी सकुचाहत हो रही थी कि मेरे सहपाठी मेरे बारे में क्या सोचेंगे? वे मेरे ऊपर हसेंगे और मेरी खिल्ली उड़ाएंगे की यह तो अभी भी स्कूल की बच्ची ही है, जो अपने दादाजी के साथ आई है। इसी उधेड़बुन को सोचते-सोचते कॉलेज आ गया। मैं दादा जी को कॉलेज के गेट से ही विदा करना चाहती थी, पर वह मुझे क्लास तक ही छोड़ने चल पड़े। अब तो मेरा आत्मविश्वास बहुत ही डूब रहा था और मुझे लज्जा आ रही थी कि मेरे दोस्त मेरे बारे में क्या टिप्पणी करेंगे? तभी मैं क्लासरूम पहुंची, वहां बाहर खड़े सहपाठियों ने मुझे हेलो बोला और तपाक से पूछा, ' यह कौन हैं?' मैंने कुछ दबे हुए शब्दों और संकोच के साथ कहा, ' यह मेरे दादाजी हैं।'वे बोले, 'वाओ ! तेरे दादाजी तुझे छोड़ने आए हैं, तू तो बहुत लकी है कि तेरे दादाजी तुझे इतना प्यार करते हैं और तेरा इतना ख्याल रखते हैं।' यह सुनकर मैं आश्चर्यचकित रह गई और मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया। दादाजी के प्रति मेरे मन में श्रद्धा और स्नेह और भी बढ़ गया। मुझे अपने घरवालों के प्यार की कद्र महसूस हुई और मुझे अपनी स्थिति भी मजबूत नजर आई। फिर मैं पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने सभी सहपाठियों, सभी प्रोफेसरों से मिली और पूरे कॉलेज में मस्ती से घूमी। इस प्रकार मेरा कॉलेज का पहला दिन खुशी, आनंद और आत्मविश्वास के साथ बीता।

-श्रुति सुकुमार, बरेली

नोटिस बोर्ड

- कुमाऊं विश्वविद्यालय (नैनीताल) में पर्यावरण विज्ञान की परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी परिसर, महाविद्यालय और संस्थानों के वे विद्यार्थी, जिन्होंने स्नातक अंतिम वर्ष या अंतिम सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा तो उत्तीर्ण कर ली है, लेकिन पर्यावरण विज्ञान की परीक्षा अभी तक पास नहीं कर पाए हैं, वे इस विशेष परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.kunainital.ac.in के माध्यम से 15 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं।

- पीलीभीत में 12 दिसंबर को मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा। यह जॉब फेयर राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से जेपी होटल एवं वेडिंग स्क्वायर में लगेगा, जिसमें 15 कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। जॉब फेयर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। जॉब फेयर में जॉब के लिए इंटरमीडिएट, ओ लेवल, ए लेवल, डिप्लोमा, आईटीआई, स्नातक व स्नातकोत्तर शैक्षिक योग्यता निर्धारित की गई है।
- अमेठी में महिलाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर उपलब्ध होने वाला है। जिला सेवायोजन कार्यालय अमेठी और राजकीय महिला पॉलिटेक्निक अमेठी के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 17 दिसंबर को एक दिवसीय नि:शुल्क पिंक रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में लगभग देश की 10 प्रतिष्ठित प्राइवेट कंपनियां भाग लेंगी। ये कंपनियां 12 वीं, स्नातक, आईटीआई और विभिन्न तकनीकी योग्यताओं रखने वाली महिलाओं को अवसर प्रदान करेंगी। मेला सुबह 10:30 बजे से राजकीय महिला पॉलिटेक्निक परिसर में शुरू होगा। इच्छुक महिला अभ्यर्थी rojgaarsangam.up.gov.in पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराकर, योग्यता के अनुसार उपलब्ध कंपनियों में ऑनलाइन आवेदन भी कर सकेंगी।

हौसला हो तो छू लो आसमान

तामकीन फातिमा के हौसलों की उड़ान एक जीवंत प्रमाण है कि सपने, मेहनत और शिक्षा की ताकत से कोई भी ऊंचाई हासिल की जा सकती है। उनकी यात्रा, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एसमयू) की कक्षाओं से शुरू होकर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशालाओं तक पहुंचना, युवाओं को कई महत्वपूर्ण संदेश देती है।

तामकीन की सफलता साबित करती है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे पुरुष प्रधान क्षेत्रों में महिलाएं न केवल प्रवेश कर सकती हैं, बल्कि शीर्ष पर विराजमान हो सकती हैं। यूजीसी-नेट (जेआरएफ) में ऑल इंडिया रैंक 2, इसरो इंटर्नशिप और डीआरडीओ में वैज्ञानिक 'बी' के पद पर चयन, ये सब उनकी प्रतिभा का प्रमाण हैं। यह 'आत्मनिर्भर भारत' के दौर में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करता है, जहां वे राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी नवाचार में योगदान दे रही हैं।

तामकीन फातिमा एक उभरती हुई भारतीय वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने हाल ही में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में वैज्ञानिक 'बी' के पद पर चयनित होकर देशभर में प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। वे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की पूर्व छात्रा हैं और उनकी यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि एसमयू की शिक्षा प्रणाली और महिलाओं की विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ती भूमिका का प्रतीक भी है।

रूफिया खान
शिक्षिका

प्रेरणा और प्रभाव

तामकीन की यात्रा युवाओं, खासकर महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है। एएमयू के फैकल्टी सदस्यों ने उनकी सफलता पर गर्व व्यक्त किया, "यह न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि संस्थागत गौरव भी है, जो एएमयू की उस विरासत को दर्शाता है, जो तकनीकी विशेषज्ञ और विद्वानों को जन्म देती है, जो भारत के विकास और रक्षा में योगदान देते हैं।" उनकी कहानी यह संदेश देती है कि शिक्षा, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रसेवा की भावना से देश के सबसे प्रतिष्ठित अवसरों के द्वार खुल सकते हैं। वे 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन के तहत भारत की तकनीकी संप्रभुता और रणनीतिक शक्ति में योगदान देने वाली महिलाओं की बढ़ती संख्या का प्रतीक हैं।

भविष्य की योजनाएं

डीआरडीओ में शामिल होकर तामकीन ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया है। वे भारत की रक्षा अनुसंधान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए उत्सुक हैं, जो उन्हें देश की वैज्ञानिक शक्ति का केंद्र बनाता है। उनकी यात्रा एएमयू के कक्षाओं से डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं तक पहुंची है और यह केवल शुरुआत मानी जा रही है। तामकीन फातिमा की कहानी साबित करती है कि मेहनत और शिक्षा से कोई सपना असंभव नहीं। तामकीन की उड़ान उन लाखों युवाओं के लिए मिसाल है, जो सोचते हैं कि 'मेरा बैकग्राउंड' या 'मेरा जेंडर' बाधा बनेगा। वह कहती हैं, "हौसला हो तो आसमान छू लो।"

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,391.27	25,758
गिरावट	275.01	81.65
प्रतिशत में	0.32	0.32

सोना 1,32,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,92,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4240

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3400, मसूरी- 1000, बासमती- 5600, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 3900, साबुत चना दाल- 3200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 9000-12200, दाल उड़द- 6800, साबुत मसूर दाल- 4200, मसूर दाल- 3000, उड़द साबुत- 5100, काबुली चना- 9400, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 2200

ओमान, न्यूजीलैंड से एफटीए वार्ता अंतिम दौर में

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने द. अमेरिकी देश चिली से भी समझौते पर बात जल्द पूरी होने की जताई उम्मीद

जयपुर, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि ओमान और न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए बातचीत अपने अंतिम चरण में है और दोनों के जल्द ही संपन्न होने की उम्मीद है। उन्होंने संकेत दिया कि दक्षिण अमेरिकी देश चिली के साथ भी व्यापार समझौते के लिए बातचीत जल्द पूरी हो जाएगी।

मंत्री ने कहा कि ओमान से समझौते के लिए बात अंतिम चरण में है और न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले शुक्रवार को नई दिल्ली आ रहे हैं। एफटीए पर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच रही है। इस बीच, वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि गहन वार्ता के तीन दौर (नवंबर 2023-मार्च 2024) के बाद दोनों पक्ष सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) के सभी घटकों पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं जिसमें पाठ्य एवं बाजार पहुंच प्रस्ताव शामिल हैं। इसमें कहा गया कि मार्च 2024 में मंत्रिमंडल द्वारा प्रस्तुत एक प्रस्ताव को स्थगित कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप आगे की बातचीत की आवश्यकता पड़ी। चौथे दौर (सितंबर 2024) और पांचवें दौर (13-14 जनवरी 2025) में संशोधित प्रस्तावों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें कहा गया कि प्रासंगिक प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद, हस्ताक्षर व पुष्टि के लिए मंत्रिमंडल 'नोट' का मसौदा संबंधित मंत्रालयों को भेजा गया। दोनों पक्ष अब आंतरिक अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं।

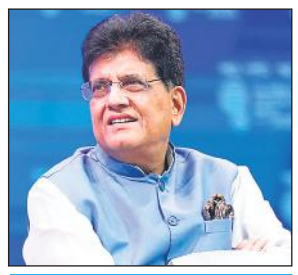

- वाणिज्य मंत्रालय ने कहा- दोनों पक्ष सीईपीए के सभी घटकों पर एक समझौते पर पहुंचे

भारत-इजराइल ने मुख्य वार्ताकारों को किया नियुक्त

इजराइल से व्यापार समझौते पर गोयल ने कहा कि उन्होंने इजराइल के अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के साथ हाल ही में बैठक की थी और दोनों पक्षों ने प्रस्तावित समझौते के लिए अपने मुख्य वार्ताकारों को नियुक्त कर दिया है। तेल अवीव में दोनों देशों ने समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने हेतु संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर पिछले महीने हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि इजराइल के साथ पहले चरण की शुरुआत होगी। मंत्रालय ने कहा कि भारत और इजराइल 2010 से एफटीए पर बातचीत कर रहे हैं। इसमें 280 शुल्क श्रेणियों या उत्पाद श्रेणियों को शामिल करने वाले 10 दौर पूरे हो चुके हैं।

मालदीव ने किए हस्ताक्षर और कतर से वार्ता शुरू

इसके अलावा, इसमें कहा गया कि भारत-मालदीव मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर तीन जुलाई 2025 को माले में हस्ताक्षर किए गए थे। टीओआर आगामी एफटीए वार्ताओं के लिए ढांचा एवं दायरा निर्धारित करता है। समझौते पर वार्ता शुरू हो चुकी है। भारत और कतर भी मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करने हेतु एक टीओआर को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसी तरह की प्रक्रिया भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के बीच भी जारी है। गोयल प्रवासी राजस्थानी दिवस में हिस्सा लेने यहां पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने व्यापार से संबंधित मुद्दों पर विभिन्न देशों के नेताओं के साथ कई बैठकें की हैं।

भारत, ईयू वार्ता शीघ्र पूरा करने को प्रतिबद्ध

जयपुर। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ एफटीए पर बात आगे बढ़ा रहे हैं और समझौते की मोटी रूपरेखा तैयार हो गई है। दोनों पक्ष समझौते को जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोयल और यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मार्कोस सेफकोविक ने आठ-नौ दिसंबर को वार्ता की समीक्षा की थी।

उन्होंने कहा कि चर्चाएं सकारात्मक रहीं। मुझे विश्वास है कि जल्द यूरोपीय संघ के साथ समझौते पर कोई निर्णय लिया जाएगा। जनवरी में वार्ता के समापन पर मंत्री ने कहा कि इसकी काफी प्रबल संभावनाएं हैं। दोनों पक्ष समझौते को जल्द पूरा करना चाहते हैं। चाहे एक महीने में हो, अगले सप्ताह हो या अगले महीने, ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्षों ने के लिए दिसंबर के अंत की समय सीमा तय की है।

आपका पैसा, आपका अधिकार अभियान में लें हिस्सा : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से 'आपका धन, आपका अधिकार' अभियान में हिस्सा लेने का बुधवार को आग्रह किया। इसके तहत गत दो महीनों में 2,000 करोड़ रुपये की बिना दावे वाली संपत्तियां उनके असली मालिकों को सफलतापूर्वक लौटाई गई हैं। सरकार ने चार अक्टूबर को 'आपका पैसा, आपका अधिकार' राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया था। इसका उद्देश्य बैंक जमा, बीमा, लाभांश, शेयर, म्यूचुअल फंड और पेंशन सहित लावारिस पड़ीं वित्तीय संपत्तियों को उनके वैध दावेदारों तक पहुंचाने में मदद करना है।

मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, सभी हितधारकों खासतौर पर सरकार, नियामक निकायों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के समन्वित प्रयासों से करीब 2,000 करोड़ रुपये पहले ही उनके सही मालिकों को लौटाए जा चुके हैं। अक्टूबर से पांच दिसंबर 2025 तक 477 जिलों में शिविर आयोजित किए गए। इनमें जन प्रतिनिधियों, जिला प्रशासनों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री लोगों से 'आपका पैसा, आपका अधिकार' आंदोलन में हिस्सा लेने का आग्रह करते हुए कहा, हम आने वाले दिनों में इस आंदोलन को और व्यापक बनाना चाहते हैं। भारतीय बैंकों में बिना दावे का 78,000 करोड़ रुपये पड़ा है। बीमा कंपनियों के पास 14,000 करोड़ की राशि बिना दावे के पड़ी है। साथ ही म्यूचुअल फंड कंपनियों के पास 3,000 करोड़ और 9,000 करोड़ की राशि रखी है।

- अभियान के तहत दो माह में 2,000 करोड़ की बिना दावे वाली संपत्तियां असली मालिकों को लौटाई गई

सिम बाइंडिंग से निजता को खतरा नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों के संगठन सीओएआई ने सिम बाइंडिंग के सरकार के आदेश का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि लोगों में ये गलत अवधारणा है कि इससे निजता और गोपनीयता का उल्लंघन होगा। सरकार ने देश में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के लिए सिम बाइंडिंग अनिवार्य करने का आदेश जारी किया है, यानी कि जिस नंबर पर सोशल मीडिया एप सक्रिय है उस सिम के मोबाइल में रहने तक ही वह एप लॉग इन रह सकेगा।

सीओएआई ने कहा कि यूपीआई और भुगतान एप के लिए देश में पहले से ही सिम बाइंडिग के नियम लागू है। उसने कहा है कि विदेशों में जाने पर यूजर वाई-फाई या स्थानीय सिम के डाटा का इस्तेमाल करते हुए तब तक एप का इस्तेमाल जारी रख सकेंगे जब तक सेकेंड्री स्लॉट में एप से जुड़ा भारतीय सिम है। उसने कहा कि विदेशों में बैठे डिजिटल ठगों से लोगों को बचाने के लिए सिम बाइंडिग जरूरी है।

- मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों के संगठन ने किया सरकार के आदेश का स्वागत
- यूपीआई और भुगतान एप के लिए देश में पहले से ही सिम बाइंडिग के नियम लागू

संगठन के प्रेस नोट में एक निश्चित समय के बाद लॉगआउट के नियम के बारे में कहा गया है कि बैंकिंग पोर्टल, डिजी लॉकर, आधार और वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क सेशन समाप्त करने के इससे भी कड़े मानक अपनाते हैं। निजता के उल्लंघन के बारे में प्रेस नोट में कहा गया है कि सिम बाइंडिंग के लिए किसी अतिरिक्त डाटा संग्रह की जरूरत नहीं होती है। साथ ही इससे मैसेजिंग आदि पर कोई असर नहीं होता है।

अमेजन भारत में करेगा 35 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने भारत में 2030 तक अपने सभी व्यवसायों में 35 अरब डॉलर का भारी निवेश करने की योजना की बुधवार को घोषणा की। कंपनी का मकसद कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना है। अमेजन ने यह घोषणा माइक्रोसॉफ्ट द्वारा भारत में 2030 तक डेटा सेंटर, एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिज्ञा जताने के एक दिन की है। इससे पहले गूगल ने पांच वर्षों में एआई डेटा सेंटर बनाने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

- गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के बाद ई-कॉमर्स कंपनी ने की घोषणा

अमेज़न ने कहा कि 2030 तक कृत्रिम मेधा और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में उसके निवेश से भारत में अतिरिक्त 10 करोड़ नौकरियां उत्पन्न करने में मदद मिलेगी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन.वॉलमार्ट समर्थित फ्लिपकार्ट के साथ मुकेश अंबानी की घरेलू कंपनियों और इटर्नल लिमिटेड की ब्लिंक्ट, स्विगी लिमिटेड की इंस्टामार्ट एवं जेप्टो जैसी तुरंत डिलीवरी करने वाली कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए निवेश बढ़ा रही है।

एडीबी ने किया भारत के वृद्धि दर अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बुधवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.5 से बढ़ाकर 7.2% कर दिया। इसकी प्रमुख वजह हाल में जीएसटी दरों में कटौती से घरेलू खपत को मिली मजबूती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की यह तेज रफ्तार एशिया को भी तेजी से बढ़ने में मदद करेगी, जो इस साल 4.8% के पिछले अनुमान के मुकाबले अब 5.1% की दर से बढ़ सकती है। एडीबी की दिसंबर के लिए जारी एशिया विकास परिदृश्य रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2025 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को 7.2% कर दिया गया है, जो दूसरी तिमाही में अपेक्षा से अधिक मजबूत विस्तार को दर्शाता है। कर में कटौतियों ने खपत को मजबूती दी। सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था 8.2% की दर से बढ़ी, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। पहली तिमाही में यह 7.8% थी। इस तरह चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारत 8% की वृद्धि दर हासिल कर चुका है।

- जीएसटी दरों में कटौती से घरेलू खपत को मिली मजबूती को देखते हुए एशियाई बैंक ने लिया निर्णय

एडीबी की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मजबूत वृद्धि आपूर्ति पक्ष में विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के मजबूत विस्तार और मांग पक्ष में खपत एवं निवेश की वृद्धि के कारण हुई है। हालांकि मनीला स्थित इस बहुपक्षीय विकास बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने अनुमान को 6.5% पर बरकरार रखा है।

राष्ट्रीय

सीईसी समिति को लेकर मोदी पर भरोसा क्यों नहीं

चुनाव सुधारों पर लोस में चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष में हुई नोकझोंक, वेणुगोपाल की टिप्पणी का भाजपा ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर रखने पर बुधवार को सरकार को आड़े हाथ लिया, जिस पर भाजपा से रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जब प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार पर न्यूक्लियर बटन का भरोसा किया जा सकता है, तो इन नियुक्तियों के समय ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता।

चुनाव सुधारों पर लोकसभा में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस के वेणुगोपाल ने दावा किया कि हाल के वर्षों में निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अपने एक आदेश में स्पष्ट किया था कि निष्पक्ष चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग का तटस्थ होना जरूरी है। सरकार ने इसके उलट किया और मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एवं निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) के चयन की समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर कर दिया। कानून मंत्री को इस पर जवाब देना चाहिए।

शीतकालीन सत्र के दौरान लोसभा में भाषण देते भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद।

इस पर पूर्व कानून मंत्री और भाजपा सांसद प्रसाद ने कहा कि जब प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार पर न्यूक्लियर बटन का भरोसा किया जा सकता है, तो एक अच्छे सीईसी या ईसी को चुनते समय ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता। जब संसद ने अपनी समझ से चयन समिति के संबंध में कानून पारित किया है, जिसमें प्रधान न्यायाधीश को शामिल नहीं किया गया है, तो न्यायपालिका को हर चीज़ में क्यों शामिल किया जाना चाहिए। प्रसाद ने दावा किया कि वेणुगोपाल भी इस बात से सहमत थे कि उच्चतम न्यायालय की पीठ द्वारा प्रस्तावित चयन समिति सिर्फ एक अंतरिम व्यवस्था थी। भाजपा नेता का न्यूक्लियर बटन से संकेत देश द्वारा अत्यंत असामान्य स्थिति में परमाणु हथियार चलाने की अनुमति देने के निर्णय से था।

प्रधानमंत्री ईवीएम नहीं, दिलों को हैक करते हैं : कंगना

नई दिल्ली। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने वोट चोरी के आरोपों को लेकर बुधवार को कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ईवीएम 'हैक' नहीं करते, बल्कि वह लोगों के दिलों को 'हैक' करते हैं। उन्होंने चुनाव सुधार पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए विपक्ष पर आरोप लगाया कि उसने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर पिछले एक साल से सदन में हंगामा किया। भाजपा सांसद ने चर्चा में एक दिन पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दिए वक्तव्य का हवाला दिया और उन पर तंज कसा। रनौत ने यह भी कहा राहुल के भाषण के दौरान विपक्ष ने सदन में एक विदेशी महिला की तस्वीर प्रदर्शित कर यहां उसका मुद्दा बनाया, जबकि उन्होंने (महिला) सोशल मीडिया पर कई बार कहा है कि वह कभी भारत नहीं गई हैं और उनका हरियाणा से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन फिर भी इन लोगों ने बिना किसी सबूत के और बिना अनुमति के उनकी यहां तस्वीर उछाली...। उनका इशारा एक ब्राजीलियाई महिला की ओर था, जिनका नाम हरियाणा की मतदाता सूची में होने का नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया था। भाजपा सांसद ने कहा कि सबसे पहले इस सदन की तरफ से उन महिला से मैं माफी मांगती हूं। आजकल व्यक्तित्व अधिकार (के हनन) का भी बहुत बड़ा अपराध होता है। उसके बावजूद उनका यहां फोटो इस्तेमाल किया गया। उन्होंने वोट चोरी के आरोपों पर कहा कि कांग्रेस के लोग शायद यह समझ नहीं पा रहे हैं कि प्रधानमंत्री ईवीएम हैक नहीं करते, बल्कि लोगों के दिलों को हैक करते हैं।

दिल्ली दंगे : उमर व शरजील की जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से संबंधित यूएपीए मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम व अन्य आरोपियों की जमानत पर फैसला बुधवार को सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता, अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरल एस.वी. राजू और अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल, अभिषेक सिंघवी, सिद्धार्थ दवे, सलमान खुर्शीद और सिद्धार्थ लूथरा की दलीलें सुनीं।

दिल्ली पुलिस ने आरोपियों की जमानत याचिकाओं का कड़ा विरोध करते हुए कहा था कि फरवरी 2020 में दंगे अचानक नहीं हुए थे बल्कि भारत की संप्रभुता पर हमला करने के लिए पूर्व नियोजित तरीके से इन्हें अंजाम दिया गया था। उमर, शरजील और अन्य आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम, 1967 और तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था।

संसद सत्र बीच में छोड़कर विदेश गए राहुल : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संसद सत्र के बीच में ही विदेश जाने को लेकर भाजपा ने आरोप लगाया कि यह उनकी आदत है। इस पर कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आधा समय विदेश में ही रहते हैं तो राहुल गांधी की यात्रा पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं।

भाजपा ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर हमलावर होते हुए शीतकालीन सत्र के बीच में विदेश जाने पर सवाल उठाते हुए देश के महत्वपूर्ण मुद्दों के समय गायब रहने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने भाजपा मुख्यालय में गांधी पर आरोप लगाया कि ऐसा करना उनकी आदत है। 3 महीनों में गांधी कई बार देश के बाहर उस समय गए जब उपराष्ट्रपति चुनाव होने के लिए राजनीतिक पार्टियां मंथन में जुटी थीं। गांधी संभवतः उस समय मलेशिया में थे। इससे भी मुलाकात करेंगे।

- प्रधानमंत्री आधा समय विदेश में बिताते हैं, फिर राहुल की यात्रा पर सवाल क्यों: प्रियंका गांधी

पहले गांधी बिहार चुनाव की घोषणा होने और दशहरा के समय दक्षिणी अमेरिका में थे। नेता विपक्ष श्री गांधी के ऐसे समय गायब होने की जानकारी क्यों नहीं साझा की जाती है, क्या वह किसी आधिकारिक या अनाधिकारिक यात्रा पर जाते हैं। राहुल गांधी के जर्मनी दौरे पर भाजपा केसवाल पलटवार करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री अपना आधा कामकाजी समय विदेश में बिताते हैं तो फिर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की यात्रा पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी का दौरा करेंगे, जहां वह भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के साथ ही जर्मन सरकार के कुछ मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे।

लूथरा बंधुओं की जमानत पर सुनवाई आज

नाइट क्लब अग्निकांड

नई दिल्ली, एजेंसी

गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा बुधवार को दिल्ली की अदालत से अंतरिम राहत पाने में असफल रहे, जिसने उनकी ट्रांजिट अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई अगले दिन के लिए स्थगित कर दी। आरोपियों की ट्रांजिट अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहीं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वंदना ने गोवा से जवाब मांगा और अगली सुनवाई बृहस्पतिवार के लिए तय की।

गोवा पुलिस को अजय गुप्ता की 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिली : दिल्ली की अदालत ने गोवा पुलिस को नाइट क्लब के सह मालिक अजय गुप्ता की 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड की अनुमति दे दी। गुप्ता को पूछताछ के लिए दिल्ली में हिरासत में लिया गया था। गोवा पुलिस ने गुप्ता को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद जोशी के समक्ष पेश किया और उनकी ट्रांजिट रिमांड मांगी। इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान के कारण जारी हवाई यात्रा संकट को देखते हुए अदालत ने 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मंजूर की।

अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन न करने वाले प्रतिष्ठानों का लाइसेंस रद्द होगा : सावंत

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को कहा कि अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन न करने वाले पर्यटन प्रतिष्ठानों के लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। छह दिसंबर की रात एक नाइटक्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत के बाद सावंत ने उत्तर और दक्षिण गोवा जिला प्रशासन, पुलिस और पर्यटन से जुड़े हितधारकों के साथ उच्च-स्तरीय बैठक की। बैठक क्रिसमस और नए साल के उत्सवों से पहले कड़े सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के लिए हुई। राज्य के पर्यटन मंत्री रोहन खुंटे भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद सावंत ने कहा कि सरकार द्वारा गठित अग्नि सुरक्षा ऑडिट समिति विभिन्न पर्यटन प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने पहुंच चुकी है और वह निरीक्षण पूरा होने पर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

वीर सावरकर पुरस्कार न लूंगा और न समारोह में जाउंगा : शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस नेता बोले- मेरी सहमति के बिना मेरे नाम की घोषणा करना गैरजिम्मेदाराना

शशि थरूर ने बुधवार को स्पष्ट किया कि वह वीर सावरकर के नाम पर दिए जाने वाले किसी भी पुरस्कार को स्वीकार नहीं करेंगे और न ही इससे संबंधित कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं, कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने थरूर से आग्रह किया कि वह सावरकर से सम्मान को स्वीकार न करें और दावा किया सावरकर अंग्रेजों के सामने झुक गए थे।

तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने कहा कि आयोजकों द्वारा पुरस्कार लेने पर मेरी सहमति के बिना मेरे नाम की घोषणा करना गैरजिम्मेदाराना है। इससे पहले कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि शशि थरूर समेत पार्टी के किसी भी सदस्य को वीर सावरकर के नाम पर पुरस्कार स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि वह अंग्रेजों के सामने झुक गए थे।

उन्हें विश्वास नहीं होता कि थरूर यह पुरस्कार स्वीकार करेंगे क्योंकि ऐसा करना कांग्रेस का अपमान की बात होगी। थरूर ने दिल्ली में कहा कि उन्हें इस पुरस्कार के बारे में मंगलवार को ही पता चला और वे समारोह में शामिल होने नहीं जा रहे हैं।

न्यायपालिका को बदनाम करने की कोशिश न करें

नयी दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व जजों ने की रोहिंग्याओं पर की गई टिप्पणी के लिए सीजेआई के खिलाफ अभियान की निंदा

पूर्व न्यायाधीशों के समूह ने रोहिंग्या प्रवासियों से संबंधित सुनवाई के दौरान भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की हाल की टिप्पणियों के मद्देनजर उन्हें निशाना बनाकर चलाई जा रही सोची-समझी मुहिम की बुधवार को कड़ी आलोचना की। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के 44 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने कहा कि न्यायपालिका को बदनाम करने या प्रधान न्यायाधीश पर राजनीतिक मंशा थोपने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे संवैधानिक संस्थानों में जनता का विश्वास और न्यायालय की स्वतंत्रता कमजोर हो रही है।

पूर्व न्यायाधीशों ने 'उच्चतम न्यायालय का अनादर अस्वीकार्य है' शीर्षक वाले बयान में कहा कि न्यायिक कार्यवाही केवल निष्पक्ष और तर्कसंगत आलोचना के अधीन होनी चाहिए। हम जो देख रहे हैं वह सैद्धांतिक असहमति नहीं है, बल्कि एक सामान्य अदालती कार्यवाही को पूर्वाग्रह का कृत्य बताकर न्यायपालिका को बदनाम करने का प्रयास है।

पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि प्रधान न्यायाधीश पर सबसे बुनियादी कानूनी सवाल पूछने के लिए निशाना साधा जा रहा है। पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि आलोचकों ने पीठ की टिप्पणियों के एक महत्वपूर्ण हिस्से को भी नजरअंदाज कर दिया, जिसमें यह स्पष्ट किया गया था कि भारतीय धरती पर किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह नागरिक हो या विदेशी नागरिक, यातना, गुमशुदगी या अमानवीय व्यवहार का शिकार नहीं बनाया जा सकता है।

दो दिसंबर को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने मानवाधिकार कार्यकर्ता रीता मनचंदा द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर तीखी टिप्पणी की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि कुछ रोहिंग्या हिरासत से लापता हो गए हैं। प्रधान न्यायाधीश ने पूछा कि यदि कोई घुसपैठिया आता है, तो क्या हम उसका लाल कालीन बिछाकर स्वागत करते हैं और कहते हैं कि हम उसे सभी सुविधाएं देना चाहते हैं? उन्हें वापस भेजने में क्या समस्या है?

भारत में हजारों एच1बी वीजा के साक्षात्कार रद्द किए जाने से आवेदकों में भारी आक्रोश

- सोशल पोस्ट और ऑनलाइन प्रोफाइल जांच को बताया वजह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में इस महीने के अंत में होने वाले हजारों एच-1बी वीजा आवेदकों के पूर्व-निर्धारित साक्षात्कार अचानक कई महीनों के लिए स्थगित कर दिए गए हैं, जिसका कारण उनके सोशल मीडिया पोस्ट और ऑनलाइन प्रोफाइल की जांच करना बताया जा रहा है।

जिन आवेदकों के वीजा के लिए अगले सप्ताह साक्षात्कार निर्धारित थे, उनमें से कुछ को अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों से ईमेल प्राप्त हुए हैं जिसमें उन्हें सूचित किया गया है कि उनके साक्षात्कार अगले वर्ष मई तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। बढ़ी हुई जांच प्रक्रियाओं के मद्देनजर एच-1बी वीजा आवेदकों के निर्धारित साक्षात्कारों को बड़े पैमाने पर रद्द किए जाने से उनके अमेरिका लौटने में काफी देरी होने की आशंका है। साक्षात्कारों का पुनर्निर्धारण उन सभी आवेदकों के लिए किया गया है जिन्हें पहले 15 दिसंबर या उसके बाद के लिए अपॉइंटमेंट दिए गए थे। इनमें से अधिकांश पहले से ही भारत में थे और अब नई साक्षात्कार तिथियों के कारण अमेरिका लौटने में असमर्थ हैं क्योंकि अमेरिका वापस जाने के लिए वैध एच-1बी वीजा नहीं है।

प्रभावित आवेदकों की सटीक संख्या ज्ञात नहीं

समझा जा रहा है कि वीजा आवेदकों के सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच के लिए नए मानदंडों को देखते हुए वीजा आवेदकों की कई अन्य श्रेणियों के साक्षात्कार भी स्थगित किए जा रहे हैं। वीजा साक्षात्कार में देरी से प्रभावित आवेदकों की सटीक संख्या अभी तक ज्ञात नहीं है। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने वीजा आवेदकों से आग्रह किया है कि वे अपनी पूर्व निर्धारित साक्षात्कार तिथि के आधार पर दूतावास न आएं। कई वीजा आवेदकों ने सोशल मीडिया में अपने पोस्ट में आपबीती साझा की।

पायलट ड्यूटी के नए नियम

भारत में पायलटों के लिए ड्यूटी और विश्राम के नियमों में बड़े बदलाव लागू होने के बाद पूरे विमानन क्षेत्र में हलचल मच गई है। नए नियम जहां विमानों, यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम माने जा रहे हैं, वहीं अन्य देशों से उन्हें कुछ ज्यादा सख्त बताया जा रहा है। नियमों का तुरंत असर विशेषकर इंडिगो जैसी बड़ी एयरलाइन पर स्पष्ट दिखाई दिया, जिसने सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दीं। अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि पायलटों के लिए नए उड़ान ड्यूटी नियम अन्य देशों की तुलना में कार्यावधि को सीमित करने वाले प्रतीत होते हैं लेकिन स्थिति सामान्य होने में समय लगेगा। आइए जानते हैं पुराने नियम क्या थे, नए नियम कैसे बदले, दुनिया में क्या मानक हैं और भारत में विमानन नियामक डीजीसीए का क्या रुख है।

आसमान में उथल-पुथल

नए नियम में यह हुए बदलाव

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने 2025 में मौजूदा नियमों को पूरी तरह संशोधित कर दिया। सबसे अहम बदलावों में साप्ताहिक रेस्ट 36 से 48 घंटे, दो स्थानीय रातों के साथ कर दिया गया। नाइट ड्यूटी में भी बदलाव किया गया। रात की उड़ान अधिकतम 8 घंटे फ्लाइट टाइम, 10 घंटे ड्यूटी कर दिया गया। एक पायलट के लिए केवल 2 नाइट लैंडिंग कर दी गई जबकि पहले 6 तक अनुमति थी। एयरलाइंस को अब क्रू थकावट पर अनिवार्य रिपोर्टिंग करना होता है।

डीजीसीए ने कहा-सुरक्षा पहले

डीजीसीए का रुख साफ है। उसका कहना है कि नए नियम सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। पायलट थकावट एक गंभीर खतरा है। हालांकि अचानक संकट को देखते हुए नियामक ने इंडिगो सहित कुछ ऑपरेटरों को अस्थायी राहत/छूट दी, ताकि उड़ान संचालन सामान्य हो सके। साथ ही डीजीसीए ने स्पष्ट किया कि यह छूट अस्थायी है और सुरक्षा पर किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

दुनिया के अन्य देशों में नियम

अमेरिका, यूरोप और अन्य उन्नत विमानन बाजारों में पायलटों के लिए सख्त नियम पहले से लागू हैं। आईसीएओ भी सदस्य देशों को पायलटों की थकान को प्राथमिकता देने की सलाह देता रहा है। भारत के नए नियम अब वैश्विक मानकों से काफी हद तक मेल खाते हैं।

ड्यूटी के पुराने नियम

पुराने विमानन नियमों के अनुसार भारत में पायलट को 36 घंटे का साप्ताहिक आराम मिलता था और रात की ड्यूटी 5 बजे तक ही थी यह ढांचा अंतर्राष्ट्रीय मानकों से कम सख्त माना जाता था।

क्यों बिगड़ा हाल? उड़ानें रद्द होने का कारण

नए नियम लागू होने के तुरंत बाद कई एयरलाइंस, सबसे अधिक इंडिगो अपने रोस्टर को नए मानकों के अनुसार समायोजित नहीं कर पाईं। जिससे पायलट/केबिन क्रू की उपलब्धता अचानक कम हो गई। नाइट लैंडिंग और नाइट ड्यूटी सीमा से शेड्यूलिंग बाधित हुई। एयरलाइंस ने डीजीसीए को बताया कि नए नियम से तकनीकी दिक्कतें आईं जिससे हवाईअड्डों पर भीड़ हो गई। परिचालन में बाधा देश भर में महसूस की गई।

अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की चिंता

भारत द्वारा एक एयरलाइन को ड्यूटी नियमों में छूट देने पर वैश्विक पायलट संघों ने सुरक्षा संबंधी चिंता जताई। उनका कहना है कि थकावट-रोधी नियमों में छूट देना लंबी अवधि में जोखिम पैदा कर सकता है। भारत के नए पायलट ड्यूटी नियम सुरक्षा की दृष्टि से एक सकारात्मक और आवश्यक बदलाव हैं। लेकिन अचानक परिवर्तन और सभी एयरलाइंस की तैयारियों में अंतर के कारण इसका असर सीधे उड़ान संचालन पर पड़ा। अगले कुछ महीनों में यह साफ हो जाएगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी विवि में चली गोली, छात्र की मौत

फ्रैंकफर्ट। अमेरिका की केंटकी स्टेट यूनिवर्सिटी के एक आवासीय हॉल में मंगलवार को हुई गोलीबारी में कम से कम एक छात्र की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध स्कूल का छात्र नहीं है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। फ्रैंकफर्ट के सहायक पुलिस प्रमुख स्कॉट ट्रेसी ने मंगलवार शाम को बताया कि दोपहर करीब तीन बजे हुई गोलीबारी का संदिग्ध केंटकी स्टेट का छात्र नहीं है। ट्रेसी ने बताया कि पुलिस ने गोलीबारी पर तुरंत कार्रवाई की।

भारतीय मूल के व्यक्ति को 25 साल की सजा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में एक समुद्र तट पर 24 वर्षीय महिला की हत्या के मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 25 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। एबीसी न्यूज ने मंगलवार को अपनी खबर में बताया कि केर्न्स स्थित उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को पूर्व नर्स राजविंदर सिंह (41) को टोया कॉर्डिंगली की हत्या का दोषी पाया। न्यायमूर्ति लिंकन क्रॉली ने कहा कि महिला की हत्या के पीछे राजविंदर सिंह का मकसद अज्ञात था।

ऑस्ट्रेलिया में किशोरों पर सोशल मीडिया प्रतिबंध

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध बुधवार से प्रभावी हो गया है और देश के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने दुनिया में इस तरह के पहले सोशल मीडिया प्रतिबंध का स्वागत किया है। हालांकि अल्बनीज ने आगाह किया कि कार्यान्वयन कठिन हो सकता है। अल्बनीज ने कहा कि यह सुधार जिंदगियां बदल देगा।

भारत की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देगा इटली : तजानी

उप प्रधानमंत्री बोले-आर्थिक संबंधों की मजबूती को बढ़ाएंगे औद्योगिक सहयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

इटली के उप प्रधानमंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि भारत की वृद्धि में इटली महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए औद्योगिक सहयोग, संयुक्त उद्यम एवं सह-विकास परियोजनाओं को मजबूत करने पर विचार कर रहा है। ताजानी अमेरिका की शुल्क नीतियों के मद्देनजर दुनिया भर में व्यापार संबंधों के पुनर्गठन की पृष्ठभूमि में दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उनके पास विदेश मंत्रालय का प्रभार भी है।

उप प्रधानमंत्री ने कहा कि इतालवी विदेश मंत्रालय ने स्थानीय बाजार में प्रवेश करने और संयुक्त उद्यम बनाने वाली इतालवी कंपनियों का समर्थन करने के लिए भारत के लिए 50 करोड़ यूरो की एक समर्पित वित्तपोषण सुविधा (लाइन) शुरू की है। उन्होंने कहा कि अपनी इस यात्रा के माध्यम से मैं भारत में इटली की और इटली में भारत की मौजूदगी बढ़ाना चाहता हूं। भारत एक विशाल बाजार है, एक तेजी से विकसित होती आर्थिक शक्ति है। बुनियादी ढांचे से लेकर नई प्रौद्योगिकियों तक, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं से लेकर अंतरिक्ष तक विभिन्न क्षेत्रों में इसकी उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं।

नई दिल्ली में इटली के उप प्रधानमंत्री एंटोनियो ताजानी व सीओएनआई के अध्यक्ष लुसियानों के साथ केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा।

मंत्री ने कहा कि इतालवी कंपनियां इस असाधारण अवसरों से भरपूर देश में तेजी से रुचि दिखा रही हैं। मेरा मुख्य लक्ष्य उन्हें महत्वाकांक्षी और ठोस परिणाम प्राप्त करने में मदद करना है। ताजानी ने भारत को प्राथमिकता वाला देश बताया और उसे इटली का लंबे समय से भरोसेमंद मित्र करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर एक रणनीतिक साझेदार है और अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश एवं नवाचार के क्षेत्रों में एक विशेषाधिकार प्राप्त वार्ताकार है। इटली, भारत का यूरोप में एक प्रमुख साझेदार है और पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष नवंबर में दोनों पक्षों ने रक्षा, व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा एवं संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विशिष्ट पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एक महत्वाकांक्षी पांच वर्षीय रणनीतिक कार्य योजना पेश की थी। दोनों देशों के बीच वर्तमान में वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार करीब 14 अरब यूरो है और दोनों पक्ष एक मजबूत व्यापार ढांचे के तहत इसे बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत हैं। उप प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में इतालवी विशेषज्ञता को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के लिए एक निर्यात योजना भी शुरू की है और भारत रणनीतिक रूप से हमारी प्राथमिकता वाले देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में 50 करोड़ यूरो का अतिरिक्त इतालवी निवेश हमारी कंपनियों की प्रतिबद्धता का एक ठोस संकेत है। उप प्रधानमंत्री ने कहा कि इटली की निर्यात ऋण एजेंसी ने पहले से जारी की गई दो अरब यूरो से अधिक की गारंटी के अतिरिक्त, स्थानीय मुद्रा में देश में अपना निवेश करीब 20 करोड़ यूरो तक बढ़ा दिया है। ताजानी ने कहा कि इटली न केवल अधिक निर्यात करना चाहता है बल्कि औद्योगिक सहयोग, संयुक्त उद्यम, सह-विकास और सह-उत्पादन परियोजनाओं को बढ़ाने का भी लक्ष्य रखता है।

व्यापार और निवेश को करेंगे संतुलित

तजानी ने कहा कि हम भारत से इटली सहित अपने व्यापार एवं निवेश लेन-देन को बढ़ा और संतुलित कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि हम एक स्थिर देश हैं। यूरोप में दूसरे सबसे बड़े विनिर्माता हैं और हम भारतीय उद्योग एवं विनिर्माण विशेष रूप से मशीनरी व उद्योग की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। ताजानी ने कहा कि इतालवी कंपनियां डिजाइन से लेकर उन्नत विनिर्माण तक, कृषि मशीनरी से लेकर रक्षा उद्योग और कई अत्याधुनिक क्षेत्रों में अग्रणी हैं।

यूक्रेन-रूस शांति समझौते में यूरोप की भूमिका अहम

रोम। पोप लियो 14वें ने कहा कि यूक्रेन शांति समझौते में यूरोप की भूमिका अनिवार्य है और उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन की उस कोशिश की आलोचना की जिसका उद्देश्य लंबे समय से बरकरार अमेरिका-यूरोप गठबंधन को तोड़ना है। लियो यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। जेलेंस्की कीव के लिए यूरोपीय समर्थन जुटाने के मकसद से एक बार फिर दौरे पर हैं। अमेरिकी पोप ने कहा कि इस मुलाकात के दौरान युद्धविराम की जरूरत और रूसी अधिकारियों द्वारा ले जाए गए यूक्रेनी बच्चों की वापसी में वेटिकन की मध्यस्थता के प्रयासों पर चर्चा हुई।पोप से अमेरिकी शांति प्रस्ताव और वार्ता प्रक्रिया में यूरोपीय शक्तियों को किनारे किए जाने के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि किसी भी समझौते में यूरोप की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यूरोप को बातचीत में शामिल किए बिना शांति समझौता करना अव्यावहारिक है क्योंकि युद्ध यूरोप में ही चल रहा है। आज और भविष्य की सुरक्षा के लिए भी गारंटियों की तलाश की जा रही है। यूरोप को इसका हिस्सा होना चाहिए और दुर्भाग्य से हर कोई इसे नहीं समझता, लेकिन मुझे लगता है कि यूरोपीय नेताओं के एकजुट होकर समाधान खोजने का यह बड़ा अवसर है। पोप से अमेरिका की शांति योजना पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने यह टिप्पणी की।

भारत में नए उड़ान नियम कार्यावधि को घटाने वाले : वॉल्श

- आईएटीए प्रमुख बोले-विमान सुरक्षा नियामक की जिम्मेदारी

जिनेवा, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि पायलटों के लिए नए उड़ान ड्यूटी नियम अन्य देशों की तुलना में कार्यावधि को सीमित करने वाले प्रतीत होते हैं और स्थिति सामान्य होने में समय लगेगा। भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के समक्ष पिछले एक सप्ताह में पेश हुई परिचालन संबंधी बाधाओं की पृष्ठभूमि में वॉल्श ने यह बात कही है। इन व्यवधानों के कारण इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें रद्द की गईं और हजारों यात्री प्रभावित हुए।

वॉल्श ने कहा कि भारत के नए नियम अन्य देशों के नियमों की तुलना में (कार्यावधि को) सीमित करने वाले प्रतीत होते हैं लेकिन मुझे लगता है कि आपको हमेशा यह स्वीकार करना होगा कि नियामकों की यह जिम्मेदारी है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उद्योग सुरक्षित हो। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ये बदलाव सही कारणों से लागू किए गए हैं। अब बस कुछ समय की बात है जब सब कुछ सामान्य हो जाएगा। जेनेवा में एक मीडिया गोलमेज सम्मेलन में वॉल्श ने यह भी कहा कि पायलट की थकान के मानदंड एक ऐसा मुद्दा है जिस पर यूरोप और अमेरिका में हर समय बहस होती रहती है। वॉल्श ने कहा कि भारत ने निर्णय लिया है कि वे उपाय करना चाहते हैं। खासतौर पर रात्रिकालीन परिचालनों के दौरान संभावित थकान को दूर करने के लिए, जिसका स्वाभाविक रूप से कम लागत वाली विमानन कंपनियों पर अधिक प्रभाव पड़ेगा क्योंकि उनका व्यवसाय मॉडल ऐसा है... यह निराशाजनक है कि इस बदलाव के परिणामस्वरूप इतने यात्री प्रभावित हुए हैं। आईएटीएकरीब 360 विमानन कंपनियों का एक वैश्विक समूह है जो वैश्विक हवाई यातायात के 80 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करती हैं। आईएटीए के सदस्यों में एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट शामिल हैं। अन्य पहलुओं के अलावा, उड़ान ड्यूटी समयसीमा मानदंडों के दूसरे चरण ने पायलट द्वारा रात में की जाने वाली लैंडिंग की संख्या को सीमित कर दिया।

दो चीनी नागरिकों के खिलाफ चार्जशीट

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एचपीजेड टोकन निवेश धोखाधड़ी घोटाले के सिलसिले में दो चीनी नागरिकों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है, जिसमें कोरोनाकाल के दौरान फर्जी कंपनियों के जरिये लोगों से 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी किए जाने का आरोप है।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि चीनी नागरिकों के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली कंपनी 'शिगू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड' ने कोविड लॉकडाउन के दौरान 'क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग' में किया जाएगा, जिससे काफी उच्च रिटर्न हासिल होगा। सीबीआई की जांच में पता चला कि यह कोई छुटपुट घटना नहीं थी, बल्कि विदेशी नागरिकों द्वारा संचालित एक बड़े, सुनियोजित साइबर अपराध गिरोह से जुड़ी हुई थी। जांच एजेंसी ने पाया कि यह गिरोह कोविड-19 के बाद के दौर में भारतीय नागरिकों को निशाना बनाकर की गई कई साइबर धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार था, जिनमें कर्ज देने वाले एप, फर्जी निवेश एप और ऑनलाइन नौकरी की फर्जी पेशकश करने वाले मंचों का इस्तेमाल किया गया था।

- 1000 करोड़ रुपये के टोकन घोटाले में सीबीआई की कार्रवाई

'एचपीजेड टोकन' नाम के एक फर्जी मोबाइल एप का इस्तेमाल करके लोगों के साथ ठगी की।

जांच एजेंसी ने कहा कि आरोपियों ने यह दावा करते हुए लोगों को निवेश के लिए प्रोत्साहित किया कि उक्त रकम का इस्तेमाल

चंद्रयान की खोज ने चांद और मंगल मिशन तैयारियों को दी नई दिशा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : चंद्रयान-3 द्वारा चांद पर उच्चस्तरीय तापमान और सक्रिय विद्युत वातावरण ने चंद्रमा और मंगल पर बस्ती बसाने के इरादों की दिशा बदल दी है। साथ ही नई सोच विकसित करने के लिए मजबूर कर दिया है। अब वैज्ञानिकों को चांद के वातावरण के अनुकूल इंसान को ढालने के लिए नए उपाय तलाशने होंगे।

हमारे नजदीक होने के कारण चंद्रमा ही एकमात्र ऐसा उपग्रह है, जो हमें दूसरे ग्रहों पर इंसान को ले जाने वाली अंतरिक्ष योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए सहयोगी के रूप में बेहद मददगार साबित हो सकता है। चंद्रमा पर आगामी मिशन चलाने वाली स्पेस एजेंसियों में नासा, ईसा और चायना समेत इसरो प्रमुख हैं, जिनमें सर्वाधिक सक्रिय अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा है, जो आर्टेमिस मिशन के जरिए सबसे पहले चांद पर मानव दल पहुंचाना चाहता है और मंगल पर पहुंचने से पहले चांद को अपना पड़ाव बनाना चाहता है। मगर इसरो की नई खोज से आर्टेमिस मिशन में विलंब तो होगा। साथ ही, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर तीन हजार केल्विन से अधिक तापमान में खुद को जिंदा

- चांद के अनुकूल इंसान को ढालने को नए उपाय तलाशने होंगे

रखने के लिए उपाय तलाशने होंगे। इसके अलावा चंद्रमा प र सक्रिय विद्युत वातावरण में रह पाना भी बड़ी समस्या चंद्रयान-3 के जरिए सामने आई है। दरअसल, माना जाता था कि चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव ठंडा है और तापमान शून्य से नीचे रहता है। लिहाजा इंसान के ठहरने के लिए चांद का दक्षिणी ध्रुव माकूल जगह हो सकती थी। मगर अब यह धारणा बदल चुकी है। अब वैज्ञानिकों को सक्रिय विद्युत वातावरण से संचार और नेविगेशन में बदलाव करना होगा। वहां मौजूद प्लाज्मा रेडियो तरंगों में व्यवधान उत्पन्न कर सकता है। अब उन्नत एंटीना और फ्रीक्वेंसी-एडाप्टिव सिस्टम नए तरीके से डिजाइन करने होंगे और रेडिएशन शील्डिंग व प्लाज्मा रेसिस्टेंट मटेरियल्स उपयोग में लाना होगा ताकि चन्द्रमा पर मौजूद रेडिएशन से बचा जा सके।

चांद पर पहुंचने के लिए अहम है खोज

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार, दूसरे ग्रहों पर मानव मिशन को सफल बनाने के लिए चंद्रमा की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। वैज्ञानिक मंगल पर जीवन की प्रबल संभावनाओं को लेकर आश्वस्त है। मंगल का रास्ता चंद्रमा से होकर जाता है जिस कारण चन्द्रमा को एक डिपो के रूप में तैयार करने की योजना दुनियाभर के वैज्ञानिकों की है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 11 दिसंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 13 .56 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

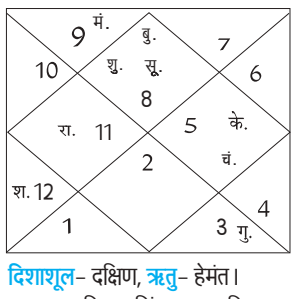

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 12 दिसंबर 03 .55 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष — आज आपकी उपलब्धियों की लोग प्रशंसा करेंगे। ऑनलाइन कार्यों से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। आपकी व्यवहार कुशलता की लोग प्रशंसा करेंगे। उधार के लेन-देन में आपको लाभ मिलेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

वृष — आज जोखिम भरे निवेश करने से पहले जानकारी लेलें। व्यापार में आपको एक से अधिक अवसर मिल सकते हैं। आपको त्वरित निर्णय नहीं लेने चाहिए। कुछ लोग आपका अपमान कर सकते हैं। स्वास्थ्य पहले से बहुत ही अच्छा रहेगा।

मिथुन — आज अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। लोगों के बीच आपके किसी अच्छे काम की चर्चा होगी। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन हो सकते हैं। समान विचारधारा वाले लोगों के बीच अति उत्तम समय व्यतीत करेंगे।

कर्क — आज दूसरों की सहायता करने से आपको सुकून मिलेगा, किंतु आत्मसम्मान का सदैव ध्यान रहें। कोई शुभ समाचार आपका दिन बना देगा। घर के किसी सदस्य के व्यवहार को लेकर थोड़े खिन्न हो सकते हैं। परोपकार के कार्यों में आप रुचि लेंगे।

सिंह — आज दांपत्य जीवन में परस्पर प्रेम और विश्वास की भावना में वृद्धि होगी। विदेश यात्रा में परेशानी होने की संभावना है। आपकी वाणी में सौम्यता आपको परिवार में विशेष सम्मान का हकदार बनाएगी। आपके रुके हुए कार्य संपन्न होंगे।

कन्या — आज व्यापार में नुकसान की आशंका से परेशान रहेंगे। छात्र कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। आपको कोई बड़ा और विशेष कार्य आरंभ नहीं करना चाहिए। नाक, कान और गला संबंधी समस्या हो सकती है।

तुला — आज पुराने मित्र से आपको सहायता मिलेगी। उत्तम भोजन के शौकीन रहेंगे। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। विद्यार्थी अपनी रणनीति में कुछ प्रयोग कर सकते हैं। स्वजनों का भरपूर प्रेम और सम्मान प्राप्त होगा।

वृश्चिक — आज आपके द्वारा कही गई कोई बात सत्य सिद्ध होगी। किसी मध्यस्थ के कारण से आपका कोई अटका काम बन सकता है। आपको किसी को वचन नहीं देना चाहिए। संपत्ति के विक्रय की योजना बनाएंगे। प्रेम विवाह को लेकर सहमति बन सकती है।

धनु — आज मस्तिष्क में नई योजनाओं का प्रवाह बढ़ता जाएगा। विरोधियों के बीच आपका वर्चस्व बढ़ेगा। पिता की बातें बुरी लग सकती हैं। रियल एस्टेट से जुड़े मामलों में सावधानी रखें। गुप्त शत्रु आपके खिलाफ भावनाएं भड़का सकते हैं।

मकर — आज गृहकार्यों में अत्यधिक व्यस्त रहने वाले हैं। व्यापारिक डील में हानि हो सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा परिवर्तन करना पड़ सकता है। बच्चों के व्यवहार में नियंत्रण रखें। किसी धार्मिक संस्था में सम्मिलित हो सकते हैं।

कुंभ — आज सभी कार्य शांतिपूर्ण तरीके से होंगे। कहीं दूर की यात्रा का विचार बना सकते हैं। मनोरंजन के कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। पति-पत्नी आपसी प्रेम और भाईचारा बनाकर रखें। खानपान में आप परिवर्तन कर सकते हैं।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में आपको लापरवाही नहीं करनी चाहिए। धार्मिक कार्यों में आप रुचि लेंगे। आप अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। नए संपर्कों से लाभ मिलेगा। कोई मूल्यवान वस्तु आपको प्राप्त हो सकती है। दिल की बजाय दिमाग से काम करें।

सुडोकू-187

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

					1	2		
2								
	2							
	5							
					7	3		
		3						
		1	5					

सुडोकू - 186 का हल

8	7	6	1	2	3	5	9	4
4	2	5	6	9	7	8	3	1
3	1	9	8	4	5	2	6	7
5	3	2	4	8	9	7	1	6
7	4	1	3	5	6	9	8	2
9	6	8	2	7	1	4	5	3
6	8	7	5	1	4	3	2	9
2	9	3	7	6	8	1	4	5
1	5	4	9	3	2	6	7	8

मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट से ज्यादा मैं किसी चीज से प्यार करती हूं। भारतीय जर्सी पहनना ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है। आप अपनी सारी परेशानियां एक तरफ रख देते हैं और सिर्फ यही आपको जीवन पर ध्यान लगाने में मदद करता है।

-स्मृति मंधाना

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेसी को एमएलएस में दूसरी बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया

फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा)। इंटर मियामी के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में लगातार दूसरी बार साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अर्जेंटीना के इस 38 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम इंटर मियामी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार हासिल करने में सफल रही। एमएलएस कप चैंपियन टीम के कप्तान मेसी एमएलएस के इतिहास में लगातार दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मंगलवार को उन्हें लीग के इस साल के सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान का विजेता घोषित किया गया। मेसी ने अपने साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके बिना यह पुरस्कार जीतना संभव नहीं था। वह लीग के इतिहास में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं।

भारत ने स्विट्जरलैंड को 4-0 से हराया

चेन्नई : भारत ने स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए पूल बी के पहले मैच में पहली बार खेल रही स्विट्जरलैंड को 4-0 से हराया। एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में खेले गए मुकाबले में राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार ने दुनिया की 296वें नंबर की खिलाड़ी रॉबिन गडोला पर 3-0 (7-6, 7-6, 7-5) से कड़ी टक्कर वाली जीत के साथ भारत को जीत की राह पर ला खड़ा किया। स्विस खिलाड़ी ने पहले गेम में 6-5 की बढ़त बनाई, जिसके बाद वेलावन ने दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और बाकी गेम भी इसी तरह कम अंतर से बराबर रहे। भारत की शीर्ष रैंक वाली 17 साल की अनाहत सिंह ने शांत प्रदर्शन करते हुए सेलीन वाल्सर को 3-0 (7-1, 7-4, 7-2) से हराया।

दूसरे टी-20 में गिल पर रहेगी नजर

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला आज, छोटे प्रारूप में छाप छोड़ने में नाकाम रहे हैं शुभमन

मुल्लांपुर (चंडीगढ़), एजेंसी

अभी तक सबसे छोटे प्रारूप में अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अपने घरेलू मैदान पर फॉर्म में वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांच मैचों की इस श्रृंखला के पहले दो मैचों के बीच केवल एक दिन का अंतराल है और ऐसे में गिल को सीधे मैदान पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 101 रन से करारी शिकस्त दी लेकिन सितंबर में एशिया कप में टी20 टीम में वापसी करने वाले गिल का औसत प्रदर्शन अभी भी चर्चा का विषय बना हुआ है। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में कप्तान के रूप में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन टी20 में वह अपनी इस सफलता को नहीं दोहरा पाए हैं जिससे उन पर दबाव बनना स्वाभाविक है।

समय शाम 7:00 बजे से

संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, फिर भी टीम प्रबंधन ने गिल की टी20 सलामी बल्लेबाज के रूप में क्षमता पर अधिक भरोसा दिखाया। इसके बाद संजू की टीम में जगह अनिश्चित हो गई। टेस्ट और वनडे कप्तान गिल आसानी से वह भूमिका निभा सकते हैं जो विराट कोहली ने पिछले साल टी20 विश्व कप तक भारत के लिए निभाई थी। भारतीय टीम में आठवें नंबर तक बल्लेबाजी के विकल्प मौजूद हैं और उसने अब अपने निडर दृष्टिकोण को और मजबूत कर लिया है, जिससे एक सूत्रधार के लिए बहुत कम जगह बची है। गिल निश्चित रूप से पावरप्ले में अभिषेक शर्मा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं और इसलिए उन्हें यह पता लगाना होगा कि वह अपनी भूमिका कैसे अच्छी तरह निभा सकते हैं। गिल के अलावा कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन भी अगले साल फरवरी मार्च में होने वाले विश्व कप से पहले चिंता का विषय बना हुआ है। उनका विश्व कप से पहले फॉर्म में लौटना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चंडीगढ़ के ठंडे वातावरण में भारत का अपने विजयी संयोजन में कोई बदलाव करने की संभावना नहीं है।

संजू की जगह जितेश, अर्शदीप-कुलदीप को एक साथ फिट करना मुश्किल

मुल्लांपुर (चंडीगढ़) : ऑस्ट्रेलिया में खेले गए आखिरी तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में जितेश शर्मा को अंतिम एकादश में शामिल करना अगर प्रयोग जैसा लग रहा था तो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर उन्हें प्राथमिकता देना अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन की सोच को स्पष्ट करता है। सैमसन की जगह निचले क्रम के किसी विशेषज्ञ फिनिशर को तरजीह देने के लिए थिंक टैंक को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। सैमसन को शुभमन गिल की वापसी के बाद बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष स्थान से हटा दिया गया था, जिसमें उनकी कोई गलती नहीं थी। तब से वह अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जितेश टीम में फिनिशर की अपनी भूमिका को अपनी रोजी-रोटी मानते हैं। अगर वह दक्षिण अफ्रीका और उसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली श्रृंखला में खराब प्रदर्शन नहीं करते हैं तो यह तय है कि वह टी-20 विश्व कप में शुरुआती मैचों में विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका निभाएंगे। इस समय टीम में विकेटकीपर के विकल्पों के लिए सैमसन और जितेश के अलावा किसी और के नाम पर विचार करना भी मुश्किल है। क्रिकेट विशेषज्ञों का भी मानना है कि अगर सैमसन को शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिलता है तो फिर निचले क्रम में बल्लेबाजी करने वाले जितेश को ही टीम में रखना सही होगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में खेलने वाली टीम से यह भी संकेत मिला कि दो प्रमुख गेंदबाज अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव एक साथ अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं हो सकते हैं क्योंकि टीम प्रबंधन आठवें नंबर तक अच्छे बल्लेबाज को रखने के पक्ष में है। अर्शदीप को संयुक्त अरब अमीरात में स्पिन गेंदबाजों के लिए अनुकूल विकेट पर अधिकतर मैच में बाहर बैठना पड़ा था। ऑस्ट्रेलिया में भी पांच मैच में से तीन मैच में उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। लेकिन कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में अर्शदीप को मौका मिला और इस प्रारूप में भारत की तरफ से सर्वाधिक विकेट लेने वाले इस तेज गेंदबाज ने जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी करते हुए एक बार फिर टीम को शुरुआती विकेट दिलाए।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, संजू सैमसन।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपाम्ला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

सूर्यकुमार का सहज रवैया खिलाड़ियों को करता है प्रेरित: स्टेन

कटक : दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका सहज रवैया खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। स्टेन ने जियोस्टार पर कहा जब आपको अपनी टीम का समर्थन मिल रहा होता है और आप अपने माहौल में सहज महसूस करते हैं, तो आप अपने खिलाड़ियों के साथ खुलकर बातचीत कर सकते हैं। आपको अपनी जगह या कप्तानी को लेकर कोई खतरा महसूस नहीं होता। उन्होंने कहा जब आप टीम को सर्वोपरि रखते हैं। जब आप यह कहते हैं किसी खिलाड़ी के लिए व्यक्तिगत रूप से सर्वश्रेष्ठ क्या है। टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ क्या है। हर कोई इसी तरह का कप्तान चाहता है, जो आत्मविश्वास से भरा हो, मिलनसार हो और व्यापक हित के लिए समायोजन करने को तैयार हो।

चोटें मानसिक मजबूती की परीक्षा लेती हैं: हार्दिक

कटक, एजेंसी

- बोले- सकारात्मक सोच से ही दमदार वापसी में रहा सफल

भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का मानना है कि चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने के बाद वह सकारात्मक मानसिकता से ही 'दमदार और बेहतर वापसी' करने में सफल रहे। एशिया कप के दौरान चोटिल होने वाले इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने भारतीय टीम में शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 28 गेंद पर नाबाद 59 रन की तूफानी पारी खेली और फिर 16 रन देकर एक विकेट लिया। भारत ने इस मैच में 101 रन से बड़ी जीत हासिल की।

हार्दिक ने बीसीसीआई टीवी पर जारी किए गए एक वीडियो में कहा मेरी सोच यह थी कि मैं पहले की तुलना में अधिक दमदार और बेहतर वापसी करूं। चोटें मानसिक रूप से आपकी परीक्षा लेती हैं और साथ ही कई तरह के संदेह भी पैदा करती हैं। इससे उबरने में अपने करीबी लोगों का भी बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा मैंने खुद को मजबूत बनाए रखा जिससे मुझे अधिक आत्मविश्वास मिला तथा खुद पर भरोसा करने और अपनी क्षमताओं पर पूरी तरह से विश्वास करने में मदद मिली है। मुझे एक खिलाड़ी के रूप में खुद पर पूरा भरोसा है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर आप खुद पर विश्वास नहीं करते हैं, तो दूसरे आप पर कैसे विश्वास करेंगे। टी20 विश्व कप में भारतीय अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी हार्दिक ने कहा कि वह ऐसे इंसान हैं जो आत्मविश्वास अपने भीतर से प्राप्त करता है और लोग क्या सोच रहे हैं इसकी ज्यादा परवाह नहीं करता है।

उन्होंने कहा मुझे लगता है कि मैं जीवन में बेहद ईमानदार और यथार्थवादी इंसान रहा हूं जिससे मुझे बहुत मदद मिली है। मुझे घुमा फिरा कर बात करना पसंद नहीं है। मैं इसकी परवाह नहीं करता कि अन्य लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे हैं। मैं हमेशा इस पर ध्यान देता हूं कि मैं खुद के बारे में क्या सोच रहा हूं। हार्दिक ने कहा अब वो समय आ गया है जब हार्दिक पंड्या सिर्फ खेल खेलना चाहता है, मैदान पर हर पल का आनंद लेना चाहता है। अब बड़ा और बेहतर बनना ही मेरे जीवन का ध्येय है।

संजू से प्रतिस्पर्धा करनी है तो सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा : जितेश

कटक : टी20 विश्व कप शुरू होने में अब जबकि दो महीने से भी कम समय बचा है तब खेल के इस छोटे प्रारूप में जितेश शर्मा विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में भारत की पहली पसंद के रूप में उभरे हैं, लेकिन उन्होंने संजू सैमसन के साथ किसी तरह की प्रतिस्पर्धा को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि इससे वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में संजू के बजाय जितेश को अंतिम एकादश में रखा।

भारत ने नौ साल बाद जीता कांस्य पदक

चेन्नई, एजेंसी

जीत का जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

आखिरी 11 मिनट में चार गोल करके भारत ने 2021 की चैंपियन अर्जेंटीना को बुधवार को कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में 4-2 से हराकर नौ साल बाद जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पदक जीत लिया। दो बार (होबार्ट 2001 और लखनऊ 2016) में चैंपियन रही भारतीय टीम ने आखिरी बार नौ साल पहले कोई पदक जीता था। पिछले दो बार टीम कांस्य पदक का मुकाबला हारकर चौथे स्थान पर रही थी। भारत के लिए अंकित पाल (49वां), मनमीत सिंह (52वां), शारदानंद तिवारी (57वां) और अनमोल इक्का (58वां) ने गोल दागे। वहीं, अर्जेंटीना के लिये निकोलस रौद्रिगेज (पांचवां) और सैंटियागो फर्नांडिस (44 वां) ने गोल किए।

तीन क्वार्टर तक दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए आखिरी क्वार्टर में दनादन चार गोल करके खचाखच भरे मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में मानो जान फूंक दी। पहले 49वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को अंकित ने गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। वहीं, 52वें मिनट में भारत को फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर अनमोल इक्का के शॉट पर गेंद डिफ्लैक्ट होकर मनमीत की स्टिक से टकराकर गोल के भीतर गई। स्कोर 2-2 से बराबर होने के बाद लग रहा था कि मैच शूटआउट में जाएगा, लेकिन आखिरी सीटी बजने से तीन मिनट बाकी रहते भारत को अहम पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे शारदानंद तिवारी ने गोल में बदलकर पहली बार भारत को बढ़त दिलाई। अर्जेंटीना को अगले मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन इस टूर्नामेंट की खोज रहे गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने एक बार फिर शानदार बचाव किया। भारत को 58वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को अनमोल इक्का ने गोल में बदला। पहले तीन मिनट में ही गोल गंवाने से स्तब्ध भारतीय टीम पहले पूरे क्वार्टर में दबाव में नजर आई। टूर्नामेंट के राउंड रॉबिन चरण में 29 गोल करने वाली मेजबान टीम कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ गोल करने के लिए जूझती दिखी। पिछले मैच में जर्मनी ने उसकी फॉरवर्ड पंक्ति को बांधे रखा तो वहीं इस मुकाबले में पहले हाफ में अर्जेंटीना के गोल में ज्यादा घुस नहीं पाये और एक भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में नाकाम रहे।

भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में मिला। पेनल्टी कॉर्नर पर भारत की कमजोरी उजागर हुई जब लगातार चार मौकों में से एक भी तब्दील नहीं हो सका। अर्जेंटीना को इस बीच जवाबी हमलों में 40वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाले गोलकीपर प्रिंसदीप ने एक बार फिर शानदार बचाव किया। तीसरा क्वार्टर खत्म होने से एक मिनट पहले सैंटियागो फर्नांडिस ने भारतीय डिफेंस को पूरी तरह चकमा देकर गोल कर दिया।

जूनियर हॉकी विश्व कप

- प्लेआफ मुकाबले में अर्जेंटीना को 4-2 से हराया

जूनियर महिला विश्व कप हॉकी में भारत ने उरुग्वे को हराया

सैंटियागो (चिली), एजेंसी

जीत का जश्न मनाती भारतीय हॉकी जूनियर महिला टीम। एजेंसी

गोलकीपर निधि के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पेनल्टी शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराकर जूनियर महिला विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में में नौवें स्थान पर रहने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। नौवें से 12वें स्थान के लिए खेले गए इस क्लासिफिकेशन मैच में दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी।

भारत की तरफ से मनीषा ने 19वें मिनट जबकि उरुग्वे के लिए जस्टिना अरेगुई ने 60वें मिनट में गोल किया। पेनल्टी शूटआउट में भारत की तरफ से पूर्णिमा यादव, इशिका और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि गोलकीपर निधि ने उरुग्वे के तीन गोल का बचाव करके अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। पहले क्वार्टर में भारत का दबदबा रहा और उसने शुरुआत में ही कई मौके बनाए। हालांकि उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया।

भारत ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन साक्षी राणा का शॉट विपक्षी गोलकीपर ने रोक दिया। इसके कुछ क्षण बाद ही मनीषा ने हालांकि भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद अगले दो क्वार्टर में दोनों टीम ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए नहीं लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। जब मैच समाप्त होने में दो मिनट का समय बचा था तब उरुग्वे ने गोलकीपर की जगह एक फील्ड खिलाड़ी को मैदान में उतारा और उसकी यह रणनीति कारगर साबित हुई। अब खेल समाप्त होने में केवल दो सेकंड का समय बचा था कि तभी उरुग्वे को पेनल्टी मिली। जस्टिना अरेगुई ने इसे गोल में बदलकर मैच को शूटआउट में पहुंचा दिया, जिसमें निधि के शानदार खेल से भारत जीत हासिल करने में सफल रहा।

भारतीय निशानेबाजी लीग 16 फरवरी से

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय निशानेबाजी लीग (एसएलआई) के पहले सत्र का आयोजन अगले साल 16 से 26 फरवरी तक किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

बड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से टकराव से बचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ के 2026 कैलेंडर के हिसाब से तारीखें तय की गई हैं। लीग को इससे पहले 2026 की शुरुआत तक टाल दिया गया था। फ्रेंचाइजी आधारित इस लीग में कई शीर्ष भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाज पिस्टल, राइफल और शॉटगन वर्ग में मिश्रित टीम प्रारूप में मुकाबला करेंगे। एनआरएआई अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने विज्ञप्ति में कहा एसएलआई हमारे खेल के लिए एक मील का पत्थर है जो फ्रेंचाइजी आधारित, खिलाड़ियों को तरजीह देने वाला है और अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व के लिए वैश्विक कैलेंडर के हिसाब से है। इस प्रतियोगिता में कई वर्ग में मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी जिसमें पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर थ्री पोजीशन) और शॉटगन (ट्रैप और स्कीट) शामिल हैं। फ्रेंचाइजी आधारित टीम को लीग चरण के लिए दो पूल में बांटा जाएगा जिसके बाद नॉकआउट दौर होंगे। खिलाड़ियों को चार टियर में चुना जाता है जिसमें एलीट चैंपियंस, विश्व एलीट, राष्ट्रीय चैंपियंस, और जूनियर और युवा वर्ग शामिल हैं जिससे अंतर्राष्ट्रीय स्टार, शीर्ष भारतीय निशानेबाजों और उभरते हुए प्रतिभावान खिलाड़ियों का मिश्रण सुनिश्चित होता है।

अगले साल भारत में होगी राष्ट्रमंडल खो-खो चैंपियनशिप

नई दिल्ली : अगले साल नौ से 14 मार्च तक भारत में होने वाली पहली राष्ट्रमंडल खो खो चैंपियनशिप में 24 से ज्यादा देश शिरकत करेंगे। हालांकि इसके लिए भारत में जगह अभी तय नहीं हुई है। राष्ट्रमंडल खेल (सीएस) की भारत में चैंपियनशिप के लिए मंजूरी मिलने के बाद भारतीय खो खो महासंघ जगह तय करने के लिए कई राज्यों से बात कर रहा है। इस टूर्नामेंट में पुरुषों की 16 और इतनी ही महिलाओं की टीम हिस्सा लेंगी।

यह टूर्नामेंट इस साल जनवरी में दिल्ली में हुए पहले खो खो विश्व कप की तरह होगा जिसमें 23 देशों ने हिस्सा लिया था। अहमदाबाद को हाल में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए मेजबान शहर के तौर पर आधिकारिक रूप से पुष्टि किए जाने के बाद यह भारत में पहला राष्ट्रमंडल खो खो टूर्नामेंट होगा।

सुधार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन का मिला लाभ

विराट कोहली वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे

दुबई, एजेंसी

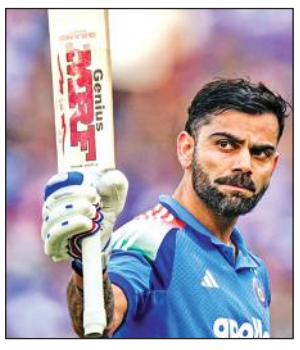

भारत के महान क्रिकेटर विराट कोहली सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज का स्थान फिर हासिल करने की कवायद में आगे बढ़ते हुए बुधवार को जारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। कोहली अप्रैल 2021 में पाकिस्तान के बाबर आजम द्वारा शीर्ष से हटाए जाने के बाद से दोबारा एकदिवसीय बल्लेबाजों सूची में नंबर एक स्थान हासिल नहीं कर पाए हैं। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन की बदौलत दाएं हाथ का यह बल्लेबाज एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल करने के करीब पहुंच गया है।

सैंतीस साल के कोहली को तीन मैच में 302 रन बनाने के लिए सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और वह नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के सुधार से टीम के अपने साथी रोहित शर्मा के बाद दूसरे स्थान पर आ गए। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में 146 रन बनाकर रैंकिंग के शीर्ष पर अपनी जगह बरकरार रखी। कोहली विशाखापत्तनम में श्रृंखला के आखिरी मैच में नाबाद 65 रन की पारी की बदौलत रोहित से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे हैं। रोहित के 781 जबकि कोहली के 773 अंक हैं। शुभमन गिल चोट के कारण तीन मैच की सीरीज में नहीं खेल पाने के बावजूद पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में टीम की अगुआई करने वाले लोकेश राहुल दो स्थान के फायदे से 12वें पायदान पर हैं।

टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में अक्षर पटेल (दो पायदान ऊपर 13वें स्थान पर), अर्शदीप सिंह (तीन पायदान ऊपर 20वें स्थान पर) और जसप्रीत बुमराह (छह पायदान ऊपर 25वें स्थान पर) की भारत की तिकड़ी ने कटक में पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 101 रन की जीत के बाद रैंकिंग में सुधार किया। यशस्वी जायसवाल टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय बल्लेबाज बने हुए हैं। गिल और ऋषभ पंत एक-एक पायदान आगे बढ़कर क्रमशः 11वें और 13वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में फायदा हुआ है। इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो एशेज टेस्ट में मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया बाएं हाथ का यह गेंदबाज तीन स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर है। स्टार्क ने दो मैच में 18 विकेट लिए हैं और इस वजह से वह अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक और सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। भारत के जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बरकरार हैं। मोहम्मद सिराज (12वें), रविंद्र जडेजा (13वें) और कुलदीप (14वें) की भारतीय तिकड़ी को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। मौजूदा एशेज श्रृंखला में प्रभावी प्रदर्शन करने में नाकाम रहे इंग्लैंड के हैरी ब्रूक बल्लेबाजों की सूची में दो पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गए जबकि केन विलियमसन (दूसरे) और स्टीव स्मिथ (तीसरे) को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है।

कुलदीप को तीन स्थान का हुआ फायदा

बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में तीन स्थान के फायदे से तीसरे नंबर पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक (तीन पायदान ऊपर 13वें स्थान पर), एडेन मारक्रम (चार पायदान ऊपर 25वें स्थान पर) और तेम्बा बावुमा (तीन पायदान ऊपर 37वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।